@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 2 सितंबर 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 299 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

नीट प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर होंगी रद्द

सीजेपी ने 5 सितंबर का मार्च लिया वापस

एजेंसी

नई दिल्ली। नीट-यूजी पेपर लीक के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों पर दर्ज एफआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने अपने विशेष अधिकार आर्टिकल 142 का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली और चार राज्यों (असम, महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार) में दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को 2873 आपराधिक इतिहास वाले लोगों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज करने की इजाजत दी है। यह एफआईआर 20 से 25 जुलाई के बीच दर्ज की गई थी। इस मामले में चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने सुनवाई की। दरअसल, दिल्ली पुलिस के अलावा चार राज्य सरकारों ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत हुई थी, जिसमें तीन बातों पर भरोसा दिया गया था।

पहला भरोसा यह था कि जिन छात्रों पर एफआईआर लगाई गई है, उसे वापस लिया जाएगा और कोई भी इन एफआईआर को आगे नहीं बढ़ाएगा। दूसरा भरोसा यह था कि 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच हुई घटनाओं के

हो, जो कोर्ट नहीं आए हैं।

तीसरा भरोसा मुआवजे को लेकर था। एसजी तुषार मेहता ने कहा कि सरकार इस भरोसे पर कायम है और जिन छात्रों ने सुसाइड किया है, उनके परिवार को मुआवजा दिया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग राज्य सरकारों और स्टेकहोल्डर्स से सलाह करके तौर-तरीके तय करने होंगे। उन्होंने इसके लिए कोर्ट से तीन महीने का समय मांगा। कोर्ट में मौजूद सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने बताया कि सीजेपी ने 5 सितंबर को होने वाला आंदोलन वापस ले लिया है।

सीजेपी ने की सराहना

सूर्यकांत ने कहा कि अगर दोनों पक्ष एक-दूसरे पर भरोसा दिखाएं तो सभी मुद्दों को एक-एक करके सुलझाया जा सकता है।

राजनाथ सिंह ने डिफेंस पीएसयू की समीक्षा की

पांच साल का रोडमैप तैयार करने का निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश के 16 रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) के वार्षिक प्रदर्शन और प्रगति की व्यापक समीक्षा की है। इस दौरान रक्षा मंत्री ने अगले पांच साल के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने डिफेंस पीएसयू से अगले पांच वर्षों के लिए एक स्पष्ट और व्यावहारिक रोडमैप तैयार करने का आह्वान किया। यह रोडमैप बदलते समय और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के अनुरूप देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने वाला होना चाहिए। यह समीक्षा बैठक मंगलवार को नई दिल्ली स्थित रक्षा सार्वजनिक उपक्रम भवन में हुई। समीक्षा का मुख्य फोकस देश में रक्षा उत्पादन को और मजबूत करना, स्वदेशी तकनीकों का विकास, नवाचार को बढ़ावा देना और रक्षा निर्यात में

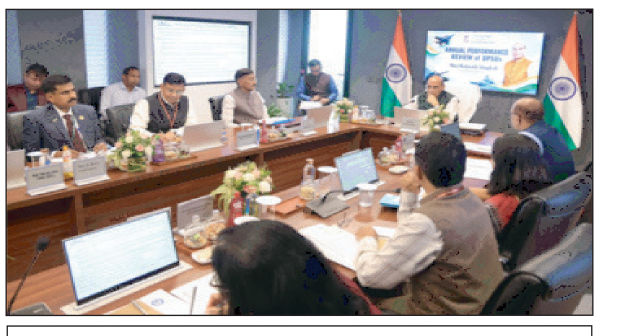

राजनाथ सिंह ने रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने पर भी विशेष बल दिया। डिफेंस पीएसयू से कहा गया कि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रक्षा उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिस्पर्धी और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद विकसित करें।

अब तक हुई प्रगति का जायजा लिया तथा रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि डीपीएसयू देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को मजबूत करने और आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र के निर्माण में

क्षमताओं और अनुसंधान एवं विकास को लगातार बेहतर बनाने पर जोर दिया, ताकि भारतीय सशस्त्र बलों की भविष्य की जरूरतों को देश में ही पूरा किया जा सके। समीक्षा के दौरान राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास और नवाचार को प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई। उनका जोर ऐसी अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियां और तकनीक विकसित करने पर रहा, जो भारतीय सशस्त्र बलों की परिचालन जरूरतों के अनुरूप हों और देश को विदेशी तकनीक पर निर्भरता कम करने में मदद करें। उन्होंने डीपीएसयू से नई तकनीकों को अपनाने, अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने तथा बदलती युद्ध तकनीक और सुरक्षा वातावरण के अनुरूप अपनी क्षमताओं में बदलाव लाने को कहा।

प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की निरन्तर यात्रा: मुख्यमंत्री योगी

कौमी पत्रिका

लखनऊ 1 सितम्बर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 25 वर्षों के निरन्तर सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और प्रत्येक नागरिक को 'विकसित भारत 2047' के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जो ?ने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर, 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। एक माह के इस व्यापक अभियान में 13 प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, विकास और जनभागीदारी की कहानी समाज के

हर वर्ग तक पहुंचायी जाएगी। मुख्यमंत्री जी आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक महत्वपूर्ण बैठक में 'सेवा संकल्प अभियान' की कार्ययोजना पर विचार विमर्श कर रहे थे। 'आशीर्वाद का दीया', '25 करो ? बच्चों के सपनों का भारत', 'नमो सेवा गाथा', 'आंगन का उत्सव', 'कहानी बदलाव की', 'विकसित भारत संकल्प यात्रा', 'सेवा ज्योति यात्रा', 'वडनगर से वाराणसी यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान', 'रंगोली राष्ट एवं घर-घर से राष्ट तक', 'राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज' और 'जनसेवा महाकुम्भ' इसके प्रमुख कार्यक्रम होंगे। इनके साथ प्रमुख स्मारकों पर लेजर शो, प्रमुख तीर्थस्थलों पर महायज्ञ एवं विशेष अनुष्ठान तथा ग्राम चौपाल और सीधा संवाद भी सेवा संवाद अभियान का हिस्सा होंगे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की निरन्तर यात्रा है। इस अवधि में देश में हुए नीतिगत सुधारों, जनकल्याणकारी कार्यों और ऐतिहासिक बदलावों को जनता के सामने प्रभावी ढंग से रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के 12 वर्षों और प्रदेश सरकार के 10 वर्षों में हुए विकास कार्यों से आम नागरिक के जीवन में जो सकारात्मक परिवर्तन आया है, उसकी वास्तविक तस्वीर सामने आए। इस अभियान का उद्देश्य केवल उपलब्धियों को बताना नहीं, बल्कि युवा, महिला, किसान और वंचित वर्ग समेत प्रत्येक नागरिक को 'विकसित भारत 2047' के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जो ?ना भी है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस अभियान की पहुंच जिला मुख्यालयों और विकासखण्डों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। न्याय पंचायत और ग्राम पंचायत स्तर तक अभियान को पहुंचाने का विशेष प्रयास किया जाए। स्थानीय स्तर पर लोगों को यह जानकारी मिले कि केन्द्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं तथा विकास परियोजनाओं से उनके गांव, क्षेत्र और परिवार के जीवन में क्या बदलाव आया है। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों, युवाओं, महिलाओं, लाभार्थियों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए अभियान को वास्तविक जनभागीदारी का स्वरूप दिया जाए। उन्होंने कहा कि उपलब्धियों को केवल योजनाओं की सूची अथवा आंक ?ों के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय लोगों के जीवन में आए बदलाव की कहानी के रूप में सामने लाया जाए। इसके लिए लाभार्थियों के अनुभवों का संकलन भी किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि अभियान के दौरान तैयार होने वाली सामग्री प्रमाणिक और तथ्यपरक हो तथा उसका स्थायी डेटा-बैंक तैयार किया जाए। इसमें विधानसभा, विकासखण्ड और ग्राम पंचायत स्तर तक केन्द्र सरकार के पिछले 12 वर्षों तथा राज्य सरकार के पिछले 10 वर्षों के विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं का विवरण तथा लाभार्थियों की अद्यतन सूची शामिल हो। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों, महत्वपूर्ण अवस्थापना एवं कनेक्टिविटी परियोजनाओं, शिक्षा एवं कौशल विकास, स्वास्थ्य एवं खेल, पंचायतीराज एवं सुशासन तथा ओ0डी0ओ0पी0 से जु ? कार्यों को भी डेटा-बैंक में शामिल किया जाए।

शेष पृष्ठ 3 पर

सीईओ सर्च कमेटी ने सौंपी रिपोर्ट, तीन नामों का पैनल तैयार

कौमी पत्रिका

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पहले पूर्णकालिक मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति की प्रक्रिया निर्णायक दौर में पहुंच गई है। सीईओ चयन के लिए गठित तीन सदस्यीय सर्च कमेटी ने मंगलवार को अपनी अंतिम रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंप दी। चयन प्रक्रिया पूरी करने के बाद कमेटी ने सीईओ पद के लिए तीन नामों का पैनल तैयार किया है। अब पैनल में शामिल नामों पर अंतिम फैसला ट्रस्ट करेगा। दो सितंबर को प्रस्तावित ट्रस्ट की अहम बैठक में सीईओ के नाम पर अंतिम मुहर लगने की संभावना है। राम मंदिर परिसर में हुई बैठक के बाद सर्च कमेटी के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रमोद कोहली ने ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरी महाराज को रिपोर्ट सौंपी। इस दौरान ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। कमेटी में रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल विष्णु कांत चतुर्वेदी और पूर्व वैज्ञानिक सुरेश हावड़े भी शामिल हैं। सीईओ के चयन के लिए शुरू हुई प्रक्रिया में कुल 5585 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदनों की स्क्रीनिंग के लिए कमेटी ने पात्रता, अनुभव और अन्य मानकों को शामिल करते हुए 600 अंकों का मूल्यांकन फॉर्म तैयार किया। इसमें 3577 आवेदकों ने हिस्सा लिया। स्क्रीनिंग के बाद 470 या उससे अधिक अंक हासिल करने वाले 108 उम्मीदवार अगले चरण के लिए चुने गए। इन उम्मीदवारों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत की गई। करीब चार दिन चली इस प्रक्रिया के बाद 17 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया। अंतिम चरण के लिए सभी को अयोध्या बुलाया गया। इनमें से एक उम्मीदवार व्यक्तिगत कारणों से नहीं आ सका, जबकि 16 उम्मीदवारों का दो दिन तक आमने-सामने इंटरव्यू हुआ। अनुभव, विजन, कार्यक्षमता और संबंधित विषयों की समझ समेत विभिन्न पहलुओं के आकलन के बाद कमेटी ने तीन सबसे उपयुक्त उम्मीदवारों का पैनल तैयार किया। सर्च कमेटी ने मंगलवार को यही रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंप दी। बताया जा रहा है कि रिपोर्ट में तीन नामों के साथ चयन प्रक्रिया से जुड़ी सिफारिशें भी शामिल हैं। अब न्यास मंडल पैनल में शामिल नामों पर विचार कर किसी एक नाम पर अंतिम निर्णय करेगा। राम मंदिर में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या, मंदिर परिसर के विस्तार, निर्माण कार्यों, श्रद्धालु सुविधाओं, सुरक्षा, वित्तीय प्रबंधन और रोजमर्रा की प्रशासनिक व्यवस्थाओं को देखते हुए पूर्णकालिक सीईओ की जरूरत महसूस की गई है। सीईओ मंदिर की प्रशासनिक और प्रबंधकीय व्यवस्थाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

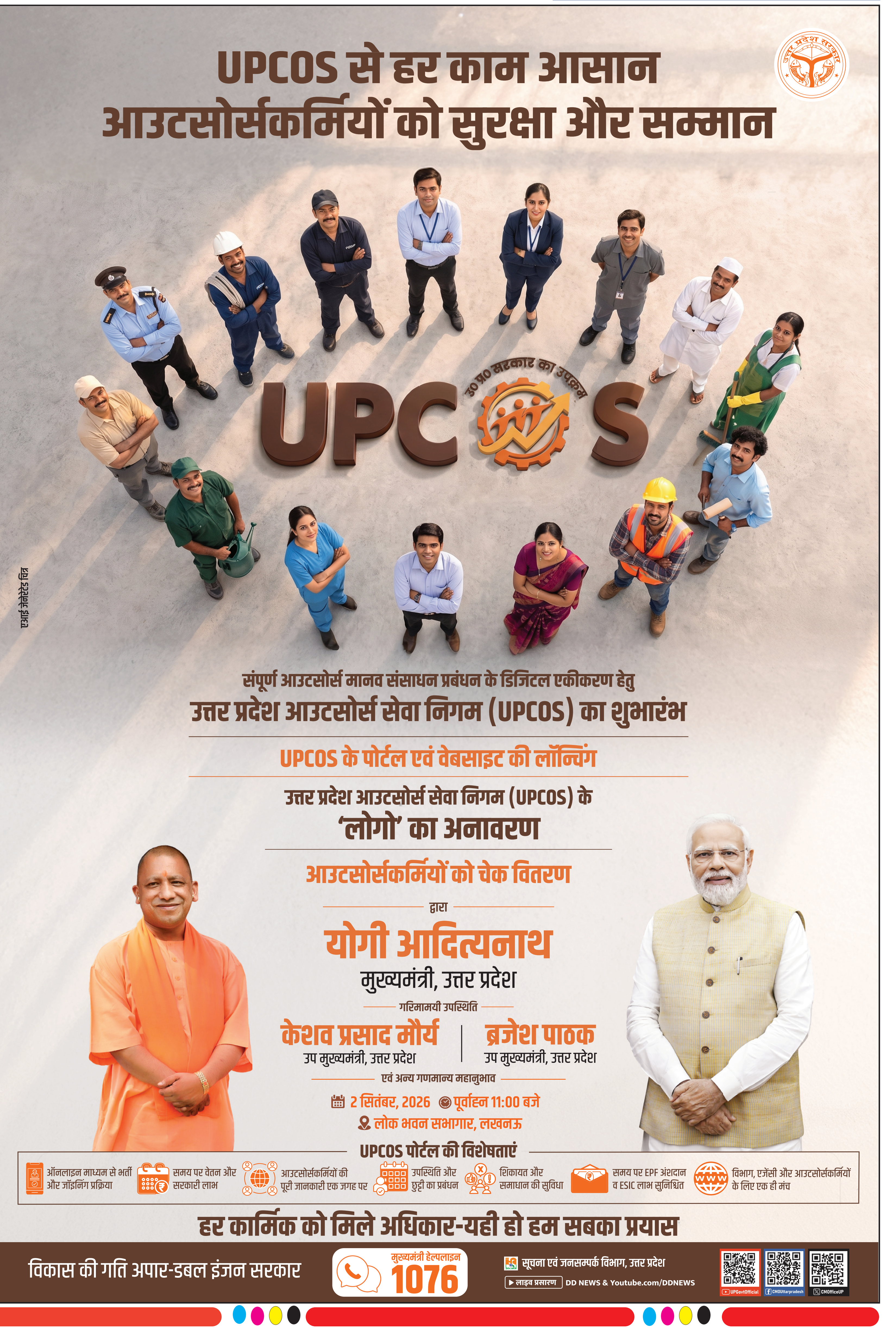

सिंधु जल संधि पर अंतरराष्ट्रीय अदालत का फैसला भारत ने मानने से किया इनकार

विदेश मंत्रालय ने कहा- इस फैसले का भारत की परियोजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
सिंधु जल संधि पर अंतरराष्ट्रीय स्थायी मध्यस्थता अदालत के अंतरिम फैसले को भारत ने मानने से इनकार कर दिया है। भारत ने इस अदालत को अवैध बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत के संप्रभु निर्णयों पर फैसला सुनाने का इस अदालत को कोई अधिकार नहीं है। उसने यह भी कहा कि सिंधु जल संधि को रोकने का हमारा फैसला लागू रहेगा। अपने अंतरिम आदेश में सोमवार को नीदरलैंड के हेग स्थित इस अंतरराष्ट्रीय अदालत ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ जल-साझाकरण संधि का पालन करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि भारत कश्मीर क्षेत्र में निर्माणाधीन एक जलविद्युत संयंत्र पर भी काम को सीमित करे। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि इस अदालत के फैसले का अब या भविष्य में भारत द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसने कहा कि भारत ने कभी भी इस अंतरराष्ट्रीय अदालत को मान्यता नहीं दी है और लगातार कहा है कि इस कथित मध्यस्थता निकाय की स्थापना सिंधु जल सं?धि का सीधा-सीधा उल्लंघन है और वह इसके फैसले को उसी तरह खारिज करता है जैसे पहले की सभी घोषणाओं को करता आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने पहलगाम हमले में अपनी किसी भूमिका से इनकार किया था और भारत द्वारा पिछले साल कश्मीर क्षेत्र में दो जलविद्युत परियोजनाओं की जलाशय क्षमता बढ़ाने के काम शुरू करने के बाद कानूनी कार्रवाई का रास्ता पकड़ा था। दोनों देशों के बीच 1960 में सिंधु जल संधि हुई थी, उसके बाद से दोनों में तीन युद्ध और छोटे-बड़े कई संघर्ष होने के बावजूद इस संधि पर कोई असर नहीं पड़ा था। वे इस पर अमल करते आ रहे थे। स्थायी मध्यस्थता कोर्ट ने कहा कि सिंधु जल संधि पूरी तरह लागू है और भारत के पास समझौते को समाप्त करने या निलंबित करने का कोई औचित्य नहीं है।

अंतर-सरकारी अदालत ने कहा कि भारत को संधि के तहत अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए, जिसमें पश्चिमी नदियों पर उसकी जलविद्युत परियोजनाओं के डिजाइन और संचालन से संबंधित दायित्व भी शामिल हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि विश्व बैंक द्वारा नियुक्त तटस्थ विशेषज्ञ अगले साल जुलाई तक यह तय करेगा कि हिमालयी क्षेत्र में जलविद्युत संयंत्रों का निर्माण संधि के अनुरूप हो रहा है या नहीं।

महिला सशक्तिकरण की वास्तविक शुरुआत घर और शिक्षा से होती है: राज्यपाल पटेल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि महिला सशक्तिकरण की वास्तविक शुरुआत घर और शिक्षा से होती है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां शिक्षा, स्टार्टअप, व्यवसाय और कई क्षेत्रों में सफलता हासिल कर रही हैं लेकिन उन्हें आगे बढ़ने के लिए सही सोच, अवसर और परिवार का सहयोग मिलना जरूरी है। एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल आनंदीबेन पटेल ने विश्वास जताया कि आने वाले सालों में महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, उद्यमिता और नेतृत्व के हर क्षेत्र में और अधिक प्रभावी भूमिका निभाएंगी।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यक्रम में महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि नारी केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की भी शक्ति है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और उन्हें अवसर के साथ-साथ नेतृत्व और फैसले लेने का अधिकार भी मिलना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि संघ के कार्यों में मातृशक्ति का योगदान हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। महाना ने कहा कि संघ में महिलाओं का सम्मान सर्वोच्च है और उनका सहयोग परिवार, सेवा तथा समाज को साथ लेकर चलने की शक्ति प्रदान करता है। आनंदीबेन पटेल ने पुस्तक की लेखिका डॉ. शोभा विजेंद्र को पुस्तक के जरिए महिला सशक्तिकरण के विचारों को समाज तक पहुंचाने और देश के कई हिस्सों में संवाद की श्रृंखला को आगे बढ़ाने के लिए बधाई दी।

अन्ना हजारे को वायरल संक्रमण, अस्पताल में भर्ती

मुंबई (एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे को वायरल संक्रमण और गंभीर निर्जलीकरण के इलाज के लिए मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हजारे के एक सहयोगी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। सहयोगी के मुताबिक 89 साल के हजारे को सोमवार को दक्षिण मुंबई स्थित बॉम्बे अस्पताल लाया गया। इससे पहले उन्हें शुरुआती इलाज के लिए अहिल्यानगर जिले के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि बॉम्बे अस्पताल के डॉक्टर हजारे की स्वास्थ्य स्थिति का विस्तृत आकलन कर रहे हैं, जिसके आधार पर आगे के इलाज के बारे में फैसला लिया जाएगा।

2014 की रैली का चैनल के पास मूल वीडियो फुटेज उपलब्ध नहीं

-आरएसएस कार्यकर्ता ने राहुल गांधी पर मानहानि का मामला किया था दायर

मुंबई (एजेंसी)। जी मीडिया ने महाराष्ट्र में भिवंडी मजिस्ट्रेट अदालत को बताया कि चैनल के पास 2014 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की रैली का मूल वीडियो फुटेज उपलब्ध नहीं है। आरएसएस के कार्यकर्ता राजेश कुंटे ने कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया है। कुंटे का आरोप है कि राहुल गांधी ने 6 मार्च 2014 को जिले के सोनाले गांव में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी की हत्या को आरएसएस से जोड़कर अपमानजनक बयान दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक रैली के वीडियो साक्ष्य पेश करने के लिए अदालत के समन के जवाब में जी मीडिया ने एक औपचारिक हलफनामा दाखिल कर कहा कि चैनल उक्त फुटेज पेश करने में असमर्थ है। मीडिया नेटवर्क ने कहा कि इस कार्यक्रम का प्रसारण 12 साल से ज्यादा समय पहले हुआ था और मानक ''अनुपालन लॉगिंग'' दिशानिर्देशों के तहत टीवी चैनलों के लिए प्रसारण रिकॉर्ड केवल 90 दिनों तक सुरक्षित रखना कानूनी रूप से अनिवार्य है। मीडिया समूह ने कहा कि कार्यक्रम को कवर करने वाले पत्रकार भी अब या तो नौकरी छोड़ चुके हैं या सेवानिवृत्त हो चुके हैं। राहुल गांधी के वकील ने बताया कि कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए तीन अक्टूबर की तारीख तय की है।

एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसे में 6 की मौत, 15 से ज्यादा घायल

-खाटू श्याम के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालु की पिकअप खड़े ट्रक से टकराई

पलवल (एजेंसी)। हरियाणा के कुंडली-मानसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ। जिसमें 6 की मौत हो गई और कम से कम 15 लोग घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर से दर्शन कर उत्तर प्रदेश लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक तेज रफ्तार पिकअप खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। इस दर्दनाक हादसे में 6 श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे में पिकअप और ट्रक दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। टक्कर के बाद एक्सप्रेसवे पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और एनएचएआई की राहत टीम मौके पर पहुंची और गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकाला। जानकारी के मुताबिक एक्सप्रेसवे के किनारे खड़े ट्रक का अंदाजा न लग पाने या अचानक असंतुलन बिगड़ने के कारण पिकअप सीधे उसमें जा घुसी। दुर्घटना में घायल हुए 15 लोगों को तुरंत नजदीकी नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। मामले की जांच शुरु कर दी है।

कौशांबी पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद एनकाउंटर में मालिक घायल

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी की जिस अवैध पटाखा फैक्ट्री में सोमवार को विस्फोट हुआ था, उसके मालिक को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है। उसे पैर में गोली लगी है। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। मंगलवार तड़के 4 बजे सैयद सरावां इलाके में मुठभेड़ हुई थी। वहीं, हादसे में जान गंवाने वाले 8 बच्चों समेत 11 लोगों का पोस्टमॉर्टम होगा। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक नौशाद, उसकी पत्नी, बेटे समेत परिवार के 6 लोगों पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने पत्नी शबाना को हिरासत में भी लिया है।

सीएम विजय ने इंडिया गठबंधन में पीएम चेहरे के रूप में राहुल गांधी का किया समर्थन

-तमिलनाडु में टीवीके और कांग्रेस के बीच मतभेद की अटकलों पर लगा विराम

हल्द्वानी, एजेंसी।
चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु में सत्ताधारी पार्टी टीवीके और कांग्रेस के बीच गठबंधन में मतभेद की अटकलों पर विराम लग गया है। कांग्रेस विधायक दल की नेता ताराहाई कथबर्ट ने स्पष्ट किया है कि टीवीके के प्रमुख और सीएम विजय ने इंडिया गठबंधन के पीएम पद के उम्मीदवार के रूप में राहुल गांधी का समर्थन किया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कथबर्ट ने कहा कि विजय और राहुल गांधी के बीच संबंध बहुत मजबूत हैं। हाल ही में एक सर्वे में विजय को पीएम पद की पसंद में तीसरा स्थान मिलने के बाद टीवीके समर्थकों के उत्साह में कुछ बातें सामने आई थीं, लेकिन उन्होंने साफ किया कि वे बातें कार्यकर्ताओं का उत्साह थीं, पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं। टीवीके आधिकारिक रूप से राहुल गांधी को ही 2029 के पीएम उम्मीदवार के रूप में देखती है।
इसके बाद टीवीके ने शीर्ष पद के लिए विजय का नाम आगे बढ़ाया, जिससे कांग्रेस ने गठबंधन छोड़ने की धमकी दी, जब तक कि वह इंडिया गठबंधन के प्रधानमंत्री चेहरे के तौर पर राहुल गांधी का समर्थन न करें। उन्होंने कहा कि कुछ हलकों में विजय के प्रधानमंत्री बनने की जो बातें हो रही थीं, वे टीवीके कार्यकर्ताओं के उत्साह के कारण थीं और वे नेतृत्व के आधिकारिक रुख को नहीं दर्शाती थीं। उन्होंने कहा कि सीएम विजय ने राहुल गांधी को पीएम उम्मीदवार के तौर पर चुना है। वे इसी तरह आगे बढ़ रहे हैं।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने राहुल गांधी को चेन्नई में अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया था, जहां उन्होंने सार्वजनिक रूप से उन्हें अपना भाई कहा था। राहुल गांधी ने भी टीवीके सरकार के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। इस बीच कथबर्ट ने कहा कि कांग्रेस तमिलनाडु में स्वतंत्र रूप से विस्तार कर रही है और टीवीके के अधीन काम नहीं करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक और स्वायत्त पार्टी है। उन्होंने उत्तराखंड के हल्द्वानी में शुद्धिकरण विवाद को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ हाल ही में दर्ज एफआईआर को बीजेपी की राजनीतिक घबराहट बताया था। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी राहुल गांधी की व्यापक जन-स्वीकार्यता से डरी हुई है और वे 2029 में प्रधानमंत्री बनेंगे।

मणिपुर में केंद्र सरकार ने राज्य में जनगणना कराने पर लगाया ब्रेक

-जनगणना से पहले एनआरसी को अपडेट करने की मांग पर लिया फैसला

इम्फाल, एजेंसी।
जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर में केंद्र सरकार ने राज्य में जनगणना अभियान को स्थगित करने का फैसला लिया है! यह फैसला मणिपुर के नागरिक संगठनों की उस मांग के बाद लिया गया, जिसमें जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अपडेट करने की मांग की गई थी। जनगणना के तहत राज्य में घरों की सूची बनाने का काम 1 सितंबर से शुरू होना था।
मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की थी। बैठक में मणिपुर की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान राज्य के लोगों की ओर से जनगणना को टालने और पहले एनआरसी लागू करने की मांग पर भी चर्चा हुई। बैठक में मणिपुर के लोगों की भावनाओं और उनकी आकांक्षाओं को

देखते हुए राज्य में प्रस्तावित जनगणना को फिलहाल टालने पर सहमति बनी।
मणिपुर में एनआसी लागू करने की मांग मुख्य रूप से मैतेई और नगा समुदायों की ओर से उठाई गई है। इन समुदायों में आशंका है कि एनआरसी के बिना जनगणना कराने से राज्य की जनसांख्यिकी में बदलाव हो सकता है। उनका आरोप है कि पड़ोसी म्यांमार से अवैध प्रवासियों के आने के कारण राज्य की आबादी के स्वरूप में बदलाव हो रहा है। म्यांमार से आने वाले कथित अवैध प्रवासियों के कुकी समुदाय से जातीय संबंध होने की बात भी कही जाती रही है। बैठक के बाद सीएम वाई. खेमचंद सिंह ने पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि केंद्र ने मणिपुर के लोगों की आवाज सुनी और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में फैसला लिया। सीएम ने बीजपी अध्यक्ष नितिन नबीन का भी मणिपुर के लोगों की मांगों को पूरा कराने में लगातार समर्थन देने के लिए धन्यवाद किया। बता दें मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच मई 2023 से जातीय हिंसा जारी है। मैतेई समुदाय मुख्य रूप से घाटी वाले इलाकों में रहता है, जबकि कुकी समुदाय के लोग पहाड़ी जिलों में बड़ी संख्या में रहते हैं। इस हिंसा में अब तक कम से कम 260 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए। लगातार जारी जातीय संघर्ष और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी 2025 को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। करीब एक साल बाद 4 फरवरी को इसे हटा दिया गया था।

जयराम का मोदी सरकार पर हमला: फज़ी सुर्खियों में व्यस्त पीएम

-महंगाई ने छीनी घर बनाने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर हमला बोलकर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फर्जी सुर्खियां बनाने में व्यस्त हैं, जबकि देश को बढ़ती महंगाई का ज़बरदस्त झटका लग रहा है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि मोदी सरकार आंकड़ों की बाजीगरी से लोगों को गुमराह कर रही है और हर हफ़्ते देश को कीमतों का नया झटका दे रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई अब केवल रसोई तक सीमित नहीं है, बल्कि बढ़ती महंगाई ने आम आदमी के घर बनाने के सपने को भी छीन लिया है। गरीब और मध्यम वर्ग को घर बनाने से लेकर बिजली के सामान तक हर चीज की बढ़ती कीमतों का ज़ोरदार झटका महसूस हो रहा है। रिपोर्ट का हवाला देकर कांग्रेस महासचिव रमेश ने बताया कि तांबे के तार की कीमत 850 से बढ़कर 1,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, और एल्युमीनियम की कीमत भी लगभग दोगुनी हो गई है। इससे 1,000 वर्ग फुट के घर में वायरिंग का खर्च 50,000 रुपये से बढ़कर करीब 1 लाख हुआ है।

कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया कि सोलर पैनल 10-15 प्रतिशत महंगे हो गए हैं, जबकि पंखों, फ़ॉल्स सीलिंग और इलेक्ट्रिक आयरन जैसे घरेलू उपकरणों की कीमतों में भी 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। एलईडी और हैलोजन लाइटें भी लगभग 20 प्रतिशत महंगी हो गई हैं। उन्होंने कहा कि स्विच, सॉकेट, मेन-लाइन

केबल, टाइल्स और लेबर चार्ज जैसे घर बनाने से जुड़े हर खर्च में इजाफा हुआ है। कांग्रेस सांसद रमेश ने मोदी सरकार पर अहंकार और आंकड़ों की बाजीगरी से लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया, जबकि महंगाई आम लोगों की जेब पर हर तरफ से भारी चोट कर रही है।

सीजेपी के फिर आंदोलन के ऐलान से डरी सरकार, बात करने 2000 किमी दूर पहुंच गई

नई दिल्ली, एजेंसी।
5 सितंबर को दिल्ली में फिर आंदोलन का ऐलान कर चुकी कॉकरोच जनता पार्टी को मनाने के लिए सरकार हर संभव कोशिश कर रही है। जंतर-मंतर पर एक महीने तक आंदोलन करके सरकार को शिक्षा मंत्री से इस्तीफा लेने पर मजबूर कर चुकी सीजेपी ने अब इंडिया गेट से पुलिस हेडक्वॉर्टर तक प्रोटेस्ट मार्च निकालने का ऐलान किया है। सरकार ने सीजेपी को मनाने के लिए कोशिशें तेज कर दी हैं। सीजेपी नेता से बातचीत करने के लिए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली से करीब 2000 किलोमीटर दूर पुडुचेरी तक गया। सीजेपी ने नए आंदोलन की जो तारीख चुनी है वह दिल्ली में होने जा रहे ब्रिक्स सम्मेलन से दूर नहीं है। ऐसे में सरकार नहीं चाहती कि जब रूस, चीन समेत करीब 20 देशों के प्रतिनिधि-राष्ट्राध्यक्ष दिल्ली आएं तो सड़कों पर किसी तरह की अशांति नजर नहीं आए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेपी के सह संयोजक सौरभ दास ने सोमवार रात केंद्र सरकार की ओर से उठाए गए कदमों को जहां सकारात्मक बताया तो वहीं उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि सीजेपी को मनाने के लिए सरकार कितनी कोशिशें कर रही है। सौरभ ने बताया कि सरकार की तरफ से एक उच्च स्तरीय कमिटी उनसे लगातार संपर्क में है। यहां तक कि वह पुडुचेरी में अपने घर चले गए थे तो यह कमिटी वहां भी पहुंचा और तीन बार उनके बीच केसों को वापस लिए जाने और मुआवजे को लेकर बातचीत हुई। दास ने संकेत दिया कि सरकार और सीजेपी के बीच समझौते की रूपरेखा तैयार हो चुकी है और इसके तहत अब सरकार ने यह कदम उठाया है।
ऐसे में सवाल उठता है कि क्या एक बार फिर सीजेपी सरकार को दबाव में लाने में कामयाब रही? माना जा रहा है कि ब्रिक्स सम्मेलन को देखते हुए सरकार नहीं चाहती कि सितंबर की शुरुआत में दिल्ली में कोई आंदोलन हो जब ब्रिक्स बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियां अपने चरम पर हैं। माना जा रहा है कि एफआईआर रद्द कराए जाने के बाद सरकार मुआवजे पर भी जल्द कोई ऐलान करके सीजेपी से 5 सितंबर वाले प्रदर्शन की घोषणा को वापस लेने को कह सकती है।

फडणवीस का कांग्रेस पर हमला : महिला आरक्षण, सीजेपी और एनजीओ पर सवाल

पुणे, एजेंसी।
महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस की घेराबंदी कर पूछा कि आखिर प्रियंका गांधी वाड्रा को मौके क्यों नहीं दिए गए और क्या कांग्रेस महिलाओं को मौका देने के पक्ष में है। सीएम फडणवीस ने कांग्रेस पर 2023 में परिसीमन प्रावधानों वाले महिला आरक्षण कानून का समर्थन करने के बावजूद अब उसका विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा 2029 तक महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करेगी।

इस दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने सीजेपी के कांग्रेस से गहरे संबंधों का दावा किया। उन्होंने सीजेपी आंदोलन को कांग्रेस जिताओ प्रोग्राम बताकर कहा कि यह कोई छोटा समूह नहीं, बल्कि इसके पीछे कई चेहरे और कांग्रेस से जुड़े लोग काम कर रहे हैं जो नए नामों से सामने आ रहे हैं। सीएम फडणवीस ने भारत जोड़ो अभियान को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले यह अभियान कांग्रेस का अपना नहीं था, बल्कि इसमें लगभग 180 अलग-अलग एनजीओ शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इनमें से अधिकतर एनजीओ को यूपीए सरकार ने ही अर्बन नक्सल करार दिया था। फडणवीस के अनुसार, इन संस्थाओं को कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ एक नैरेटिव बनाने के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि इन एनजीओ की कोई जवाबदेही नहीं थी, ये चुनाव नहीं लड़ते थे और रोज़ झूठ फैलाते थे, जिसका भाजपा को जवाब देना पड़ता था।

दिल्ली में मसौदा मतदाता सूची से 47.5 लाख नाम हटाए गए, सबसे ज्यादा बुराड़ी से

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में 70 विधानसभा सीट की मसौदा मतदाता सूची के मुताबिक बुराड़ी में सबसे ज्यादा 1.67 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए। प्रतिशत के हिसाब से सबसे ज्यादा 47.85 फीसदी नाम तुगलकाबाद विधानसभा क्षेत्र में हटाए गए हैं। इसके बाद ओखला 45.33 फीसदी, कस्तूरबा नगर 44.03 फीसदी, और बदरपुर 42.67 फीसदी हैं। संख्या के हिसाब से सबसे ज्यादा नाम बुराड़ी में हटाए गए हैं, जो उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इसके बाद ओखला में 1.63 लाख, बदरपुर में 1,46,673, विकासपुरी में 1,46,225 और रिठाला में 1.06 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक संख्या के आधार पर सबसे कम 22,855 नाम दिल्ली कैंट में हटाए गए हैं।
इसके बाद रोहिणी 24,888, शकूर बस्ती 27,233, राजौरी गार्डन 30,856 और मटिया महल 32,099 हैं। प्रतिशत के हिसाब से सबसे कम 16.5 फीसदी नाम रोहिणी में हटाए गए हैं। इसके बाद शकूर बस्ती 18.74 प्रतिशत, राजौरी गार्डन 20.86 प्रतिशत, मंगोलपुरी 21.24 प्रतिशत और मटिया महल 24.5 प्रतिशत हैं। जिला स्तर पर मसौदा मतदाता सूची से सबसे ज्यादा 6.79 लाख नाम दक्षिण-पूर्वी दिल्ली जिले में हटाए गए हैं। वहीं, नई दिल्ली जिले में सबसे कम 60,170 नाम हटाए गए हैं। पूर्वी दिल्ली 5.70 लाख, उत्तर-पूर्वी दिल्ली 5.43 लाख, दक्षिणी दिल्ली 5.19 लाख और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली 3.71 लाख में भी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं।
एसआईआर के बाद सोमवार को जारी दिल्ली की मसौदा मतदाता सूची में मौजूदा 1.45 करोड़ मतदाताओं में से 47.5 लाख मतदाताओं के नाम शामिल नहीं किए गए हैं। मसौदा सूची जारी होने के बाद दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए एक महीने का समय दिया गया है, जिन पात्र मतदाताओं के नाम सूची में नहीं हैं, वे अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची चार नवंबर को जारी की जाएगी।

प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की निरन्तर यात्राः मुख्यमंत्री योगी

प्रथम पृष्ठ का शेष

श्री काशी विश्वनाथ धाम, श्री राम जन्मभूमि मन्दिर, अयोध्या समेत प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के पुनर्विकास, एक्सप्रेस-वे, मेट्रो रेल नेटवर्क, नए एयरपोर्ट, विश्वविद्यालय, आयुष विश्वविद्यालय, अटल आवासीय विद्यालय, मेडिकल कॉलेज, एम्स, खेल विश्वविद्यालय और आधुनिक स्टेडियम, ग्राम सचिवालय, पंचायत भवन, डिजिटल लाइब्रेरी, अमृत सरोवर तथा ओ0डी0ओ0पी0 से जु?े उद्यमियों और लाभार्थियों की सफलता की कहानियों का भी संकलन किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अभियान के प्रभावी संचालन के लिए शासन, मुख्यमंत्री कार्यालय और जनपद स्तर पर समन्वय की स्पष्ट व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री कार्यालय में कण्ट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा और प्रतिदिन की प्रगति उन्हें उपलब्ध करायी जाएगी। सभी जनपदों में मुख्य विकास अधिकारी पूरे अभियान के नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। वे सम्बन्धित विभागों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए कार्यक्रमों को न्याय पंचायत, ग्राम पंचायत, वॉर्ड और मोहल्ला स्तर तक पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। अभियान की प्रदेश और जनपद स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा होगी। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि आगामी 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस के अवसर पर सायं सात बजे 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से अभियान की शुरुआत हो। केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित परिवार अपने घरों में दीप प्रज्वलित करें। इसके लिए लाभार्थियों की सूची न्याय पंचायत, ग्राम पंचायत, ब्लॉक, वार्ड और मोहल्ला स्तर तक तैयार कर लगातार अपडेट रखी जाए। उन्होंने कहा कि नगर विकास, ग्राम्य विकास और पंचायती राज विभाग इस कार्यक्रम में विशेष भूमिका निभाएं और ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में इसकी प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करें। प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं, नदी घाटों, मन्दिरों, पार्कों, विद्यालयों, महाविद्यालयों और चिकित्सालयों में भी विशेष दीप प्रज्वलन कराया जाए। इस अवसर पर दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग एवं अन्य सहायक उपकरण वितरित करने की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'आशीर्वाद का दीया' को केवल प्रतीकात्मक आयोजन न बनाकर सरकार और लाभार्थियों के बीच सीधे जु?ाव का अवसर बनाया जाए। ग्राम पंचायत और न्याय पंचायत स्तर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा सम्बन्धित विभागों की सक्रिय भागीदारी हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि अभियान की गतिविधियां गांव के अन्तिम छोर तक पहुंचें। इसके साथ ही, 17 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक '25 करो? बच्चों के सपनों का भारत' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश की संकल्पना को बच्चों के माध्यम से प्रत्येक परिवार तक पहुंचाया जाए। प्रतियोगिताओं का आयोजन पहले विद्यालय स्तर, फिर ब्लॉक स्तर, जिला स्तर और अन्त में प्रदेश स्तर पर किया जाए। कक्षा 05 से 08 तक के विद्यार्थियों के लिए ड्राइंग तथा कक्षा 09 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता के साथ 'स्कूल, विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' विषय पर डिबेट प्रतियोगिता भी करायी जाए। विद्यालय स्तर की प्रदर्शनी में अभिभावकों और ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित हो तथा श्रेष्ठ प्रतिभागियों को अगले स्तर के लिए चयनित किया जाए। उत्कृष्ट प्रविष्टियों को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि 'नमो सेवा गाथा' के माध्यम से 25 वर्षों की सेवा, प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं और देश में आए बदलाव की कहानी गांव-गांव और शहरों तक पहुंचायी जाए। प्रस्तुतियों को प्रभावी बनाने के लिए भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय का सहयोग लिया जाए। 25 सितम्बर से 07 अक्टूबर तक 'आंगन का उत्सव' के तहत प्रत्येक आंगनबा?ी केन्द्र पर तीन दिवसीय उत्सव और संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि स्वस्थ बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए पुरस्कृत किया जाए, कुपोषण से सुपोषण की स्थिति तक पहुंची माताओं को सम्मानित किया जाए तथा अच्छा कार्य करने वाली आशा और आंगनबा?ी कार्यकर्त्रियों एवं सहायिकाओं को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाए। पोषण, स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास से जु?ी योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में माताओं तक पहुंचायी जाए। बच्चों को कॉमिक बुक्स, पौष्टिक फल और मिठाई देने के साथ अतिरिक्त पोषाहार एवं सामग्री वितरण की व्यवस्था भी की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'कहानी बदलाव की' को ऐसा माध्यम बनाया जाए, जिसमें गांव से लेकर राज्य स्तर तक डबल इंजन सरकार के प्रयासों से हुए बदलाव और नवाचारी मॉडलों की वास्तविक कहानी सामने आए। ग्राम सचिवालय, अटल आवासीय विद्यालय, इण्टर-स्टेट कनेक्टिविटी, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, रैपिड रेल, मेडिकल कॉलेज, फॉरेंसिक लैब, राष्ट्र प्रेरणा स्थल, नौ सेना शौर्य संग्रहालय सहित ब?ी अवस्थापना परियोजनाओं और जनोपयोगी योजनाओं से आए बदलाव को रील और वीडियो के माध्यम से दिखाया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के तहत डिजिटल इन्फ्लुएंसर, पॉडकास्टर और ब्लॉगर प्रदेश के उन स्थानों का प्रत्यक्ष भ्रमण करेंगे, जहां विकास के ब? बदलाव दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि वे वास्तविक 'पहले और बाद' की स्थिति दिखायी जाए, ताकि वे स्वयं देखकर प्रामाणिक कन्टेंट तैयार कर सकें। प्रेरणा स्थल, एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट, बीडा, झांसी, श्रीराम मन्दिर, काशी कॉरिडोर, खेल विश्वविद्यालय मेरठ, डिफेन्स कॉरिडोर और उत्तर प्रदेश राज्य फोरेंसिक विज्ञान संस्थान जैसे स्थलों को यात्रा में शामिल किया जाए। अन्य राज्यों से आने वाले इन्फ्लुएंसरों को भी प्रदेश की सफलता की कहानियां और प्रमुख विकास परियोजनाएं दिखाई जाएं। मुख्यमंत्री जी ने 07 अक्टूबर को होने वाली 'सेवा ज्योति यात्रा' के लिए निर्देश दिए कि सभी 75 जिलों में प्रमुख स्थानों को पहले से चिन्हित कर लिया जाए, जहां स्थायी अथवा अखण्ड 'सेवा ज्योति' स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। जनपद के विभिन्न हिस्सों से पैदल, साइकिल और बाइक रैलियां इन स्थानों तक पहुंचेंगी। ब?ी एल0ई0डी0 स्क्रीन पर प्रधानमंत्री जी के सम्बोधन का प्रसारण होगा और 'विकसित भारत 2047' का सामूहिक संकल्प लिया जाएगा। 'बडनगर से वाराणसी यात्रा' के माध्यम से प्रधानमंत्री जी की जन्मभूमि और कर्मभूमि को पवित्र जल के आदान-प्रदान से जो?ा जाएगा। तय कार्ययोजना के अनुसार वाराणसी से 250 बाइक और 500 यात्री गंगाजल लेकर वडनगर जाएंगे। यात्रा के दौरान प्रतिदिन 60 से 80 ग्रामीण और शहरी प?ावों पर जनसंवाद तथा योजनाओं का प्रचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम में प्रत्येक नागरिक को 25 निर्धारित सेवा गतिविधियों में से किसी एक से जु?कर समाज के लिए अपना योगदान देने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान, नदी घाटों की सफाई, सघन वृक्षारोपण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, वंचित बच्चों को शिक्षा सहयोग, करियर काउन्सलिंग, अंगदान संकल्प, नशामुक्त भारत, मतदाता जागरूकता, 'वोकल फॉर लोकल', गो-सेवा और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता जैसी गतिविधियों में व्यापक जनभागीदारी करायी जाए। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम दो स्थलों का कायाकल्प कराया जाए। नागरिक कम से कम 25 मिनट श्रमदान कर विशेष पोर्टल पर फोटो या वीडियो अपलोड कर डिजिटल सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'सेवा सेतु अभियान, सरकार आपके द्वार' के तहत सभी विकासखण्डों में सात दिवसीय बहुउद्देशीय सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसका मूल उद्देश्य पात्र नागरिक को उसके अधिकार का लाभ उसके द्वार तक पहुंचाना होना चाहिए। तय कार्ययोजना के अनुसार लोककल्याणकारी योजनाओं के ऐसे पात्र व्यक्ति, जो किसी कारण से अभी तक योजना के लाभ से वंचित हैं, उन्हें चिन्हित कर तत्काल योजना का लाभ दिलाया जाए। शिविर में केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के साथ मौके पर आवेदन, पात्रता सत्यापन और स्वीकृति की व्यवस्था हो। इन्हीं शिविरों में आरोग्य शिविर भी लगाए जाएं, ताकि लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ भी एक ही स्थान पर मिल सके। पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ते हुए 100 प्रतिशत सैचुरेशन का लक्ष्य रखा जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'रंगीलो राष्ट्र एवं घर-घर से राष्ट्र तक' कार्यक्रम के तहत चयनित प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर 108 मीटर व्यास का 'भारत मण्डल' और भव्य ड्रामन रंगोली बनायी जाएगी। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि इसमें प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं, राष्ट्रीय प्रतीकों और 'विकसित भारत 2047' की परिकल्पना को रचनात्मक ढंग से प्रदर्शित किया जाए। फाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों, महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय कलाकारों को विशेष रूप से जो?ा जाए, ताकि युवाओं और महिलाओं की रचनात्मक भागीदारी सुनिश्चित हो। इसमें फूल, प्राकृतिक रंग, अनाज और मिट्टी जैसी प्राकृतिक सामग्री का उपयोग किया जाएगा तथा ड्रोन और एरियल कवरेज की व्यवस्था की जाएगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 'राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज' में उत्तर प्रदेश की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित की जाए। दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता, महाराष्ट्र और गुजरात में पांच प्रमुख केन्द्रों पर होने वाले आयोजनों में प्रदेश के युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में जो?ा जाए। विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेजों, आई0टी0आई0 और पॉलीटेक्निक संस्थानों में व्यापक स्तर पर छात्रों का ओरिएन्टेशन और मोटिवेशन कराया जाए। स्टार्टअप नेटवर्क, इनक्यूबेशन सेण्टर, निजी कम्पनियों और शिक्षा संस्थानों की भागीदारी से ऑनलाइन आवेदन, विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुति, लाइव डेमो, युवा संवाद और पुरस्कार की व्यवस्था होगी। प्रत्येक केन्द्र से श्रेष्ठ इनोवेशन राष्ट्रीय अन्तिम चरण के लिए चुने जाएंगे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 17 अक्टूबर को 'पंचायत से पार्लियामेण्ट' थीम पर होने वाले 'जनसेवा महाकुम्भ' में उत्तर प्रदेश की मजबूत और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। ग्राम प्रधान और सरपंच से लेकर सांसदों तक के जनप्रतिनिधियों का राष्ट्रीय समागम, सेवा और सुशासन के 25 वर्षों की यात्रा को जनप्रतिनिधियों के अनुभव से जोड़ने का अवसर होगा। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि इन प्रमुख कार्यक्रमों के साथ प्रदेश के ऐतिहासिक एवं लोकप्रिय स्मारकों और पर्यटन स्थलों पर 'नमो सेवा' की थीम पर लेजर शो आयोजित किए जाएं। प्रमुख तीर्थस्थलों और शक्तिपीठों में राष्ट्रकल्याण, शान्ति और विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए महायज्ञ एवं विशेष अनुष्ठान हों। ग्राम चौपालों के माध्यम से योजनाओं की शत-प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करने के साथ ग्रामीणों से सीधे फीडबैक और सुझाव लिए जाएं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तय कार्ययोजना के अनुसार अभियान की सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। 10 सितंबर तक कार्ययोजना, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की बैठक तथा डेटा-बैंक और लाभार्थी सूचियों की तैयारी पूरी हो। 'सेवा संकल्प अभियान' को केवल एक महीने के कार्यक्रम के रूप में न देखा जाए। यह 25 वर्षों की जनसेवा की यात्रा को जनभागीदारी से जो?ने का अवसर है। इस अभियान में सरकार की उपलब्धियों के साथ उन लोगों की आवाज भी सामने आनी चाहिए, जिनके जीवन में योजनाओं और विकास कार्यों से बदलाव आया है।

गुड़ प्लांट में खौलती कड़ाही में गिरा लखीमपुर खीरी का युवक

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के ईसानगर थाना क्षेत्र के मूड़ी गांव निवासी दानिश (40 वर्ष) की महाराष्ट्र में गुड़ प्लांट पर काम करने के दौरान हादसे में मौत हो गई। शुक्रवार दोपहर गुड़ बनाते समय अचानक वह खौलते कड़ाही में गिर गया। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। साथी मजदूरों ने उसे कड़ाही से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे का पूरा घटनाक्रम प्लांट में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। परिजन ने बताया कि दानिश गांव के करीब 15 श्रमिकों के साथ महाराष्ट्र में गुड़ प्लांट पर काम करने गया था। शुक्रवार दोपहर गुड़ बनाने के दौरान वह अचानक संतुलन बिगड़ने से खौलते कड़ाही में जा गिरा। हादसे के बाद प्लांट में अफरातफरी मच गई। साथी मजदूरों ने उसे बाहर निकाला और अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महाराष्ट्र पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे गांव मूड़ी भेज दिया। शव पहुंचने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने दानिश के साथ गए मजदूरों पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची ईसानगर पुलिस ने परिजनों को हादसे का सीसीटीवी फुटेज दिखाया। फुटेज देखने के बाद परिजन शांत हो गए। सीओ शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि महाराष्ट्र के गुड़ प्लांट में दुर्घटना हुई थी। शव गांव पहुंचने पर एहतियातन पुलिस भेजी गई थी। मामले में किसी के खिलाफ आरोप लगाते हुए कोई तहरीर नहीं मिली है।

पूर्व डीएम के नाम पर फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाकर 50 हजार ठगे

गाजियाबाद। आईएएस व गौतमबुद्धनगर के पूर्व जिलाधिकारी की फेसबुक पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर घरेलू सामान कम कीमत पर बेचने के नाम पर 50 हजार रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। इस मामले में पीडि़त ने वेव सिटी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि इकला गांव के रहने वाले नीरज नागर के मुताबिक साइबर ठगों ने आईएएस व गौतमबुद्धनगर के पूर्व जिलाधिकारी डॉ. ब्रजेश नारायण सिंह के नाम व पहचान का दुरुपयोग करते हुए एक फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाई। फिर इस फर्जी प्रोफाइल के माध्यम से उनके पिता से संपर्क किया। इसके बाद व्हाट्सएप पर खुद को सीआरपीएफ का अधिकारी बताते हुए कहा कि उसका स्थानांतरण होने वाला है, इसलिए वह अपना फर्नीचर एवं अन्य घरेलू सामान कम मूल्य पर बेच रहे हैं। साथ ही यह विश्वास दिलाया गया कि भुगतान प्राप्त होने के बाद अगले दिन आर्मी ट्रक के माध्यम से सामान बताए पते पर भिजवा दिया जाएगा। बातों पर विश्वास कर उनके पिता ने 50 हजार रुपये ठगों के बताए खाते में ट्रांसफर कर दिए। पैसे ट्रांसफर होने के बाद न तो कोई सामान आया और फोन भी उठाना बंद कर दिया। जांच करने पर पता चला कि जिस फेसबुक प्रोफाइल के माध्यम से संपर्क किया था, वह फर्जी थी। एसीपी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जिन खातों में रकम गई है।

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHOAIB son of FARU, residing at Sector-80, Kakrala, Khwaspur, Noida, PO: Noida, District: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of my father has been wrongly written as MD FAIZ in my all Educational Documents. The actual name of my father is FARU, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, KIMI KHURANA R/O. D-15, P.V.T COLONY, MANSROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032, HAVE CHANGED MY NAME TO KIMI ARORA KHURANA.

NAME CHANGE
I, COMPESH PANNU W/o. VIKAS PANNU R/o. QUARTER NO-2, TYPE-III, POLICE COLONY, VASANT KUNJ Delhi-110070 have changed the name of my minor daughter from SAANVI to SAANVI PANNU.

NAME CHANGE
I, hitherto known as PRINCE S/O HARBHAGWAN R/o FLAT NO-D1B/18C, SECOND FLOOR, D-BLOCK, JANAKPURI, DELHI-110058 have changed my name and shall hereafter be known as PRINCE LAURENT. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I SALIK SHAIKH S/o MEHTAB SALIM R/o 26 B Ground floor, SHAMA APPARTMENT, Lane no 1, JOHRI FARM, NOOR NAGAR EXT JAMIA NAGAR, OKHLA, NEW FRIENDS COLONY DELHI-110025 have changed my name from SALIK SHEKH to SALIK SHAIKH for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Hemaranee W/o Rakesh Kumar R/o 106, Kuraiyapatti, Kharad, Kharad, Shamli, Uttar Pradesh - 247776 have changed my name and shall hereafter be known as Hema Malik

NAME CHANGE
I, hitherto known as ANIL KUMAR S/O MUNNA RAM R/O Tiwaripur, Mohammadabad, Ghazipur, Uttar Pradesh-233227 have changed my name and shall hereafter be known as KAMLA KANT PRAJAPATI.

NAME CHANGE
I, SATISH S/O NATTHI R/O 129, Near 90 Kuattar, Nithari Sector 31, Noida, PO: Noida, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have change the name of my minor son DABABU aged 11 years and he shall hereafter be known as DEV NARAYAN.

NAME CHANGE
I, hitherto known as NIDHI JADLY alias NIDHI SHARMA D/O K P SHARMA W/O MUKESH JADLY R/O P-1101, Type-1, Plot No-C-GH-3, Aditya Mega City, Vaibhav Khand, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI JADLY.

NAME CHANGE
I, Neetu Rani W/O Manoj Kumar ,Ward No. 12 Ram Chowk, Kharkhoda Sonipat, Haryana - 131402, Have Changed My Name To Neetu For All The Future Purposess.

NAME CHANGE
I, Shashi Bala W/O Umeshwar Singh Bisht, 129, Agroha Kunj, Sector -13, Rohini, Delhi Pin:110085 Have Changed My Name To Shashi Bisht For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, AVNEET KAUR ARORA W/o Arvinder Singh R/o H.No.20, 2nd Floor, Gali No.3, West Chander Nagar, Krishna Nagar, Delhi-110051, have changed my name to AVNEET KAUR permanently.

NAME CHANGE
I, ARVINDER SINGH ARORA S/o S Ajit Singh R/o H.No.20, 2nd Floor, Gali No.3, West Chander Nagar, Krishna Nagar, Delhi-110051, have changed my name to ARVINDER SINGH permanently

NAME CHANGE
I VIBHA W/O ADARSH SHARMA R/O H.NO TC 285-286 THIRD FLOOR, GALI NO 09 T. C. CAMP PANDAV NAGAR SHADIPUR, PATEL NAGAR DELHI 110008 have changed my name to VIBHA UPADHYAY Permanently for al future

NAME CHANGE
I SNEHA D/O MAHIPAL SINGH R/O 552, SECTOR 8, UIT COLONY ALWAR BHIWADI RAJASTHAN-301019, HAVE CHANGED MY NAME TO SNEHA SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, Mohammad Sahid S/O Babu Khan, 467-J, Budh Mandir KE Piche Wali Gali No.-2, Azad Pur, North West Delhi Pin: 110033 Have Changed My Name To Md Sahid Malik For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, Ramesh Ahuja S/O Dharam chand Ahuja, 69 Rajdhani Enclave Pitampura Saraswati Vihar North West Delhi Pin:110034 Have Changed My Name To Ramesh Chander Ahuja For All The Future Purposes .

NAME CHANGE
I,SAUNU W/o Ishu Garg R/o 1105, Ward No.3, Nanak Dairy Marg, Near Manas School, Hodal, Palwal, Haryana-121106, have changed my name from SAUNU to SONU GARG permanently.

NAME CHANGE
I, Shashi Ahuja W/O Ramesh Chander Ahuja, 69, Rajdhani Enclave, Pitam Pura, North West Delhi Pin:110034 Have Changed My Name To Shashi Bala Ahuja For All The Future Purposes...

NAME CHANGE
I, Himanshu S/O Ved Prakash, House no-657, Main Road Burari, Kamal Pur Majra Burari North Delhi Pin: 110084 Have Changed My Name To Himanshu Sisodiya For All The Future Purposes.

NAME CHANGE
I, RAJPUT LAXMI PRAVIN Wife of No.-15820118W, Rank-L/NK, Name- RAJPUT PRAVIN PADAMSING residing at VILL-GALAN BK, PO-GALAN, TEHSIL-PACHORA, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-424201, have changed my name from RAJPUT LAXMI PRAVIN to LAXMI PRAVIN RAJPUT for all future purposes vide Affidavit dated 01/09/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No.-15820118W, Rank-L/NK, Name-RAJPUT PRAVIN PADAMSING residing at VILL-GALAN BK, PO-GALAN, TEHSIL-PACHORA, DIST-JALGAON, MAHARASHTRA-424201, have changed my mother's name from JANKA BAI to JANKABAI PADAMSING RAJPUT for all future purposes vide Affidavit dated 01/09/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, PARVEZ R/O. B-3/50, GALI NO-5, KABIR NAGAR, PUR SHAHDARA DELHI-110094, HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD PARVEZ.

NAME CHANGE
I, UMESH KUMAR MEHRA S/O SOM NATH MEHRA R/O 3822, NEAR SHAKTI TEMPLE, SECTOR-23, CHOMA (62), CARTERPURI, GURUGRAM, HARYANA-122017, HAVE CHANGED MY NAME TO UMESH MEHRA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, ASRAI ASHEPRI PAO S/o AHRAI PAO R/o House No: N0012, Nehal Jote, Nehal, Naxalbari, Darjeeling, West Bengal - 734429, have changed my name from ASRAI ASHEPRI PAO to AHRAI ASHIPRI PAO for all intents and purposes.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री मुकेश चंद जैन, प्लॉट नंबर B-225/12 (खसरा नंबर 7/20 में से 25 एरिया) के मालिक थे। यह मालिकाना हक उन्हें श्री बांके बिहारी शर्मां (पिता श्री सत्य प्रकाश शर्मा) द्वारा श्री मुकेश चंद के पक्ष में 03.04.2013 को निष्पादित नोटरीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), ATS और वसीयत के माध्यम से मिला था। इसके बाद, 01.10.2015 को श्री मुकेश चंद का निधन हो गया। श्री मुकेश चंद का स्स्ष्ट (मूल बिक्री विलेख / दस्तावेल) उपलब्ध नहीं है। उनकी मृत्यु के बाद, उनकी पत्नी श्रीमती अनीता जैन ने श्रीमती सुनीता जैन (पत्नी श्री करण सिंह) के पक्ष में 28.03.2019 को नोटरीकृत GPA, ATS और वसीयत निष्पादित की। यह प्रॉपर्टी प्लॉट नंबर B-225/12 (खसरा नंचर 7/20 में से 25 एरिया), करावल नगर, गली नंबर 11, मुकुंद विहार, करावल नगर, दिल्ली-110094 में स्थित है। प्रॉपर्टी की चेन में विक्रेता के पास स्स्ष्ट उपलब्ध नहीं है। उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती पवित्री देवी (पत्नी श्री हरि चंद गहतो) को बेची जानी है और इसके लिए शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाइनेंस (ऋण) प्रस्तावित है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी उक्त प्रॉपर्टी पर कोई अधिकार/हित/टाइटल है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20,
Koushambhi
near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE
I, HARI, is legally father of Army No. 2808285A, Rank - HAV, Name - REDEKAR SAMBHAJI HARI, presently residing at Vill - Gudewadi, Post - Date, Tal - Chandgad, Dist - Kolhapur, State - Maharashtra, Pin - 416552, have changed my name from HARI to HARI NAGOJI REDEKAR and date of birth from 01/01/1955 to 01/01/1958 for all future purposes. Vide affidavit dated 01/09/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, SARASWATI, is legally mother of Army No. 2808285A, Rank - HAV, Name - REDEKAR SAMBHAJI HARI, presently residing at Vill - Gudewadi, Post - Date, Tal - Chandgad, Dist - Kolhapur, State - Maharashtra, Pin - 416552, have changed my name from SARASWATI to SARASWATI HARIBHAU REDEKAR and date of birth from 01/01/1960 to 25/03/1967 for all future purposes. Vide affidavit dated 01/09/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, INDRAVATI Mother of No-15202877W Rank-HAV Name-DURVIN SINGH residing at VILL-RAJGARH, PO-BHADANA, TEHSIL-JASRANA, DIST-FIROZABAD, UTTAR PRADESH-205122, have changed my name from INDRAVATI to INDRAVATI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 19/05/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Prabhat Kumar S/O Shyam Deo Prasad R/O Cs07, 1008, Supertech Capetown, Sec-74 Noida, Gautam Budha Nagar, Up- 201301 have changed my name to Prabhat Kumar Srivastava for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Sushma Rani D/O Parmanand R/O House no 587 Old Faridabad, Gopi Colony, Kheri Kalan, Faridabad, Haryana 121002. Have changed my name to Bai Atul Sagar Anand for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Sameer Gupta S/O Ashok Gupta R/O Prabhu Heights, Flat no TF2, Prabhu Marg Church Mall Road, Vasant Kunj, South Delhi 110070. Have changed the name of my minor son from Abhyuday Gupta to Abbhyuday Gupta for all future purposes.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हसीम पुत्र इमामुद्दीन निवासी** मकान नं. एच-1, गली नं. 1, डी-ब्लॉक, नसबंदी कॉलोनी, सुनहरी मस्जिद के पास, बुद्ध नगर, लोनी, गाजियाबाद-201102 (उ.प्र.) ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. ई-9/26 धारा 318(4)/319(2)/61(2) भारतीय न्याय संहिता, थाना साईबर/एन.डब्ल्यू.डी., दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **हसीम पुत्र इमामुद्दीन** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **हसीम पुत्र इमामुद्दीन** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. ई-9/26 धारा 318(4)/319(2)/61(2) भारतीय न्याय संहिता, थाना साईबर/एन.डब्ल्यू.डी., दिल्ली के उक्त अभियुक्त **हसीम पुत्र इमामुद्दीन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **10.10.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री उपासना सतीजा,
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी (उत्तर-पश्चिम),
कमरा नं. 108, प्रथम तल,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली,

DP/12123/NW/2026

NAME CHANGE
I, ANAM FATMA D/o Syed Maqbool Ashraf Nasim W/o Mustafa Kamal Saiyad R/O 651, 2nd floor, gali No-12 zakir nagar, jamia nagar, Okhla, PO-New Friends Colony, DIST-South Delhi, Delhi-110025 have changed the name of my minor daughter Aisha aged 14 years and she shall hereafter be known as Ayesha Fatma.

NAME CHANGE
I UDITANSHU S/0 BHARAT TIWARI R/0 B-1/275 TOP FLOOR YAMUNA VIHAR DELHI 110053 CHANGED MY NAME TO UDITANSHU TIWARI

NAME CHANGE
I, Rajpal Sharma S/O Vishnu Dev R/O A-76, D-1 Block, Near Lakkarpur Village, Shiv Durga Vihar, Surajkund Faridabad, Haryana 121009 have changed my name to Rajpal Kaushik for all future purposes

NAME CHANGE
It is for general information that I, Mohd Kasim Qureshi S/o Mohd Rafiq R/o House No. 3183, Top Floor, Kucha Tara Chand, Darya Ganj, Central Delhi, Delhi – 110002 declare that name of mine and my wife has been wrongly written as Mohd. Qasim and Yusra Qasim Qureshi in my minor daughter Ziya Qureshi aged 14 years in her school records. The actual name of mine and my wife are Mohd Kasim Qureshi and Yusra Qureshi which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as SHAZIA ASAD, wife of ASAD HUSSAIN, resident of H No. 3095, Kucha Tara Chand, Sir Syed Ahmed Road, Darya Ganj, New Delhi - 110002, inform that my old name in all my identity and official documents is SHAZIA KAMAL. I have permanently changed my name to Shazia Asad after my marriage. Both names belong to me, and henceforth I shall be known exclusively as SHAZIA ASAD for all legal and future purposes.

NAME CHANGE
I MOHAMMAD NADEEM ALI & MD NADEEM ALI S/O MOHAMMAD AKBAR ALI R/O BC -319, 2ND FLOOR BASTI CHINOT, PAHAR GANJ NEW DELHI-110055 have changed my name to MOHD NADEEM ALI Permanently for all future

NAME CHANGE
I, MOHD ANEES S/O ABDUL RASHID R/O H.NO-2189, KUCHA AKIL KHAN SITA RAM BAZAR DELHI 110006, CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD ANIS.

NAME CHANGE
I, Lakhan S/O Bhopal Singh Near ABM School, Village Riwajpur, Riwajpur, Faridabad, Haryana 121002 have changed my name to Lakhan Singh for all future purposes

NAME CHANGE
I, hitherto known as SUJEET KUMAR S/O JUGENDRA SINGH R/O H. NO-20, GALI NO-11, 5 BHATTA, GARHI, NOOR SHANTI NAGAR, RAJ NAGAR EXTENSION, PO; RAJ NAGAR EXTENSION, DIST; GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201017, changed my name and shall hereafter be known as SURJEET KUMAR.

NAME CHANGE
I PRAMOD SHREEVAS S/O ANANDI LAL SHRIVAS R/O E-85/47 JJ CAMP ANAND VIHAR SHAHDRA DELHI-110092 HAVE CHANGED MY NAME TO PRAMOD KUMAR SHRIVAS

PUBLIC NOTICE
It is for the information of the public at large that my client Shri Ravinder Kumar S/o Shri Goverdhan Singh and his wife Smt. Maya Devi, both R/o A-248, Gali No.7, Mahavir Enclave-2, New Delhi-110059, have severed their relations from their son namely Vivek Kumar and have disowned him from all their moveable and immoveable properties. Henceforth, my clients shall not be responsible for any acts and deeds of their above son and anybody dealing with him in any manner shall be doing so at his/her own risk and responsibility.

RANJANA CHAUHAN
ADVOCATE
DELHI HIGH COURT
CH.NO. 428,
LAWYERS CHAMBERS,
DWARKA COURT COMPLEX,
SECTOR 10, DWARKA,
NEW DELHI-110075
Mob. 9650214490

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Baby W/o Mr. Dilshad Warsi is the owner of Freehold Residential Plot No. 4, area measuring 40 Sq. Yds., out of Khasra No. 34/24, Situated in the Revenue Estate of Village Nangli Sakrawati, Delhi State Delhi, Abadi Known as Golden Enclave, New Delhi. by virtue of Notarized GPA, Notarized ATS & Will dated 14.12.2011., now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property sold to be Mr. Mojo Mul and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I ANANDI S/O MULUWA R/O E-85/47 JJ CAMP ANAND VIHAR SHAHDRA DELHI-110092 HAVE CHANGED MY NAME TO ANANDI LAL SHRIVAS

NAME CHANGE
I, hitherto known as Nasreen Ahmad Khan alias Nasrin Husain Khan W/O: Zahoor Ahmad Khan R/O F-93/8 Abul fazal Enclave Shaheen BAGH JAMIA NAGAR Okhla New friends colony defance colony South Delhi, Delhi 110025, have changed my name and shall hereafter be known as Nasreen Ahmad khan.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Nasreen Ahmad Khan alias Nasrin Husain Khan W/O: Zahoor Ahmad Khan R/O F-93/8 Abul fazal Enclave Shaheen BAGH JAMIA NAGAR Okhla New friends colony defance colony South Delhi, Delhi 110025, have changed my name and shall hereafter be known as Nasreen Ahmad khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as SARITA alias SARITA BHUGRA D/o HEM RAJ CHABRA W/o DHARAM BIR R/o 13088, Tower-6, Block-D, GH07, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201016 have changed my name and shall hereafter be known as SARITA BHUGRA.

NAME CHANGE
I hitherto known as Raj Kumar S/o Chhote Lal R/o 535, 25 Fut Road Chhijarsi Sec-63, Noida, Dadri Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as Deepak Kumar Chauhan.

PUBLIC NOTICE
My client Smt. Rekha Rani W/o Sh. Vinod Kumar Sagar, R/o 12-B, Taimoor Nagar, New Friends Colony, South Delhi, New Delhi-110025, has disowned his son namely "Himanshu Sagar" from all her Properties (Moveable & Immoveable) from today onwards and severed relation from him. Anybody deals with him, then it will be at his/her own risks, costs and consequences and my client will not be liable for that.

SUNIL KUMAR Advocate
CHAMBER NO.263
LAWYERS CHAMBER
COMPLEX,
SAKET COURTS,
NEW DELHI-110017

PUBLIC NOTICE
Notice to public at large that my client Smt. Kailash Rani W/o Late Sh. Satpal R/o 3/9, Subhash Nagar, New Delhi has severed her relations and debarred her daughter Yashika and her husband Puneet Chawla alongwith their child from all her movable/immovable property because they are not under control of my client and they abused and threatened my client and played fraud with my client and illegally executed document of property WZ-38/1, S.F., Beri Wala Bagh, New Delhi and my client also cancel Gift Deed as they failed to care and maintain my client. If anybody deals with them which is at their own risk & responsibility and Yashika has no right over the said property.

(SUMIT GABA)
ADVOCATE
Ch. No. T-7,
Tis Hazari Court, Delhi

NAME CHANGE
I, Harish Kinkar S/O Bhagatrao Kinkar R/O Flat No-269,tower-blossom 3bhk Gaur Saundaryam, Techzone-4,greater Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 201318 Have Changed the Name of My Minor Son From Mayank Kinkar to Mayank Harish Kinkar for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I SIMMI W/O KUNAL CHOUDHARY R/O 4437 ARYA PURA SUBZI MANDI NORTH DELHI-110007 HAVE CHANGED NY NAME TO SIMMI CHOUDHARY

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला श्रीमती सविता पत्नी स्व0 श्री श्रवण कुमार पता मकान नं0 R-946, मंगोलपुरी, दिल्ली ने अपने पुत्र दिनेश व पुत्रवधु श्रीमती डौली एवं पोत्री को उनके दुराचरण व व्यवहार को देखते हुए उनको अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, और उनसे अपने संबन्ध विच्छेद कर लिये हैं। अगर कोई व्यक्ति उनसे किसी प्रकार का कोई लेन-देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेवार होगा। भविष्य में उसकी गतिविधियों के प्रति मेरी मुवक्किला की कोई जिम्मेदारी नही होगी।

दीपक जुनेजा, एडवोकेट
चैम्बर न0 24, वैर्स्टन विंग,
तीस हजारी कोर्ट
दिल्ली-110054

सार्वजनिक सूचना
यह कि दिनांक 23-07-2025, को एक सार्वजनिक सूचना समाचार पत्रः विराट वैभव में प्रकाशित करवाई गई थी। उक्त सार्वजनिक सूचना के माध्यम से मेरी मुवक्किला एवं उनके दिवंगत पति द्वारा अपनी पुत्री श्रीमती इन्द्रजीत कौर, उम्र 29 वर्ष, दामाद श्री मनोज कुमार, उम्र 36 वर्ष तथा नाती मास्टर अनमोल, उम्र 6 वर्ष, सभी निवासी मकान नं. H-2/3, बंगाली कॉलोनी, महावीर एन्क्लेव-1, पालम गाँव, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110045 को अपनी समस्त चल एवं अचल संपत्तियों से बेदखल करने तथा उनसे समस्त प्रकार के पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध विच्छेद करने की घोषणा की गई थी। जो मैंने अपनी बहन के लड़के तरुण के बहकावे में आकर किया था। अब मेरी मुवक्किला श्रीमती मीना कुमारी, उम 80 वर्ष, पत्नी स्वर्गीय श्री मनजीत सिंह, निवासी मकान नं. H-2/3A, बंगाली कॉलोनी, महावीर एन्क्लेव-1, पालम गाँव, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110045, दिनाक 23-07-2025, को समाचार पत्र विराट वैभव में प्रकाशित उक्त सार्वजनिक सूचना को पूर्णतः वापस लेती हैं, निरस्त करती हैं तथा उक्त सूचना को प्रभावहीन मानती हैं। मेरी मुवक्किला यह भी स्पष्ट रूप से घोषित करती हैं कि भविष्य में उनके पुत्र एवं पुत्रवधू तथ उनके परिवार के साथ उनके पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध पूर्ववत एवं यथावत बने रहेंगे तथा उक्त संबंधों को समाप्त करने सबंधी पूर्व में प्रकाशित सार्वजनिक सूचना को अब किसी भी प्रकार से प्रभावी या बाध्यकारी नहीं माना जाएगा। अतः दिनांक 23-07-2025, को प्रकाशित उक्त सार्वजनिक सूचना को मेरी मुवक्किला द्वारा विधिवत वापस लिया एवं निरस्त किया जाता है, और भविष्य में उक्त सार्वजनिक सूचना के आधार पर किसी प्रकार का दावा, आपत्ति अथवा अधिकार प्रस्तुत न किया जाए।

TARUN KR. YADAV (Advocate)
Hall No-4 Seat No-9,
DWARKA COURT, LAWYERS
CHAMBER DWARKA,
NEW DELHI-110075
M.No. 9896378347

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था ने फिर दिखाई मजबूती

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत जिस गति से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है, उसका एक और मजबूत उदाहरण वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में देश की 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती और निरंतरता के साथ आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत न झुका है, न रुका है, बल्कि निरंतर आगे बढ़ता रहा है। वैश्विक परिस्थितियों, अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और सप्लाई चेन में उत्पन्न रुकावटों जैसी चुनौतियों के बावजूद 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल करना भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद और आत्मविश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह आर्थिक वृद्धि दर 140 करोड़ देशवासियों के सामूहिक प्रयास, देश की बढ़ती आर्थिक क्षमता और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व का परिणाम है।

हरियाणा विधानसभा मानसून सत्र के दौरान दस विधेयक प्रस्तुत किए गए

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में मानसून सत्र के दौरान जो दस विधेयक प्रस्तुत किए गए, उनमें हरियाणा राज्य अल्पसंख्यक आयोग विधेयक, 2026, हरियाणा ग्राम शामलात भूमि (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026, हरियाणा स्थानीय लेखा-परीक्षा विधेयक, 2026, हरियाणा निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2026, हरियाणा राज्य महिला आयोग (संशोधन) विधेयक, 2026, हरियाणा माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2026, हरियाणा पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2026, हरियाणा राज्य भौतिक-चिकित्सा परिषद् (निरसन) विधेयक, 2026, हरियाणा विधि अधिकारी (विनियोजन) संशोधन विधेयक, 2026 तथा हरियाणा कारोबार का अधिकार अधिनियम, 2026 शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, चार विधेयक चर्चा उपरांत पारित भी किए गए। पारित किए गए विधेयकों में हरियाणा न्यायालय (संशोधन) विधेयक, 2026, हरियाणा नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2026, हरियाणा नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 और हरियाणा बाबा श्री खाटू श्याम चुलकाना धाम पूजास्थल विधेयक, 2026 शामिल हैं।

प्रश्नकाल जनता के अधिकारों और जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाने का महत्वपूर्ण माध्यम : डॉ. अरविंद शर्मा

चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मानसून सत्र के दूसरे दिन कहा कि प्रश्नकाल जनता के अधिकारों और जनहित से जुड़े मुद्दों को सरकार के समक्ष उठाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए प्रश्नकाल के दौरान सदन की कार्यवाही को बाधित करने के बजाय जनप्रतिनिधियों को जनता से जुड़े सवालों पर चर्चा करनी चाहिए। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि विधानसभा में प्रश्नकाल का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। इसी दौरान जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्रों की जनता की समस्याओं तथा शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल सहित विभिन्न जनहित के मुद्दों को सरकार के समक्ष रखते हैं। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल को सुचारू रूप से चलने देना जनता के हित और लोकतांत्रिक व्यवस्था दोनों के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पहले प्रश्नकाल की कार्यवाही बिना किसी व्यवधान के पूरी होने दी जानी चाहिए। इसके बाद विपक्ष सहित सभी सदस्य अन्य मुद्दों को नियमानुसार सदन में उठा सकते हैं और उन पर चर्चा की जा सकती है।

सदन में प्रदेश के विकास पर चर्चा होनी चाहिए, न कि नारेबाजी - मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा में कहा कि यह सदन प्रदेश के विकास और जनहित से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा के लिए है और इसकी गरिमा बनाए रखना सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा उठाए गए विषय पर जवाब देते हुए कहा कि श्री हुड्डा इस सदन के बहुत वरिष्ठ एवं सम्मानित सदस्य हैं और हम उनसे सीखते भी हैं, हालांकि हम उस रास्ते पर नहीं चलते, जो ये सिखाते हैं। हमारा रास्ता अलग है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे श्री हुड्डा का पूरा सम्मान करते हैं। उनके द्वारा कही गई बात की पूरी कार्यवाही और संदर्भ को देखा जा सकता है। उनका किसी का अपमान करने का कोई आशय नहीं था। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विपक्ष के सदस्य बार-बार खड़े होकर इस महान सदन के भीतर नारे लगा रहे थे, जबकि यहां हरियाणा प्रदेश के विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा होनी चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा सदस्यों से चैंबर में आकर वीडियो देखने के लिए कहे जाने के बावजूद सदन में फिर वही नारे लगाए गए।

विपक्ष को हरियाणा कौशल रोजगार निगम का हो गया है 'फोबिया' - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री का विपक्ष पर तंज, कहा– विपक्ष के लिए HKRN का मतलब है 'हाय, काला राज नहीं लाए'

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा कौशल रोजगार निगम को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि विपक्ष को निगम का 'फोबिया' हो गया है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष के लिए ॠत्रह्ह का मतलब है– 'हाय, काला राज नहीं लाए'। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम नियमित भर्ती प्रक्रिया पूरी होने तक आवश्यक सेवाएं प्रभावित न हों, इसके लिए बनाई गई एक पारदर्शी और व्यवस्थित वैकल्पिक व्यवस्था है।

मुख्यमंत्री हरियाणा विधानसभा में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के संबंध में लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभागों द्वारा रिक्तियां हरियाणा लोक सेवा आयोग और हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को भेजी जाती हैं और उसके बाद संबंधित आयोग निर्धारित प्रक्रिया के तहत विज्ञापन जारी कर भर्ती करता है। उन्होंने कहा कि बड़े दुख की बात है कि सरकार चाहे भर्ती हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से करे या हरियाणा लोक सेवा आयोग के माध्यम से, भर्ती रोकने वाले भर्ती रोको गैंग के लोग उसे अदालत में ले जाने का प्रयास करते हैं। इसके बाद न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने में समय लगता है और भर्ती प्रक्रिया भी लंबी हो जाती है। श्री नायब सिंह सैनी ने हाल ही में घोषित एक भर्ती परिणाम का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस दिन परिणाम आया, उसके अगले दिन उनका पुनहाना में कार्यक्रम था। उन्होंने यह जानने के लिए परिणाम देखा कि पुनहाना के कितने युवाओं का चयन हुआ है। परिणाम देखने पर पता चला कि अकेले पुनहाना शहर के 29 युवाओं का चयन हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी पारदर्शिता के आधार पर काम कर रही है। आज प्रदेश के युवाओं का विश्वास और हौसला बढ़ा है तथा उनके माता-पिता में भी यह भरोसा मजबूत हुआ है कि उनके बच्चों को योग्यता के आधार पर अवसर मिलेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने युवाओं में यह विश्वास कायम किया है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष द्वारा हरियाणा कौशल रोजगार निगम को बंद करने की मांग पर कहा कि वे उन गरीब परिवारों की खुशी नहीं देख पा रहे हैं, जिनके बच्चों को रोजगार मिलने से उनके घरों में रोशनी आई है।

गेस्ट टीचर्स के साथ अन्याय का विषय उठाए जाने पर मुख्यमंत्री ने श्री अशोक अरोड़ा से कहा कि उन्हें अपने शासनकाल की परिस्थितियों से आंखें नहीं मूंदनी चाहिए। उस समय कर्मचारियों का कितना शोषण होता था, इसका पूरा विवरण सदन के सामने रखा गया है। उन्होंने कहा कि पहले कर्मचारियों को मिलने वाली राशि में से भी पैसे काट लिए जाते थे और उनकी कोई सुनवाई नहीं होती थी। वर्तमान सरकार में कर्मचारियों का पैसा सीधे उनके बैंक खातों में जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आय के आधार पर अंक दिए जाने के विषय पर कहा कि सरकार की सोच हमेशा गरीब परिवार को आगे लाने की रही है। ग्रुप-डी की भर्ती में ऐसे गरीब परिवार के अभ्यर्थी के लिए पांच अतिरिक्त अंक का मानदंड बनाया गया था, जिसके परिवार में कोई सरकारी नौकरी नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस प्रावधान को अदालत में चुनौती दिए जाने के बाद सरकार को पांच अतिरिक्त अंक का लाभ वापस लेना पड़ा और मंत्रिमंडल में इस संबंध में निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब व्यक्ति सरकार के सिर का ताज है। सरकार उस गरीब मां और पिता की उम्मीद को समझती है, जो आस लगाए बैठा है कि उसके बच्चे को भी अवसर मिले और उसके घर में भी उजाला हो। इसी सोच के साथ हरियाणा कौशल रोजगार निगम की व्यवस्था में आय के आधार पर वेटेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष द्वारा यह विषय भी उठाया गया कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम में आरक्षण नहीं है और निगम को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निगम की स्थापना के बाद तैनाती प्रक्रिया को पूरी तरह नियम आधारित, व्यवस्थित और निर्धारित मानदंडों से जोड़ा गया है।

कुरुक्षेत्र के सौंदर्यीकरण से जुड़े कई कार्यों के टेंडर जारी, अन्य टेंडर भी प्र्रक्रियाधीनः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने ब्रह्म सरोवर और आसपास के क्षेत्र के सौंदर्यीकरण की पूरी योजना बनाई है।

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाले धार्मिक स्थल कुरुक्षेत्र में ब्रह्म सरोवर सहित शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं के विस्तार की व्यापक योजना राज्य सरकार ने तैयार की है। योजना के तहत विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। कई कार्यों के टेंडर लगाए जा रहे हैं, जबकि रेस्ट हाउस सहित अन्य कार्य टेंडर प्रक्रिया में हैं।

मुख्यमंत्री मंगलवार को हरियाणा विधानसभा के प्रश्नकाल के दौरान विधायक अशोक अरोड़ा द्वारा ब्रह्म सरोवर, कुरुक्षेत्र के संबंध में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि विधायक अशोक अरोड़ा ने ब्रह्म सरोवर को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है और पूर्व में भी इस विषय को उठाया था। संबंधित मंत्री द्वारा इस संबंध में सदन को विस्तार से जानकारी दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने ब्रह्म सरोवर और आसपास के क्षेत्र के सौंदर्यीकरण की पूरी योजना बनाई है। रेस्ट हाउस सहित विभिन्न कार्य टेंडर प्रक्रिया में हैं और आने वाले समय में योजनाबद्ध ढंग से इन कार्यों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में कुरुक्षेत्र में श्री गुरु तेग बहादुर जी का शहीदी दिवस मनाया गया था, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए थे। कुरुक्षेत्र के धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए सरकार ने इसके समग्र विकास और सौंदर्यीकरण के लिए पूरी कार्ययोजना तैयार की है और उसी के अनुरूप कार्य आगे बढ़ाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कुरुक्षेत्र के रेलवे एलिवेटेड ट्रैक का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में इसका उद्घाटन किया है। उन्होंने कहा कि जब मनोहर लाल मुख्यमंत्री थे और वे स्वयं सांसद थे, उस समय इस परियोजना को लेकर बात रखी गई थी। आज रेलवे एलिवेटेड ट्रैक बनकर तैयार हो चुका है। इस परियोजना से शहर को रेलवे फाटकों की समस्या से मुक्ति मिली है और शहर की कनेक्टिविटी भी बेहतर हुई है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े रेलवे एलिवेटेड ट्रैक का तेजी से निर्माण सराहनीय है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार कुरुक्षेत्र की धार्मिक एवं ऐतिहासिक गरिमा के अनुरूप इसके विकास, सौंदर्यीकरण और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

38 वर्ष की सेवा करने उपरांत सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में कार्यरत एमबीपी रामफल हुए सेवानिवृत्त

एजेंसी

कैथल। सूचना एवं जन संपर्क विभाग में 38 वर्ष की सेवाएं देने उपरांत मेंबर भजन पार्टी (एमबीपी) रामफल सेवानिवृत्त हो गए। लघु सचिवालय में स्थित डीआईपीआरओ कार्यालय में कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इसमें डीआईपीआरओ नसीब सिंह सैनी सहित अधिकारियों, कर्मचारियों सहित परिवार के लोगों ने भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।कार्यक्रम में डीआईपीआरओ नसीब सिंह सैनी ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए भावनाओं से भरा हुआ है। एक ओर हमें अपने लंबे सेवाकाल को समर्पित करने वाले एक कर्मठ और सम्मानित सहकर्मी की सेवानिवृत्ति पर गर्व है, वहीं दूसरी ओर उनसे विदाई लेने का भाव मन को भावुक भी करता है। सेवानिवृत्ति किसी यात्रा का अंत नहीं, बल्कि जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है। कर्मचारी ने अपने सेवाकाल के दौरान जिस निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया, वह हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। कार्यालय और समाज के प्रति इनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि रामफल ने अपने कार्यकाल में यही विश्वास अर्जित किया है। इनके अनुभव और मार्गदर्शन से अनेक लोगों ने बहुत कुछ सीखा है। आज हम आपके योगदान को सम्मानपूर्वक स्मरण करते हुए आपके उज्ज्वल, स्वस्थ और सुखद भविष्य की कामना करते हैं। कार्यालय स्टाफ द्वारा स्मृति चिन्ह, शॉल व फूल मालाओं के साथ रामफल का सम्मान किया गया।

महिलाओं की आर्थिक मजबूती से ही देश की प्रगति को मिलेगी नई गति : एसडीएम मनीष कुमार यादव

एजेंसी

सीवन। गुहला के एसडीएम मनीष कुमार यादव ने कहा कि महिलाओं का उत्थान करना और उन्हें प्रगति की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार एवं प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को गुणवत्तापरक प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करना जरूरी है। सरकार द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। एसडीएम मनीष कुमार यादव हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत राम आश्रम, सीवन में महिला ब्लॉक संगठन सीवन द्वारा आयोजित वार्षिक आम सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त एवं आर्थिक रूप से समृद्ध करना समय की आवश्यकता है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होंगी और अपने परिवार एवं समाज की प्रगति में सक्रिय

भूमिका निभाएंगी, तभी देश भी तेजी से आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना और जरूरतमंद परिवारों का सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान करना है। एसडीएम ने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ जल्द बैठक आयोजित की जाएगी तथा उनके लिए सर्फ एवं साबुन यूनिट शुरू करने की दिशा में कार्य किया जाएगा, ताकि उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आय का स्थायी साधन मिल सके। एसडीएम ने महिलाओं का आह्वान किया कि सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

डीसी अनुपमा अंजली ने समाधान शिविर में सुनीं नागरिकों की समस्याएं

एक ही छत के नीचे हो रहा नागरिकों की समस्याओं का समाधान : डीसी अनुपमा अंजली

एजेंसी

नारनौल। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों की श्रृंखला में लघु सचिवालय में उपायुक्त अनुपमा अंजली ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उपायुक्त ने शिविर में विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें लेकर पहुंचे नागरिकों की बात धैर्यपूर्वक सुनी और अधिकांश मामलों का मौके पर ही समाधान किया।

इस अवसर पर डीसी ने कहा कि समाधान शिविर की सबसे बड़ी खूबी यह है कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग-अलग सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं, जिससे समस्याओं का त्वरित और प्रभावी

समाधान संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल नागरिकों के समय की बचत होती है, बल्कि प्रशासन के प्रति उनका विश्वास भी मजबूत होता है।

डीसी ने बताया कि जिले के सभी उपमंडलों में प्रत्येक सोमवार और वीरवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में कोई भी नागरिक अपनी समस्या या शिकायत लेकर पहुंच सकता है और संबंधित अधिकारियों के समक्ष रख सकता है।उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं का समाधान करवाएं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों में आने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लें और निर्धारित समयावधि में उसका निपटारा सुनिश्चित करें।

हरियाणा में बिजली व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में सरकार के ठोस कदम : अनिल विज

इस प्रकार कुल 7,68,617.59 लाख यूनिट बिजली खरीदी गई। 6,105 गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति – विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान बिजली व्यवस्था से संबंधित प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रदेश में बिजली आपूर्ति, गांवों में 24 घंटे बिजली तथा विभाग में मानव संसाधन की स्थिति के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश के कुल 95 शहरी क्षेत्रों'' में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। इनमें 55 उपमंडल (डीएचवीपीएन क्षेत्र) तथा 40 उपमंडल (यूएचबीवीएन क्षेत्र) शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान प्रदेश की बिजली की कुल वार्षिक खरीद लागत 40,918.30 करोड़ रुपये रही। इस अवधि में राज्य के भीतर उत्पादित/प्राप्त बिजली

2,13,013.29 लाख यूनिट तथा राज्य के बाहर से प्राप्त बिजली 5,55,604.30 लाख यूनिट रही।

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि हरियाणा सरकार की 'म्हारा गांव-जगमग गांव' योजना'' के तहत प्रदेश के गांवों को चरणबद्ध तरीके से 24 घंटे बिजली आपूर्ति के दायरे में लाया जा रहा है। प्रदेश के कुल 7,250 गांवों में से 6,105 गांवों यानी 84.2 प्रतिशत गांवों में पहले से ही 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है, जबकि 1,145 गांवों में 16 घंटे बिजली आपूर्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि शेष गांवों को भी चरणबद्ध तरीके से 24 घंटे बिजली आपूर्ति के दायरे में लाया जा रहा है।

इसके लिए संबंधित क्षेत्रों में बिजली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा फीडरों के लोड को निर्धारित सीमा के भीतर लाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के तहत 55 शहरी क्षेत्रों तथा 2686 गांवों में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति की जा रही है जबकि 980 गांवों में 16 घंटे बिजली की आपूर्ति की जा रही है। इसी प्रकार, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के तहत 40 शहरी क्षेत्र तथा 3419 गांवों में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति की जा रही है जबकि 165 गांवों में 16 घंटे बिजली की आपूर्ति की जा रही है। विज ने विधानसभा में बताया कि ऊर्जा विभाग में विभिन्न श्रेणियों के कुल 53,289 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 27,746 पदों पर नियमित कर्मचारी कार्यरत हैं तथा 25,543 पद रिक्त हैं। उन्होंने बताया कि नियमित कर्मचारियों के अतिरिक्त 15,362 कर्मचारी एचकेआरएनएल/हारट्रोन/कॉन्ट्रैक्टर/पार्ट-टाइम व सीधे आउटसोर्सिंग के माध्यम से विभिन्न कार्यों में सेवाएं दे रहे हैं। इससे बिजली वितरण एवं आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में विभाग को अतिरिक्त मानव संसाधन उपलब्ध हो रहा है।

सात साल में सड़क हादसों में 22 हजार की मौत

आदित्य सुरजेवाला के सवाल पर सरकार ने पेश की रिपोर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्टेट हाईवे और जिला सड़के पिछले सात साल से ज्यादा समय में 22 हजार के करीब जिंदगियां निगल चुकी हैं। कैथल से कांग्रेस विधायक आदित्य सुरजेवाला के सड़क़ हादसों से जुड़े सवाल के जवाब में सरकार ने विधानसभा में 2019 से जुलाई 2026 तक का आंकड़ा रखा है। इसके मुताबिक इस अवधि में स्टेट हाईवे और जिला सड़क़ों पर कुल 47,370 सड़क़ हादसे हुए और इनमें 21,996 लोगों की मौत हुई, जबकि 37,634 लोग घायल हुए। सवाल में सरकार से इन्हीं दो श्रेणियों की सड़क़ों पर हादसों, मृतकों और घायलों का जिला-वार एवं वर्ष-वार ब्योरा मांगा गया था। आंकड़ों की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हर साल औसतन करीब 6,000 से ज्यादा हादसे और करीब 2,750 मौतें इन सड़क़ों पर दर्ज हुईं। यानी औसतन हर दिन करीब आठ लोगों की

जान गई। यह आंकड़ा 2019 से जुलाई 2026 तक का है और 2026 में आंकड़े केवल जुलाई तक के हैं। सरकार के जवाब में एक साफ तस्वीर यह भी निकलकर आती है कि हादसों का बड़ा हिस्सा जिला सड़क़ों पर हुआ। 2019 से जुलाई 2026 तक जिला सड़क़ों पर 33,682 हादसे हुए, जिनमें 14,495 लोगों की मौत और 26,973 लोग घायल हुए। इसके मुकाबले स्टेट हाईवे पर 13,688 हादसों में 7,501 मौतें और 10,661 घायल हुए। यानी कुल हादसों में जिला सड़क़ों की हिस्सेदारी करीब 71 फीसदी रही, जबकि मौतों में भी जिला सड़क़ें करीब 66 फीसदी हिस्से के साथ आगे रहीं।2024 के मुकाबले 2025 में दोनों श्रेणियों की सड़क़ों पर हादसे बढ़े। 2024 में स्टेट हाईवे और जिला सड़क़ों पर कुल 5,964 हादसे हुए थे, जिनमें 2,756 मौतें हुईं। 2025 में हादसों की संख्या बढक़र 6,480 और मौतों की संख्या 3,059 हो गई। यानी एक साल में हादसों में करीब 9 फीसदी और मौतों में करीब 11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। 2025 में कुल 5,084 लोग घायल हुए। 2026 के जनवरी से जुलाई तक ही स्टेट हाईवे और जिला सड़क़ों पर 3,821 हादसे हो चुके हैं। इनमें 1,841 लोगों की मौत और 3,109 लोग घायल हुए हैं। यानी जुलाई तक हर महीने औसतन करीब 263 हादसे और 127 मौतें दर्ज हुईं। सरकारी आंकड़ों में कई जिलों में जिला सड़क़ें विशेष रूप से गंभीर नजर आती हैं। 2025 में गुरुग्राम की जिला सड़क़ों पर 860 हादसे और 304 मौतें, करनाल में 443 हादसे और 204 मौतें, फरीदाबाद में 425 हादसे और 165 मौतें, पलवल में 355 हादसे और 150 मौतें तथा सोनीपत में 205 हादसे और 71 मौतें दर्ज की गईं।

रेवाड़ी एम्स में 50 एमबीबीएस सीटों पर एडमिशन की मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि रेवाड़ी के माजरा में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में मौजूदा शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए 50 एमबीबीएस सीटों पर एडमिशन की मंजूरी मिल गई है। स्वास्थ्य मंत्री हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सदन के एक सदस्य द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे रही थी। आरती सिंह राव ने बताया कि हरियाणा में केंद्र सरकार के एम्स से जुड़े दो प्रमुख संस्थान झज्जर के बाढसा में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट और रेवाड़ी के माजरा

यह कैंसर के इलाज, रोकथाम, शुरुआती पहचान, रिसर्च और मानव संसाधन विकास के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में काम करता है।

में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज हैं। झज्जर के बाढसा में स्थित नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट एम्स नई दिल्ली का दूसरा कैंपस है। यह कैंसर के इलाज के लिए समर्पित एक टर्शियरी-केयर (विशेषज्ञ चिकित्सा सेवा) संस्थान है। यह कैंसर के इलाज, रोकथाम, शुरुआती पहचान, रिसर्च और मानव संसाधन विकास के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में काम करता है। इसके अलावा, रेवाड़ी के माजरा में ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत देश के 22वें एम्स के तौर पर एक मेडिकल कॉलेज और 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' के रूप में स्थापित किया जा रहा है। भारत सरकार ने मौजूदा शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए इस संस्थान में 50 एमबीबीएस विद्यार्थियों के एडमिशन की मंजूरी दे दी है।

एआई-171 हादसे का असर, भारत-ब्रिटेन रूट पर एयर इंडिया के यात्री घटे

- प्रतिस्पर्धियों ने बेहतर प्रदर्शन किया, परिचालन चुनौतियां भी बढ़ीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। 12 जून 2025 को एआई-171 विमान हादसे के बाद भारत-ब्रिटेन मार्ग पर एयर इंडिया के यात्री यातायात में लगातार कमजोरी दर्ज हुई है। विमानन विश्लेषण कंपनी सिरियम के आंकड़ों के मुताबिक, हादसे के बाद एयर इंडिया की सीट क्षमता के मुकाबले यात्रियों की संख्या में अधिक तेजी से गिरावट आई, जबकि इसी मार्ग पर उड़ान भरने वाली अन्य विमान कंपनियों ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया। दुर्घटना की अंतिम जांच रिपोर्ट अभी लंबित है। हादसे के बाद के महीनों में एयर इंडिया के प्रदर्शन में स्पष्ट गिरावट देखी गई। जून 2025 में क्षमता वृद्धि के बावजूद यात्री वृद्धि धीमी रही। जुलाई से अक्टूबर तक, जहां क्षमता गिरी या स्थिर रही, यात्रियों की संख्या में 12 से 19 फीसदी की गिरावट आई। वहीं, ब्रिटिश एयरवेज और वर्जिन अटलांटिक जैसी अन्य कंपनियों की यात्री संख्या में 10 फीसदी से अधिक की लगातार वृद्धि देखी गई। एयर इंडिया को परिचालन संबंधी चुनौतियां भी बढ़ीं। मई 2025 में पाकिस्तान और फरवरी 2026 में पश्चिम एशिया के हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों से उसे ब्रिटेन जाने के लिए लंबे और महंगे वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़े। फरवरी, अप्रैल और मई 2026 में यात्रियों की संख्या में क्रमशः 9.8 फीसदी, 26.8 फीसदी और 24.6 फीसदी की गिरावट आई, जबकि सीट क्षमता उतनी नहीं घटी। हालांकि, एयर इंडिया का दावा है कि उसे ग्राहकों से लगातार सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और वह बदलते परिचालन तथा प्रतिस्पर्धा के बीच ग्राहक अनुभव सुधारने पर काम कर रही है।

हुंडई की अगस्त बिक्री में रिकॉर्ड उछाल

नई दिल्ली

हुंडै मोटर इंडिया लिमिटेड ने अगस्त में अपनी कुल बिक्री में 8.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो 65,796 इकाई रही। कंपनी की घरेलू बिक्री 23.6 फीसदी बढ़कर 54,396 इकाई रही, जो अगस्त महीने का अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। वाहन विनिर्माता हुंडई ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसकी वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष और भू-राजनीतिक चुनौतियों से निर्यात (11,400 इकाई) प्रभावित हुआ। कंपनी के एमडी और सीईओ तरुण गर्ग ने कहा, अप्रैल-अगस्त में घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 12.6त्न बढ़ी है, जो मजबूत वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने आने वाले महीनों में निर्यात में सुधार की उम्मीद जताई। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड की अगस्त में कुल बिक्री 8.8 प्रतिशत बढ़कर 65,796 इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता कंपनी ने मंगलवार को बताया कि अगस्त में घरेलू बिक्री 23.6 प्रतिशत बढ़कर 54,396 इकाई रही जबकि निर्यात 11,400 इकाई रहा।हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने कहा, ''वित्त वर्ष 2026-27 में हमारी वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है। अप्रैल-अगस्त अवधि में घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत बढ़ी है।''उन्होंने बताया कि अगस्त में घरेलू बिक्री 23.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 54,396 इकाई रही जो अगस्त महीने में दर्ज अब तक की सर्वाधिक बिक्री है। गर्ग ने कहा कि अगस्त में कुल निर्यात पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और समीक्षाधीन महीने के दौरान व्यापक भू-राजनीतिक चुनौतियों से उत्पन्न लॉजिस्टिक बाधाओं से प्रभावित हुआ। हालांकि, स्थिति में सुधार होने के साथ आने वाले महीनों में निर्यात मांग मजबूत बने रहने की उम्मीद है।

एचएफसीएल को मिला 24.4 करोड़ का विशाल निर्यात ठेका

नई दिल्ली ।

दूरसंचार उपकरण निर्माता एचएफसीएल को ऑप्टिकल फाइबर केबल आपूर्ति हेतु एक वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनी से 24.4 करोड़ डॉलर (करीब 2,329 करोड़ रुपये) का निर्यात ठेका मिला है। यह समझौता दिसंबर 2029 तक तीन साल के लिए है। कंपनी ने हालांकि इस ग्राहक का नाम गोपनीय रखा है। एचएफसीएल ने मंगलवार को शेयर बाजार को सूचित किया कि उसकी विदेशी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के जरिए उच्च गुणवत्ता वाले, अधिक फाइबर क्षमता वाले ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) की आपूर्ति की जाएगी। इस ठेके के तहत आपूर्ति 2027 से शुरू होगी।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 12, निफ्टी 24 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 12.99 अंक गिरकर 76,944.28 पर रहा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 24.60 अंक फिसलकर 24,055.80 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर कुल 4559 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2555 में गिरावट दर्ज की गई, जबकि केवल 1769 शेयरों में बढ़त रही। इसमें से 235 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। यह आंकड़ा दिखाता है कि बाजार में गिरावट का रुख व्यापक था।आज क्षेत्रीय मोर्चे पर, फार्मा सेक्टर ने सबसे ज्यादा गिरावट रही, जिसमें निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1.5 फीसदी नीचे आया। इसके बाद निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी रियल्टी इंडेक्स में भी 1.4फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी ऑटो और निफ्टी पीएसयू बैंक सूचकांकों में 1.2फीसदी की कमी आई, जबकि निफ्टी बैंक 1फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.9फीसदी गिरे। इसके विपरीत, कुछ सेक्टरों में हल्की बढ़त देखी गई। निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी आईटी में 0.9फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि निफ्टी इंफ्रा, मीडिया और ऑयल एंड गैस सेक्टर 0.3फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।निफ्टी के प्रमुख शेयरों में श्रीराम फाइनेंस, मारुति सुजुकी, नेस्ले, इंटरग्लोब एविएशन और मैक्स हेल्थकेयर सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में शामिल रहे, जिन्होंने बाजार पर दबाव बढ़ाया। दूसरी ओर, आईटीसी, अडानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक और ओएनजीसी जैसे शेयरों ने बाजार को कुछ हद तक सहारा देने की कोशिश की और बढ़त के साथ बंद हुए। व्यापक बाजार की बात करें तो, मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी नकारात्मक प्रदर्शन रहा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 72 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.92 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार के शुरुआती कारोबार के दौरान भारतीय रुपये में 26 पैसे की तेजी दर्ज की गई। 95.06 के स्तर पर खुलने के बाद यह मजबूत होकर 94.96 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। विशेषज्ञों के अनुसार निकट अवधि में रुपये को 95.10 से 95.20 के दायरे में मजबूत समर्थन मिल रहा है।रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 26 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.96 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मुकाबले रुपये को निकट अवधि में 95.10-95.20 के आसपास मजबूत समर्थन मिलता दिख रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.06 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें तेजी आई और यह 26 पैसे की बढ़त दर्ज करते हुए 94.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपये ने सोमवार को शुरुआती नुकसान की भरपाई की और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की बढ़त के साथ 95.22 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.46 पर रहा।

टाटा के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री अगस्त में बढ़कर 44,411 इकाई पहुंची

नई दिल।

टाटा मोटर्स लिमिटेड ने अगस्त महीने में अपनी वाणिज्यिक वाहन (सीवी) बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि कुल बिक्री में पिछले साल के मुकाबले 49 प्रतिशत का जोरदार उछाल आया है, जो 44,411 इकाई तक पहुंच गई। पिछले साल अगस्त में यह आंकड़ा 29,863 इकाई था। कंपनी के बयान के अनुसार घरेलू वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 33 प्रतिशत बढ़कर 36,619 इकाई रही, जो अगस्त 2022 में 27,481 इकाई थी। सबसे प्रभावशाली वृद्धि अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में देखने को मिली, जहां कंपनी ने 7,792 इकाई बेचीं। यह एक साल पहले इसी महीने बेची गई 2,382 इकाइयों की तुलना में 227 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाती है, जो वैश्विक बाजारों में कंपनी के मजबूत प्रदर्शन को रेखांकित करता है।

ई-वाणिज्यिक वाहन निर्माता मुश्किल में, पीएम ई-ड्राइव की स्थानीयकरण शर्तों पर मांगी मोहलत

चीन के दुर्लभ खनिज मैग्नेट पर निर्यात प्रतिबंधों के कारण ट्रैक्शन मोटर के स्थानीय उत्पादन में बाधा

मुंबई ।

इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन (ई-सीवी) बनाने वाली कंपनियां प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना के तहत स्थानीय विनिर्माण की जरूरतों को पूरा करने में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही हैं। मंगलवार से लागू होने वाले कड़े नियमों के बीच, उद्योग ने स्थानीय स्तर पर ट्रैक्शन मोटर और मोटर नियंत्रण प्रणाली के उत्पादन की समय-सीमा में सात महीने की बढ़ोतरी की मांग की है। इसकी मुख्य वजह चीन द्वारा दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध हैं, जिसने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर दिया है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) ने भारी उद्योग मंत्रालय से 1 सितंबर, 2026 से लागू होने वाली स्थानीयकरण की समय-सीमा को 1 अप्रैल, 2027 तक बढ़ाने का आग्रह किया है। सायम ने अपने पत्र में डिस्प्रोसियम और टर्बियम जैसे दुर्लभ खनिज तत्वों पर चीन के निर्यात नियंत्रण को मुख्य कारण बताया, जो स्थायी मैग्नेट की आपूर्ति में बाधा डाल रहे हैं। ये मैग्नेट इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों में इस्तेमाल होने वाले ट्रैक्शन मोटर के लिए महत्वपूर्ण हैं। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि उद्योग के इस अनुरोध पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। पीएम ई-ड्राइव योजना के चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी) के तहत, ट्रैक्शन मोटर के मुख्य पुर्जों का भारत में ही विनिर्माण अनिवार्य है। सरकार ने पहले इन नियमों को सितंबर 2025 से लागू करने की योजना बनाई थी, लेकिन उद्योग की प्रतिक्रिया के बाद इसे दो बार बढ़ाया जा चुका है, अंतिम समय-सीमा 1 सितंबर, 2026 निर्धारित की गई थी।

सीमा 1 सितंबर, 2026 निर्धारित की गई थी। उद्योग अब भी आपूर्ति संबंधी अनिश्चितता से जूझ रहा है। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि उद्योग के इस अनुरोध पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। पीएम ई-ड्राइव योजना के चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी) के तहत, ट्रैक्शन मोटर के मुख्य पुर्जों का भारत में ही विनिर्माण अनिवार्य है। सरकार ने पहले इन नियमों को सितंबर 2025 से लागू करने की योजना बनाई थी, लेकिन उद्योग की प्रतिक्रिया के बाद इसे दो बार बढ़ाया जा चुका है, अंतिम समय-सीमा 1 सितंबर, 2026 निर्धारित की गई थी।

जोमैटो ने प्लेटफॉर्म से हटाए कृत्रिम डेरी उत्पाद

एफएसएसएआई की कार्रवाई के बाद कंपनी ने उठाया कदम;

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अपने प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध रेस्टोरेंट्स द्वारा एनालॉग (कृत्रिम) डेरी उत्पादों की बिक्री पर सख्त नीति अपनाने की घोषणा की है। कंपनी ने उन सभी व्यंजनों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है, जिनमें एनालॉग डेरी उत्पादों का उपयोग होने की बात रेस्टोरेंट्स ने घोषित की थी। यह महत्वपूर्ण कदम भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा महाराष्ट्र में की गई कार्रवाई के बाद उठाया गया है, जिसने नकली डेरी उत्पादों की निगरानी और परीक्षण प्रक्रिया को मजबूत करने का भी निर्देश दिया था, जिसके तहत कई भोजनालयों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। एनालॉग डेरी उत्पाद मुख्य रूप से पनीर, घी, खोया और मक्खन जैसे पारंपरिक डेरी उत्पादों के कृत्रिम विकल्प होते हैं, जिन्हें असली सामग्री के बजाय सस्ते पदार्थों से तैयार किया जाता है। जोमैटो ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई पारदर्शिता और खाद्य गुणवत्ता के प्रति उसके गंभीर रुख को दर्शाती है। कंपनी ने कहा कि उल्लंघन पाए जाने पर किसी भी उत्पाद को सूची से हटाने का अधिकार उसके पास सुरक्षित है।

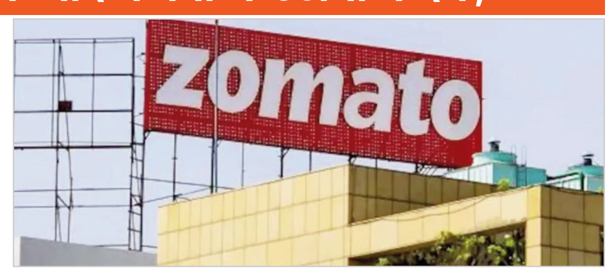

जोमैटो ने अपने रेस्टोरेंट साझेदारों को तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए हैं। उन्हें केवल प्राकृतिक डेरी उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने, मेन्यू से एनालॉग डेरी उत्पादों वाली वस्तुओं को हटाने और आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्रदान किए गए उत्पाद लेबल व सामग्री घोषणाओं की गहन समीक्षा करने को कहा गया है। कंपनी ने चेतावनी दी है कि नियमों का ठीक तरीके से पालन न करने वाले रेस्टोरेंट्स को प्लेटफॉर्म की सूची से हटा दिया जाएगा। जोमैटो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदित्य मंगला ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा, जोमैटो का लक्ष्य लोगों को बेहतर भोजन उपलब्ध कराना है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत- सीईए

मुंबई ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने घोषणा की कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय मजबूती दिखाई है। उन्होंने इस स्थिरता का श्रेय पिछले कई वर्षों में किए गए संरचनात्मक सुधारों को दिया। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों के बाद उन्होंने बताया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आर्थिक वृद्धि मजबूत रही। इस तिमाही में वास्तविक जीडीपी में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछली तिमाही के 8.6 फीसदी से थोड़ी कम है। विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जबकि कृषि क्षेत्र का योगदान कम रहा। नागेश्वरन ने जोर देकर कहा कि अर्थव्यवस्था की यह मजबूती कई अन्य आर्थिक संकेतकों से भी परिलक्षित होती है। उन्होंने स्वीकार किया कि वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों, ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों तथा खाद्य कीमतों को लेकर अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं। इस बार जीडीपी के आकलन में डबल डिफ्लेशन नामक नई अंतरराष्ट्रीय पद्धति का प्रयोग किया गया है, जिसकी जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (मॉस्पी) के सचिव सौरभ गर्ग ने दी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- 7.8 फीसदी जीडीपी वृद्धि बेहद उत्साहजनक

विनिर्माण, सुधार और विदेशी निवेश ने बढ़ाया भरोसा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति पर गहरा संतोष व्यक्त किया है, खासकर वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में हासिल 7.8 फीसदी की प्रभावशाली जीडीपी वृद्धि को रेखांकित करते हुए। उन्होंने इस उल्लेखनीय प्रगति को भारतीय नागरिकों की कठिन परिस्थितियों और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद की गई कड़ी मेहनत का परिणाम बताया।

सीतारमण ने जानकारी दी कि इस अवधि में विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई और अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में सकारात्मक विकास देखा गया। उन्होंने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार का श्रेय राज्यों के सहयोग को दिया, साथ ही सरकार द्वारा 1,000 से अधिक पुराने कानूनों को हटाने और लगभग 40,000 नियमों को सरल बनाने के प्रयासों का भी जिक्र किया।

वित्त मंत्री ने एफसीएनआर जमा और विदेशी निवेश में वृद्धि को भारतीय बैंकिंग प्रणाली और अर्थव्यवस्था में बढ़ते भरोसे का स्पष्ट संकेत बताया। उन्होंने कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक दलों से अर्थव्यवस्था के सकारात्मक आंकड़ों को स्वीकार करने का आग्रह किया, यह कहते हुए कि राजनीतिक कारणों से भारतीय अर्थव्यवस्था की नकारात्मक तस्वीर पेश करना उचित नहीं है। सीतारमण ने स्वीकार किया कि कुछ क्षेत्रों में सुधार की गुंजाइश हो सकती है, लेकिन लगातार अच्छे आर्थिक आंकड़े भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाते हैं। उन्होंने कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और उर्वरकों के आयात से जुड़ी चुनौतियों को भी स्वीकार किया, लेकिन जोर दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार खुद को लगातार ढाल रही है। उन्होंने आरबीआई के सकारात्मक आकलन का हवाला देते हुए विश्वास जताया कि सरकार हर चुनौती में भारत को लाभ की स्थिति में रखने के लिए काम करेगी।

अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर, वित्त मंत्री ने पोलैंड, कतर, दक्षिण कोरिया और रूस के साथ सफल द्विपक्षीय बैठकों की जानकारी दी, जहां सभी देशों ने भारत के साथ संबंध मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कनाडा और अमेरिका में निवेशकों, पेंशन फंड और फंडिंग एजेंसियों के साथ मुलाकातों का भी जिक्र किया, जिन्होंने भारत में निवेश में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने बताया कि आयात प्रक्रिया को आसान और तेज बनाने के लिए कस्टम्स और बैंकिंग क्षेत्र में कई सुधार किए जा रहे हैं।

हुंडई की अगस्त बिक्री में रिकॉर्ड उछाल

नई दिल्ली ।

हुंडै मोटर इंडिया लिमिटेड ने अगस्त में अपनी कुल बिक्री में 8.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो 65,796 इकाई रही। कंपनी की घरेलू बिक्री 23.6 फीसदी बढ़कर 54,396 इकाई रही, जो अगस्त महीने का अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। वाहन विनिर्माता हुंडई ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसकी वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष और भू-राजनीतिक चुनौतियों से निर्यात (11,400 इकाई) प्रभावित हुआ। कंपनी के एमडी और सीईओ तरुण गर्ग ने कहा, अप्रैल-अगस्त में घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 12.6त्न बढ़ी है, जो मजबूत वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने आने वाले महीनों में निर्यात में सुधार की उम्मीद जताई। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड की अगस्त में कुल बिक्री 8.8 प्रतिशत बढ़कर 65,796 इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता कंपनी ने मंगलवार को बताया कि अगस्त में घरेलू बिक्री 23.6 प्रतिशत बढ़कर 54,396 इकाई रही जबकि निर्यात 11,400 इकाई रहा।हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने कहा, ''वित्त वर्ष 2026-27 में हमारी वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है।

पशुधन क्षेत्र की सुस्ती से कृषि जीवीए वृद्धि दर धीमी

कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की वृद्धि पहली तिमाही में घटी, पशुपालन पर मौसम का असर पड़ा भारी

मुंबई । सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों की सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) वृद्धि दर में गिरावट दर्ज की गई है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 4.4 प्रतिशत से घटकर 3.6 प्रतिशत पर आ गई है, जो कृषि क्षेत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत है। विशेषज्ञों का कहना है कि कृषि जीवीए में आई यह गिरावट मुख्य रूप से पशुपालन और पशुधन क्षेत्रों में कम उत्पादन के कारण हुई है। दरअसल, अप्रैल से जून 2026 के दौरान देश के कई हिस्सों में आई बाढ़ और अत्यधिक गर्मी ने पशुधन को बुरी तरह प्रभावित किया था, जिससे उत्पादन प्रभावित हुआ। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री ने भी इस बात पर सहमति जताई कि पशुधन क्षेत्र का जीवीए पर यह प्रभाव अत्यधिक संभावित है, क्योंकि आमतौर पर पहली तिमाही में कृषि गतिविधियां कम रहती हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि वित्त वर्ष 2027 के लिए कृषि जीवीए पर कम मॉनसून का वास्तविक असर आने वाली तिमाहियों में महसूस किया जाएगा। उन्होंने पूरे वित्त वर्ष के लिए कृषि व संबद्ध गतिविधियों का जीवीए लगभग 3.5-4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो इस क्षेत्र के दीर्घकालिक रुझान के अनुरूप है, लेकिन इसमें गिरावट का स्पष्ट रुझान दिखाई दे रहा है। गिरावट का यह रुझान इस तथ्य के कारण है कि बारिश में सुधार के बावजूद, खरीफ फसल का रकबा पिछले साल की तुलना में कम रहेगा, जिसका अर्थ है कि खोया हुआ रकबा वापस नहीं मिल पाएगा।

हालांकि, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में मौजूदा कीमतों पर जीवीए वृद्धि 7.5 प्रतिशत रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 4.7 प्रतिशत थी।

पार्थ जिंदल को मिली जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की कमान

संभालेंगे 6000 करोड़ का मेगा प्रोजेक्ट

मुंबई ।

जेएसडब्ल्यू समूह ने अपनी वाहन क्षेत्र की महत्वाकांक्षाओं को नई दिशा देते हुए घोषणा की कि सज्जन जिंदल के पुत्र पार्थ जिंदल को जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। 36 वर्षीय पार्थ, जो पहले से ही जेएसडब्ल्यू सीमेंट और पेंट्स के प्रबंध निदेशक हैं, अब समूह के इस सबसे बड़े नए उद्यम के केंद्र में आ गए हैं। समूह की वाहन रणनीति, विनिर्माण विस्तार और स्थानीयकरण में सक्रिय भूमिका निभाते रहे पार्थ जिंदल की यह पदोन्नति ऐसे समय में हुई है जब जेएसडब्ल्यू की वाहन संबंधी महत्वाकांक्षाएं एमजी से कहीं आगे बढ़ रही हैं। समूह जेएसडब्ल्यू मोटर्स के तहत स्वतंत्र यात्री वाहन कारोबार बना रहा है, जिसमें चीन की चेरी ऑटोमोबाइल की तकनीक का इस्तेमाल होगा। इसके अलावा, फोक्सवगैन ग्रुप के साथ भी भारत में संभावित साझेदारी को लेकर बातचीत चल रही है। जेएसडब्ल्यू एमजी और उसके आपूर्तिकर्ता संयुक्त रूप से लगभग 6,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं। इस योजना के तहत, जनवरी 2028 तक हलोल संयंत्र की क्षमता को मौजूदा 1,10,000 वाहनों से बढ़ाकर सालाना 2,20,000 किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जेएसडब्ल्यू मोटर्स महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में नई-ऊर्जा वाले वाहनों के लिए एक नया विनिर्माण संयंत्र भी विकसित कर रही है। पार्थ जिंदल की रणनीतिक दृष्टि समूह के लिए कोई नई बात नहीं है। फरवरी 2018 में, जब समूह भूषण स्टील की दिवालिया प्रक्रिया पर विचार कर रहा था, तब पार्थ ने टाटा समूह के विस्तार के जवाब में भूषण पावर ऐंड स्टील (बीपीएसएल) को हासिल करने का तर्क दिया था। उनकी सलाह आखिरकार सही साबित हुई और जेएसडब्ल्यू ने बीपीएसएल को खरीदकर पूर्वी भारत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

सोन के पानी पर समझौता, अब असली परीक्षा

कुमार कृष्णन

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। केंद्र ने इसे 'टीम भारत' की भावना और सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। लंबे समय से अटके किसी अंतरराज्यीय जल विवाद का बातचीत के जरिए समाधान निस्संदेह महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी समझौते का महत्व उसके दस्तावेज में नहीं, उसके परिणाम में होता है।

सोन का पानी अब केवल नदी का सवाल नहीं है। बिहार और झारखंड के बीच करीब 25 साल से चला आ रहा जल विवाद समझौते की मेज तक पहुंचा है। नई दिल्ली में दोनों राज्यों ने सोन नदी के जल बंटवारे पर समझौता किया है। हिस्सेदारी तय हो गई, लेकिन असली सवाल अब शुरू होता है–क्या यह पानी खेतों और घरों तक पहुंचेगा? क्या दोनों राज्य नदी को केवल बंटवारे की वस्तु मानने के बजाय साझा प्राकृतिक संसाधन की तरह देख पाएंगे? इस समझौते की सफलता इन्हीं सवालों के जवाब पर निर्भर करेगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। केंद्र ने इसे 'टीम भारत' की भावना और सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। लंबे समय से अटके किसी अंतरराज्यीय जल विवाद का बातचीत के जरिए समाधान निस्संदेह महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी समझौते का महत्व उसके दस्तावेज में नहीं, उसके परिणाम में होता है।

सोन जल विवाद की पृष्ठभूमि 1973 के बाणसागर समझौते तक जाती है। वर्ष 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड के गठन के बाद अविभाजित बिहार के हिस्से में रहे सोन के पानी के पुनर्वितरण का प्रश्न सामने आया। दोनों राज्यों के बीच यह मामला वर्षों तक उलझा रहा। अब बनी व्यवस्था के अनुसार बिहार को 5.75 मिलियन एकड़-फीट और झारखंड को 2 मिलियन एकड़-फीट पानी का हिस्सा निर्धारित किया गया है।

यह हिस्सा दोनों राज्यों के ग्रामीण जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। बिहार में भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, अरवल, गया और पटना के बड़े इलाके सोन की सिंचाई व्यवस्था से जुड़े हैं। झारखंड में पलामू और गढ़वा सहित आसपास के क्षेत्रों में सिंचाई और पेयजल की जरूरत लंबे समय से बनी हुई है। ऐसे में जल की हिस्सेदारी का स्पष्ट निर्धारण दोनों राज्यों के लिए राहत का आधार बन सकता है।

बिहार में सोन की सिंचाई व्यवस्था ने कृषि को अपेक्षाकृत स्थिर आधार दिया है। वर्षा की अनिश्चितता बढ़ने के साथ इसकी उपयोगिता और बढ़ी है। समय पर सिंचाई मिले तो किसान एक फसल पर निर्भर रहने के बजाय फसल विविधीकरण की ओर बढ़ सकते हैं। उत्पादन और ग्रामीण आय में भी सुधार की संभावना है। झारखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में इसका महत्व और व्यापक है, जहां सिंचाई के साथ पेयजल भी बड़ी समस्या है।

लेकिन यहीं समझौते की पहली और सबसे कठिन परीक्षा है। पानी का हिस्सा तय हो जाना और पानी का खेत तक पहुंचना अलग-अलग बातें हैं। नहरों की क्षमता, उनकी मरम्मत, जलाशयों का संचालन, वितरण नेटवर्क, बिजली और स्थानीय सिंचाई व्यवस्था तय करेगी कि समझौते का

लाभ वास्तव में किसे मिलता है। देश में अनेक सिंचाई परियोजनाओं का अनुभव रहा है कि स्रोत पर पानी मौजूद रहने के बावजूद कमजोर वितरण व्यवस्था के कारण उसका पूरा लाभ अंतिम छोर तक नहीं पहुंचता।

इसलिए समझौते के साथ स्पष्ट क्रियान्वयन योजना जरूरी है। दोनों राज्यों के बीच संयुक्त निगरानी व्यवस्था होनी चाहिए। जल प्रवाह, उपलब्धता और उपयोग के आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं। किस मौसम में कितना पानी उपलब्ध है, कितना इस्तेमाल हुआ और किन क्षेत्रों को कितना पानी मिला–इनका नियमित हिसाब होना चाहिए। आधुनिक तकनीक से इसकी निगरानी संभव है। पारदर्शी आंकड़े राज्यों के बीच भरोसा बढ़ाने के साथ भविष्य के विवादों को भी रोक सकते हैं।

कम वर्षा या कम प्रवाह वाले वर्षों के लिए व्यवस्था और महत्वपूर्ण हो जाती है। सामान्य परिस्थितियों में हिस्सेदारी लागू करना आसान हो सकता है, लेकिन जल संकट के समय ही किसी समझौते की मजबूती सामने आती है। ऐसे समय में पेयजल, सिंचाई और नदी के पर्यावरणीय प्रवाह के बीच प्राथमिकता कैसे तय होगी, यह पहले से स्पष्ट होना चाहिए। संकट के समय यदि नियम अस्पष्ट रहे तो पुराना विवाद नए रूप में लौट सकता है।

अमित शाह ने सोन समझौते को सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। इस वर्ष अंतरराज्यीय जल और उससे जुड़े कई मामलों में केंद्र की मध्यस्थता से सहमति बनी है। नर्मदा परियोजना से जुड़े राज्यों के बीच लंबित भुगतान का निपटारा, राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल परियोजना पर समझौता तथा किशाऊ बहुउद्देशीय बांध परियोजना से जुड़े छह राज्यों के बीच सहमति इसी क्रम में हुई है।

इन घटनाओं को केवल समझौतों की संख्या के रूप में देखने के बजाय संघीय राजनीति में बदलती कार्यशैली के संकेत के रूप में देखना चाहिए। जल विवादों को लंबे समय तक राजनीतिक टकराव और कानूनी प्रक्रिया में उलझाए रखने के बजाय बातचीत से हल करने की कोशिश सकारात्मक है। लेकिन सहकारी संघवाद का अर्थ केवल केंद्र की मध्यस्थता नहीं है। उसमें राज्यों के बीच बराबरी का भरोसा, पारदर्शिता और साझा जिम्मेदारी भी जरूरी है।

सोन के पानी का सवाल स्थानीय लोगों की भागीदारी से भी जुड़ा है। पानी के बारे में फैसले राजधानी में होते हैं, लेकिन उसका असर गांवों में दिखाई देता है। किसान, खेतिहर मजदूर, मछुआरे और नदी किनारे रहने वाले समुदाय नदी की बदलती स्थिति को सबसे पहले महसूस करते हैं। इसलिए जल प्रबंधन की व्यवस्था में स्थानीय अनुभव और जरूरतों को शामिल किया जाना चाहिए।

सोन को केवल सिंचाई की नहर में बदल देना भी दूरदर्शी नीति नहीं होगी। नदी का अपना पारिस्थितिक जीवन है। उसका प्राकृतिक प्रवाह भूजल पुनर्भरण, मिट्टी की नमी, जैव विविधता और नदी पर निर्भर आजीविका से जुड़ा है। यदि नदी से पानी निकालने की मात्रा बढ़ती रही और प्राकृतिक प्रवाह की चिंता नहीं की गई तो भविष्य में जल उपलब्धता का संकट और गहरा सकता है। जल बंटवारे में पर्यावरणीय प्रवाह को भी एक आवश्यक तत्व मानना होगा।

जलवायु परिवर्तन इस चुनौती को और गंभीर बना रहा है। बारिश का समय और वितरण पहले की तरह निश्चित नहीं रहा। कभी कम समय में अत्यधिक वर्षा होती है, तो कभी लंबे समय तक सूखा पड़ता है। इसलिए भविष्य की जल नीति को पुराने औसत आंकड़ों तक सीमित नहीं किया जा सकता। नदी के प्रवाह और जल उपलब्धता का लगातार वैज्ञानिक आकलन आवश्यक है।

जल प्रबंधन का अर्थ केवल नदी से अधिक पानी लेना भी नहीं है। वर्षाजल संचयन, भूजल पुनर्भरण, स्थानीय तालाबों और जल संरचनाओं का संरक्षण तथा सूक्ष्म सिंचाई जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। खेत में पानी की दक्षता बढ़ेगी तो नदी पर दबाव कम होगा। फसल चयन को भी स्थानीय जल उपलब्धता के अनुरूप करने की जरूरत है।

इस समझौते का सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि सोन के पानी को विवाद की वस्तु से साझा विकास के संसाधन में बदला जा सकता है। बिहार और झारखंड की ऐतिहासिक निकटता इस सहयोग को आधार देती है। दोनों राज्यों की जरूरतें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन कृषि और ग्रामीण जीवन के लिए पानी दोनों की समान आवश्यकता है।

इसलिए सोन समझौते को किसी एक राज्य की जीत या दूसरे की हार के रूप में देखना गलत होगा। पानी की साझेदारी का अर्थ है अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी साझा करना। बिहार को अपने हिस्से के पानी का उपयोग करते हुए झारखंड की जरूरत को समझना होगा और झारखंड को भी साझा नदी तंत्र की सीमाओं को ध्यान में रखना होगा। इसी संतुलन से समझौता टिकाऊ बनेगा।

समझौते के बाद दोनों राज्यों को एक समयबद्ध कार्ययोजना बनानी चाहिए। नहरों और वितरण तंत्र की स्थिति का आकलन, आवश्यक निवेश, जल उपयोग की निगरानी और नियमित समीक्षा इसकी प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही, विवाद खत्म होने के बाद संवाद खत्म नहीं होना चाहिए। नदी का स्वभाव बदलता है, इसलिए जल प्रबंधन की संस्थाओं को भी बदलती परिस्थितियों के अनुरूप काम करना होगा।

सोन का अनुभव देश के दूसरे अंतरराज्यीय जल विवादों के लिए भी महत्वपूर्ण है। पानी पर संघर्ष बढ़ने के पीछे केवल पानी की कमी नहीं, बल्कि आंकड़ों की अस्पष्टता, अविश्वास और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी होती है। यदि राज्यों के बीच जल संबंधी आंकड़ों की साझेदारी, वैज्ञानिक आकलन और नियमित संवाद की व्यवस्था हो तो अनेक विवादों को गंभीर होने से पहले ही रोका जा सकता है।

इस पूरे मामले में एक बुनियादी सवाल फिर भी बना रहेगा–हम नदी को देखते कैसे हैं? यदि नदी को केवल बांध, नहर और जल की मात्रा के रूप में देखा जाएगा तो कोई भी समझौता अधूरा रहेगा। नदी एक जीवित प्राकृतिक तंत्र है, जिसके साथ मनुष्य की खेती, आजीविका और संस्कृति जुड़ी है। जल नीति को इस व्यापक दृष्टि की जरूरत है।

सोन पर हुआ समझौता इसलिए एक अंत नहीं, बल्कि शुरूआत है। करीब ढाई दशक पुराने विवाद को सुलझाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई गई है। अब उसी इच्छाशक्ति को प्रशासनिक दक्षता, वैज्ञानिक प्रबंधन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी में बदलना होगा।

अंततः इसकी सफलता का पैमाना कागज पर दर्ज 5.75 या 2 मिलियन एकड़-फीट पानी नहीं होगा। पैमाना यह होगा कि कितने खेतों तक सिंचाई पहुंची, कितने गांवों की पेयजल समस्या कम हुई और सोन का प्राकृतिक प्रवाह कितना सुरक्षित रहा।

सोन के पानी पर समझौता हो गया है। अब असली परीक्षा है–क्या पानी के साथ भरोसा भी बंटेगा, क्या विकास के साथ नदी भी बचेगी और क्या सहकारी संघवाद कागज से निकलकर खेत और गांव तक पहुंचेगा। यदि ऐसा हुआ तो यह समझौता केवल 25 साल पुराने विवाद का अंत नहीं, बल्कि अंतरराज्यीय जल सहयोग की एक नई शुरूआत होगा।

संपादकीय

फिर-फिर निर्भया कांड

एक बार फिर बारह साल पुराने निर्भया कांड की पुनरावृत्ति हुई है। निर्भयाकांड में दिसंबर 2012 में 23 साल की युवती के साथ क्रूरता से गैंगरेप हुआ था, जिसकी बाद में सिंगापुर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। इस घटना के बाद देश में व्यापक आक्रोश उभरा था। यौन हिंसा के खिलाफ कानून कठोर किए गए। इस कांड में साल 2020 में चार अपराधियों को फांसी की सजा दी गई थी। लेकिन सवाल यह है कि क्या सख्त कानून और कठोर सजाओं के बाद ऐसे अपराधों पर अंकुश लगा? दुखद है कि एक बार फिर निर्भयाकांड की पुनरावृत्ति हुई । अकेली नाबालिग लड़की, खाली बस और चलती बस में चालक-परिचालक द्वारा गैंग रेप। उ.प्र. की एक सोलह साल की लड़की किसी बात पर मां की डांट से क्षुब्ध हो घर छोड़कर अपने रिश्तेदार से मिलने नोयडा सेक्टर-63 के लिये चली। लेकिन रात के अंधेरे और बारिश के मौसम की गफलत में नोयडा के परी चौक पर उतर गई। सेक्टर-63 जाने के लिये उसने जिस बस को रुकवाया, उसमें बैठे दरिंदों ने बस के वहीं जाने की बात कहकर उसे बैठा लिया। पर्दे लगी स्लीपर बस में लड़की के बैठते ही परिचालक ने उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। चालक-परिचालक ने दुराचार किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। करीब 47 किलोमीटर के सफर में उसके साथ यौन हिंसा हुई। अपराधी उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड में छोड़कर फरार हो गए। किशोरी ने साहस दिखाते हुए रात ही में कश्मीरी गेट पुलिस को वारदात की सूचना दी। पुलिस ने इस मामले में टीम बनाकर पड़ताल की। बस की पहचान व रूट की जानकारी सीसीटीवी कैमरों के जरिये की गई। चालक-परिचालक को तिमारपुर की बस पार्किंग से गिरफ्तार किया गया। फोरेंसिक जांच के लिये बस को भी कब्जे में लिया गया है। लेकिन सवाल है कि चार अगस्त की घटना को पुलिस ने क्यों पर्दे में रखा? आखिर क्यों हादसे की सार्वजनिक जानकारी 31 अगस्त को मीडिया को दी गई?

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। ...

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : जंक फूड की चमक के पीछे छिपता पोषण का संकट

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से एक से 7 सितम्बर के बीच 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2026 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'पोषण की शक्ति को जानें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने के महत्व पर जोर देता है। दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं। एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है। पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से एक से सात सितम्बर तक 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है। पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है। पर्याप्त पोषण का सेवन करने वाले व्यक्ति अधिक कार्य करते हैं जबकि खराब पोषण प्रतिरक्षा में कमी, बीमारी के जोखिम को बढ़ाने, शारीरिक एवं मानसिक विकास को क्षीण करने तथा कार्यक्षमता में कमी पैदा करने का कार्य करता हैं।

कानून का डर ही नहीं, संस्कारों की रोशनी भी जरूरी

कांतिलाल मांडोत

नाबालिग छात्रा के साथ बस में अपराध समाज के लिए चेतावनी, बेटियों की सुरक्षा केवल कड़े कानून से नहीं बल्कि चरित्र निर्माण से होगी...

नई दिल्ली में 16 वर्षीय छात्रा के साथ चलती बस में हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। पुलिस के अनुसार छात्रा ग्रेटर नोएडा के परी चौक से एक बस में सवार हुई थी और बाद में उसे दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में छोड़ दिया गया। मामले में बस चालक और परिचालक को गिरफ्तार किया गया है। घटना की जांच चल रही है और अदालत में आरोपों की पुष्टि तथा अंतिम दोष सिद्ध होना अभी बाकी है। लेकिन इतना जरूर है कि एक नाबालिग लड़की के साथ इस प्रकार की कथित घटना समाज के सामने कई गंभीर सवाल खड़े करती है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर कानून कड़े होने के बावजूद अपराधियों के मन में कानून का भय क्यों नहीं पैदा हो रहा है? देश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए कठोर प्रावधान मौजूद हैं। नाबालिगों की सुरक्षा के लिए पॉक्सो कानून बनाया गया है और गंभीर अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है। इसके बावजूद जब ऐसी घटनाएं सामने आती हैं तो स्पष्ट होता है कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। कानून आवश्यक है, लेकिन अपराध रोकने के लिए कानून के साथ सामाजिक चेतना, नैतिक शिक्षा, परिवार के संस्कार और जिम्मेदार नागरिकता भी उतनी ही आवश्यक है।

यह घटना इसलिए भी चिंता बढ़ाती है क्योंकि पीड़िता एक छात्रा है। वह किसी सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ रही एक बच्ची है। परिवार से किसी बात को लेकर निकली, रास्ते में परिस्थितियों के कारण असहाय हुई और जिस वाहन को उसने मदद का माध्यम समझा, उसी में उसके साथ कथित अपराध हो गया। यह स्थिति बताती है कि सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अभी भी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देनी चाहिए।

सार्वजनिक परिवहन में चालक और परिचालक केवल वाहन चलाने या यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने वाले कर्मचारी नहीं होते। उनके ऊपर यात्रियों की सुरक्षा की भी जिम्मेदारी होती है। इसलिए परिवहन कंपनियों और संबंधित विभागों को कर्मचारियों के सत्यापन, प्रशिक्षण और निगरानी को गंभीरता से लेना चाहिए। बसों में पर्याप्त निगरानी व्यवस्था, आपातकालीन सहायता, शिकायत तंत्र और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था प्रभावी होनी चाहिए। किसी भी यात्री को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि संकट की स्थिति में वह पूरी तरह अकेला है।

लेकिन सवाल केवल व्यवस्था का नहीं है। सवाल उस मानसिकता का भी है जिसमें किसी लड़की या महिला को कमजोर समझकर उसके साथ मनमानी करने की कोशिश की जाती है। किसी महिला की मजबूरी, अकेलापन या असहाय स्थिति किसी दूसरे व्यक्ति को अपराध करने का अधिकार नहीं देती। किसी की चुप्पी को सहमति समझना, विरोध को दबाने की कोशिश करना या डराकर अपनी बात मनवाना घोर अन्याय है। यह बहादुरी नहीं, बल्कि कायरता और चरित्रहीनता है। समाज को यह समझना होगा कि महिलाओं के सम्मान की शुरूआत घर से होती है। बच्चे क्या देखते हैं, क्या सुनते हैं और किस वातावरण में बड़े होते हैं, इसका उनके व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता है। माता-पिता द्वारा दिए गए संस्कार जीवनभर साथ रहते हैं। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाना जरूरी है कि हर व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। लड़की और लड़के में भेद किए बिना दोनों को मर्यादा, सहमति, जिम्मेदारी और दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का महत्व समझाना होगा। आज के समय में बच्चों और किशोरों पर उनके मित्रों, इंटरनेट, सोशल मीडिया और आसपास के वातावरण का भी प्रभाव पड़ता है। गलत संगत कई बार सही और गलत के बीच का अंतर कमजोर कर देती है। इसलिए केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि परिवार ने संस्कार दिए हैं। परिवार, विद्यालय और समाज तीनों को मिलकर बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका निभानी होगी। युवाओं को यह समझाना होगा कि क्षणिक आवेश में लिया गया गलत निर्णय पूरी जिंदगी को प्रभावित कर सकता है।

अपराध के बाद पीड़िता की जिंदगी पर पड़ने वाले प्रभाव को भी समाज को समझना होगा। किसी अपराध की सबसे बड़ी त्रासदी केवल घटना तक सीमित नहीं रहती। पीड़ित व्यक्ति को लंबे समय तक मानसिक पीड़ा, भय, सामाजिक दबाव और असुरक्षा का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए ऐसी घटनाओं में पीड़िता को दोष देने, उसके चरित्र पर सवाल उठाने या घटना के लिए उसे जिम्मेदार ठहराने की मानसिकता पूरी तरह समाप्त होनी चाहिए। अपराध की जिम्मेदारी केवल अपराध करने वाले की होती है। परिवारों की भी जिम्मेदारी है कि बच्चे यदि किसी परेशानी में हों तो वे बिना डर अपनी बात परिवार के सामने रख सकें। घर ऐसा स्थान होना चाहिए जहां बच्चा संकट में सबसे पहले अपने माता-पिता या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से सहायता मांग सके। संवाद की कमी कई समस्याओं को गंभीर बना देती है। बच्चों को यह विश्वास दिलाना आवश्यक है कि परेशानी में घर लौटना शर्म की बात नहीं, बल्कि समझदारी है।

इसके साथ ही प्रशासन और पुलिस की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। ऐसे मामलों में त्वरित जांच, वैज्ञानिक साक्ष्यों का संरक्षण और निष्पक्ष कार्रवाई आवश्यक है। अपराधी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर कोई नहीं होना चाहिए। तेज और निष्पक्ष न्याय व्यवस्था समाज में कानून के प्रति विश्वास मजबूत करती है। केवल कठोर सजा की घोषणा से अपराध नहीं रुकते; अपराध की निश्चित जांच, गिरफ्तारी और न्यायिक प्रक्रिया का प्रभावी होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

चौदह वर्ष पहले दिल्ली में हुई निर्भया घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उसके बाद कानूनों में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर देशभर में गंभीर चर्चा हुई। फिर भी समय-समय पर सामने आने वाली घटनाएं बताती हैं कि कानून के साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन की जरूरत अभी समाप्त नहीं हुई है। किसी घटना के बाद कुछ दिनों तक आक्रोश व्यक्त करना पर्याप्त नहीं। वास्तविक बदलाव तब होगा जब महिलाओं का सम्मान हमारे व्यवहार का स्वाभाविक हिस्सा बनेगा।

यह भी याद रखना होगा कि हर अपराधी को केवल किसी दूसरे घर की बेटी के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। हर लड़की किसी की बेटी, बहन या परिवार का हिस्सा है, लेकिन उससे भी पहले वह स्वयं एक स्वतंत्र और सम्मानित इंसान है। महिलाओं का सम्मान रिश्ते के आधार पर नहीं, मानव गरिमा के आधार पर होना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने बच्चों को केवल सफल बनने की शिक्षा न दें, बल्कि अच्छा इंसान बनने की शिक्षा भी दें। पढ़ाई, नौकरी और आर्थिक सफलता महत्वपूर्ण हैं, लेकिन चरित्र, संयम और संवेदनशीलता के बिना ये उपलब्धियां अधूरी हैं। परिवारों में संवाद बढ़े, विद्यालयों में नैतिक एवं नागरिक शिक्षा को महत्व मिले, युवाओं को जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित किया जाए और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए। दिल्ली की यह घटना पूरे समाज के लिए चेतावनी है। बेटियों की सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है और न ही केवल सरकार की। यह परिवार, विद्यालय, परिवहन व्यवस्था, प्रशासन और समाज–सभी की साझा जिम्मेदारी है। कठोर कानून अपराध के बाद न्याय दिला सकता है, लेकिन संस्कार और जागरूकता अपराध होने से पहले रोकने की शक्ति रखते हैं।

अंततः हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी महिला या बच्ची के सम्मान से खिलवाड़ को कभी सामान्य नहीं माना जाएगा। गलत को गलत कहने का साहस परिवार से लेकर समाज तक विकसित करना होगा। क्योंकि कानून का भय अपराधी को रोक सकता है, लेकिन अच्छे संस्कार व्यक्ति को अपराध करने की सोच तक पहुंचने से रोकते हैं। जब कानून की मजबूती और संस्कारों की शक्ति साथ आएगी, तभी ऐसा समाज बनाया जा सकेगा जिसमें बेटियां भय के साथ नहीं, विश्वास और सम्मान के साथ घर से बाहर निकल सकें।

संक्षिप्त समाचार

मादुरो ने जेल से जारी की तस्वीरें और संदेश दिया ...मजबूती से डटा

काराकास, एजेंसी। अमेरिका की जेल में बंद वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने पहली बार अपनी तस्वीरें जारी की और संदेश दिया कि वे जेल में मजबूती से डटे हुए हैं। न्यूयॉर्क की ब्रुकलिन जेल में बंद 63 वर्षीय मादुरो ने अपने टेलीग्राम और एक्स अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वे ग्रे रंग के ट्रैकसूट में मुस्कुराते हुए और उंगलियों से 'जीत' का इशारा करते दिख रहे हैं। मादुरो ने अपने समर्थकों से कहा, मैं चाहता हूं कि आप जानें कि हम मजबूती से खड़े हैं। वेनेजुएला फिर से उठ खड़ा होगा। बता दें कि जनवरी 2026 में अमेरिकी सेना ने एक गुप्त ऑपरेशन चलाकर मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर लिया था। उन पर ड्रग तस्करी और आतंक फैलाने के आरोप हैं। इस मामले का ट्रायल 1 जून 2027 से शुरू होगा। मादुरो की यह तस्वीर ऐसे समय में आई है जब वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अमेरिका के साथ एक बहुत बड़ा समझौता किया है। इसके तहत अमेरिका वेनेजुएला के लगभग 65 अरब बैरल के तेल भंडारों पर नियंत्रण या बड़ा हिस्सा हासिल करेगा।

अमेरिका ने ईरान के लारक द्वीप पर किया हमला, जवाब में जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरानी मिसाइल अटैक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच छह महीने से अधिक समय से जारी संघर्ष में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने रविवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में लारक द्वीप पर ईरान के रॉकेट लॉन्चरों पर हमला किया। यह करीब एक महीने में अमेरिका की ईरान के खिलाफ पहली सैन्य कार्रवाई है। हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई की है। ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि लारक द्वीप पर अमेरिकी हमले के जवाब में उसने जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, निशाने पर किंग हुसैन और अल-अज्राक स्थित अमेरिकी ठिकाने थे। इससे पहले रविवार को अमेरिका ने ईरान के लारक द्वीप पर दो सैन्य लॉन्चरों को निशाना बनाया था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, आईआरजीसी के जवान इन लॉन्चरों के जरिए स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंगें पहुंचाने वाले रॉकेट लॉन्च करने की तैयारी कर रहे थे। अमेरिका ने इसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग की सुरक्षा के लिए तत्काल खतरा बताया। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि उनकी सेनाएं इलाके पर करीबी नजर बनाए हुए हैं और समुद्री व्यापार के मुक्त प्रवाह की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने को तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में नई माइंस बिछाने वाले किसी भी जहाज या नाव के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। लारक द्वीप पर अमेरिकी हमले के बाद ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने पहले ही चेतावनी दी थी कि इस हमले का जवाब दिया जाएगा। अब ईरानी मीडिया ने आईआरजीसी के हवाले से बताया है कि जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया गया। ईरानी सरकारी प्रसारणकर्ता ङ्कत्रढ्ढक्र के अनुसार, लारक पर अमेरिकी हमले में कई ईरानी सैन्यकर्मी और नागरिक मारे गए और घायल हुए। वहीं, आईआरजीसी से जुड़े तस्नीम न्यूज एजेंसी ने दावा किया कि हमले में ड्रोन का इस्तेमाल हुआ और दो लोगों की मौत हुई, जबकि दो अन्य घायल हुए। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि तत्काल नहीं हो सकी है। यह संकरा समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस मार्ग से दुनिया के तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस के करीब पांचवें हिस्से का परिवहन होता है। अमेरिका का कहना है कि वह सैन्य सुरक्षा के जरिए स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में जहाजों की आवाजाही सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है। दूसरी ओर, ईरान ने जलमार्ग को लेकर अपनी स्थिति बनाए रखी है और अमेरिकी दबाव के सामने लंबे संघर्ष के लिए तैयार रहने का संकेत दिया है। लारक ईरान का एक छोटा द्वीप है, जो स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में स्थित है।

टोरंटो में मोहन भागवत ने कहा- भारत 'महाशक्ति' नहीं, बल्कि 'विश्वगुरु' है

टोरंटो, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत 'महाशक्ति' (सुपरपावर) बनकर नहीं, बल्कि मानवता की निस्वार्थ सेवा के जरिए 'विश्वगुरु' बना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के सभ्यतागत डीएनए में सार्वभौमिक मित्रता, शरण देने की भावना और विविधता के प्रति सम्मान निहित है।

टोरंटो में 'हिंदू विश्व बंधु - मित्रता में विश्व को गले लगाओ' सभा को संबोधित करते हुए, भागवत ने दुनिया भर में उत्पीड़न और युद्ध से भागने वालों के लिए एक अभयारण्य के रूप में भारत की ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'कोई भारत को महाशक्ति कह सकता है, लेकिन यह ऐसा नहीं है। इसने दुनिया की सेवा की और अपने चरित्र से यह 'विश्वगुरु' बन गया, महाशक्ति नहीं।'

मोहन भागवत ने अंतरराष्ट्रीय मानवीय संकट के दौरान भारत के आगे बढ़ने के ऐतिहासिक और आधुनिक उदाहरणों को याद किया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश शरणार्थियों की दुर्दशा को याद करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे जामनगर के महाराजा ने उन्हें सुरक्षित घर लौटने तक शरण और सुरक्षा की पेशकश की थी। संकट के समय मदद करने की भारत की परंपरा का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा, 'ऐसे कई उदाहरण हैं और यह सिलसिला अभी भी जारी है।' उन्होंने मध्य पूर्व में हाल के संघर्षों के दौरान लोगों को सुरक्षित निकालने के अभियानों का ज़िक्र करते हुए बताया कि कैसे भारत के सैन्य परिवहन विमानों ने न सिर्फ भारतीय नागरिकों को, बल्कि युद्धग्रस्त इलाके में फंसे सात अन्य देशों के नागरिकों को भी बचाया। उन्होंने कहा, 'जब कुछ साल पहले मध्य पूर्व में युद्ध के दौरान लोग फंस गए थे, तो भारत के सैन्य विमान वहाँ गए और न सिर्फ भारतीय नागरिकों को, बल्कि सात अन्य देशों के नागरिकों को भी वहाँ से सुरक्षित निकाला।' उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐतिहासिक रूप से भारत में मुसलमानों, ईसाइयों, यहूदियों और पारसियों को बिना किसी उत्पीड़न के डर के शांतिपूर्ण आश्रय और ज्ञान मिला है। भागवत ने कहा, 'दुनिया में कहीं भी अगर किसी पर जुल्म हुआ, तो उसे भारत में ही शरण मिली।'

आरएसएस प्रमुख ने भारत की ऐतिहासिक वैश्विक पहुंच और साम्राज्यवादी विस्तारवाद के बीच अंतर बताते हुए कहा कि भारतीय सभ्यता ने अपना दबदबा बनाने के बजाय ज्ञान का प्रसार किया।

'हमारे पूर्वजों ने मैक्सिको से साइबेरिया तक यात्रा की, उन्होंने पैदल ही हिमालय पार किया, छोटी नावों से दक्षिण-पूर्व एशिया गए, लेकिन उन्होंने किसी देश पर कब्जा नहीं किया। उन्होंने ज्ञान, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद और सभ्यता से जुड़े मूल्य सिखाए। आज भी, जब कोई आम भारतीय किसी देश में जाता है, तो वहां के लोग नमस्कार करते हैं। दूसरों की मदद करने की भारत की सभ्यतागत परंपरा पर जोर देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जब भी मुसीबत में फंसे लोगों ने मदद मांगी, तो देश ने कभी मना नहीं किया और अक्सर बिना मांगे ही मदद का हाथ बढ़ाया। यही परंपरा है। यही भारत का डीएनए है। हिंदू दर्शन के मूल भाव को समझाते हुए, भागवत ने स्पष्ट किया कि यह पहचान भाषाई या धार्मिक सीमाओं से कहीं ऊपर है। जब मैं हिंदू कहता हूं, तो हिंदू शब्द को किसी खास भाषा, किसी खास पूजा-पद्धति या किसी खास जीवनशैली से परिभाषित नहीं किया जा सकता,' उन्होंने कहा और जोड़ा कि हिंदू 'सभी का सम्मान करते हैं' और 'सभी को स्वीकार करते हैं'।

भागवत ने मानवता की मूल एकता को पहचानने और विविधता को अपनाने का भी आह्वान किया। हमें इस विविधता की सेवा करनी चाहिए, इसे स्वीकार करना चाहिए और इसका सम्मान करना चाहिए क्योंकि यह एकता की अभिव्यक्ति है. यह उसे सुंदर बनाती है. यह उसकी शोभा है. हम इसका उत्सव मनाते हैं,' उन्होंने कहा. उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन सोच विविधता को स्वाभाविक मानती है, जबकि एकता को मूल सच्चाई मानती है. यहां कई जातियों, कई पंथ और कई भाषाएं रही हैं. सब कुछ अनेक है. प्रकृति, सच्चाई की अभिव्यक्ति, विविध है. विविधता स्वाभाविक है. एकता ही सच्चाई है.

आपको सच्चाई को ध्यान में रखते हुए स्वाभाविक चीजों से निपटना होगा. यही भारत की प्राचीन सोच है,' उन्होंने आगे कहा. 'वसुधैव कुटुंबकम' की विचारधारा पर जोर देते हुए भागवत ने कहा कि जो लोग खुले विचारों वाले और ज्ञानी हैं, वे इस विचार को मानते हैं कि पूरी दुनिया एक परिवार है. 'जो लोग खुले विचारों वाले और ज्ञानी हैं, वे 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को अपनाते हैं. यानी यह विश्वास कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है,' उन्होंने कहा. उन्होंने कहा कि भले ही लोगों की शारीरिक बनावट अलग-अलग हो, 'मूल रूप से हम सब एक हैं।'

अमेरिका: ग्रैंड कैन्यन में अचानक आई बाढ़, 15 लोग लापता; 62 को सुरक्षित निकाला

कोलोराडो, एजेंसी। अमेरिका के ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क में अचानक आई बाढ़ के बाद करीब 15 लोगों के लापता होने की खबर है। अचानक आई बाढ़ ने ब्राइट एंजेल कैन्यन और फैंटम रैंच इलाके को प्रभावित किया। नेशनल पार्क सर्विस के अनुसार, बाढ़ अपने साथ बड़े पत्थर, धातु के ढांचे और अन्य मलबा बहाकर कोलोराडो नदी में ले गई। नेशनल पार्क सर्विस ने बताया कि वह प्रभावित इलाके से लोगों को निकालने और वहां मौजूद लोगों का पता लगाने के लिए एरिजोना के अधिकारियों के साथ काम कर रही है। एजेंसी ने लापता लोगों या इलाके में मौजूद पैदल यात्रियों के बारे में किसी भी जानकारी की अपील की है।

बाढ़ ने बहाए कई पुल, इलाके का बदला नजारा : शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे ब्राइट एंजेल क्रीक में अचानक बाढ़ शुरू हुई। यह नाला आगे जाकर कोलोराडो नदी में मिलता है। तेज बहाव ने नाले पर बने पैदल पुलों को बहा दिया और इलाके का स्वरूप काफी बदल गया। इलाके के वीडियो में नाले का तल पहले की तुलना में चौड़ा दिखाई दे रहा है। इसके अलावा वहां नदी के तेज बहाव वाला एक नया हिस्सा भी बनता नजर आ रहा है। यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी में सेंटर फॉर कोलोराडो रिवर स्टडीज के निदेशक जैक श्मिट ने कहा, 'यह याद दिलाता है कि ग्रैंड कैन्यन कितना गतिशील और सक्रिय भू-दृश्य है।' बाढ़ से बची एरिका वियोला ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि शनिवार दोपहर बारिश शुरू होने के समय वह ब्राइट एंजेल कैंपग्राउंड में थीं। उनके साथ करीब 50 अन्य पैदल यात्रियों ने नाले का जलस्तर बढ़ते देखा। इसके बाद मलबा बहना शुरू हो गया, जिसमें एक इमारत का हिस्सा भी नजर आया। उन्होंने बताया कि समूह को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। इस वजह से उनका अभियान तय समय से दो दिन पहले ही खत्म हो गया। फ्लैगस्टाफ में राष्ट्रीय मौसम सेवा के मौसम विज्ञानी जस्टिन जॉन्ड्रो के अनुसार, चट्टानी इलाके में करीब 30 मिनट के भीतर आधा इंच से एक इंच तक बारिश हुई। इस इलाके में जमीन काफी ऊंचाई से नीचे की ओर जाती है। जॉन्ड्रो ने कहा, 'इसका ज्यादातर पानी तुरंत बह गया।' उन्होंने बताया कि बाढ़ ग्रैंड कैन्यन के उत्तरी हिस्से में आई, जहां ब्राइट एंजेल क्रीक नॉर्थ रिम से नीचे उतरकर कोलोराडो नदी में मिलती है।

गर्म होता हिमालय बढ़ा रहा आपदाओं का खतरा

त्सांगबू री , एजेंसी। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में त्सांगबू री के पास ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटने और उसके मलबे से भोटे कोसी-त्रिशूली नदी तंत्र में अचानक बाढ़ आने की घटना ने हिमालय में बढ़ते जलवायु और भूगर्भीय जोखिम की गंभीरता फिर सामने ला दी। वैज्ञानिकों के अनुसार हिमालय अब केवल बर्फ पिघलने की समस्या से नहीं, बल्कि पूरे पर्वतीय तंत्र में हो रहे बदलावों से जूझ रहा है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अध्ययन बताते हैं कि हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर लगातार सिकुड़ रहे हैं। इससे आने वाले दशकों में पानी की उपलब्धता के साथ-साथ ग्लेशियल झीलों के विस्तार और अचानक बाढ़ का जोखिम भी बढ़ रहा है। ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ उनकी जगह बड़ी और अस्थिर झीलें बन सकती हैं। इन झीलों के किनारे अक्सर बर्फ, चट्टान और ढीले मलबे से बने होते हैं। भूकंप, अत्यधिक बारिश, हिमस्खलन या चट्टान गिरने से इनके टूटने पर कुछ ही मिनटों में भारी मात्रा में पानी और मलबा नीचे की घाटियों में पहुंच सकता है। तापमान बढ़ने से यह पर्माफ्रॉस्ट पिघल रहा है। इसके कमजोर होने से चट्टानी ढलानों की स्थिरता घट सकती है।

आइसलैंड के लोगों का ईयू में शामिल होने से इनकार : रेक्याविक, एजेंसी। आइसलैंड के मतदाताओं ने यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने के सरकार के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। सरकारी प्रसारक आरयूवी ने बताया कि अभी कुछ मतों की गिनती बाकी है, लेकिन इनके नतीजे से परिणाम बदलने की उम्मीद नहीं है। सरकार ने सदस्यता को व्यापार युद्धों और आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से सुरक्षा के लिए जरूरी बताते हुए इसे अब या कभी नहीं का मौका करार दिया था।

मोजतबा खामेनेई ने खाड़ी देशों से की एकजुट होने की अपील, अमेरिका-इजरायल को बताया क्षेत्र का बड़ा दुश्मन

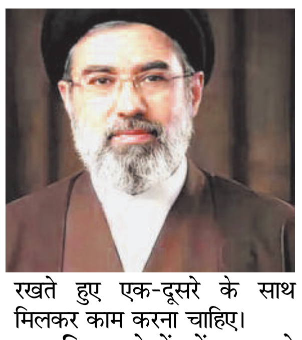

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के छह महीने पूरे होने के बीच ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने खाड़ी देशों और इस्लामी राष्ट्रों के नाम बड़ा संदेश जारी किया है। उन्होंने क्षेत्र के देशों से आपसी मतभेदों को भुलाकर एकजुट होने की अपील की और अमेरिका तथा इजरायल को क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। खामेनेई का यह संदेश ऐसे समय सामने आया है, जब लंबे समय से जारी संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया में राजनीतिक और सैन्य तनाव बढ़ा दिया है। पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिवस के अवसर पर जारी लिखित बयान में मोजतबा खामेनेई ने मुस्लिम देशों के बीच सहयोग और भाईचारे को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के देशों को अपने साझा हितों और भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

मुस्लिम देशों में फूट से दुश्मनों को फायदा : मोजतबा खामेनेई ने अपने संदेश में कहा कि मुस्लिम समुदाय और इस्लामी देशों के बीच किसी भी तरह का विभाजन बाहरी शक्तियों को फायदा पहुंचाता है। उनके अनुसार, राजनीतिक और धार्मिक मतभेदों को बढ़ाने वाले कदम क्षेत्र की एकता को कमजोर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति या नेतृत्व अगर ऐसा कार्य करता है जिससे समाज और देशों के बीच फूट पैदा हो, तो इसका लाभ उन ताकतों को मिलता है जो क्षेत्र को अस्थिर रखना चाहती हैं। खामेनेई ने खाड़ी देशों के नेताओं से आपसी सहयोग बढ़ाने और साझा सुरक्षा हितों पर मिलकर विचार करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिमी शक्तियों के प्रभाव से अलग होकर क्षेत्रीय देशों को अपनी नीतियों और प्राथमिकताओं के आधार पर भविष्य की रणनीति तैयार करनी चाहिए।

अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमलों के बाद बढ़ा तनाव : युद्ध के दौरान ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कई बार गंभीर स्तर तक पहुंच चुका है। संघर्ष के शुरुआती दौर में अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद ईरान की सर्वोच्च राजनीतिक और धार्मिक नेतृत्व व्यवस्था में बड़े बदलाव हुए और मोजतबा खामेनेई ने देश की सर्वोच्च जिम्मेदारी संभाली। पद संभालने के बाद उन्होंने सार्वजनिक भाषणों या वीडियो संदेशों के बजाय मुख्य रूप से लिखित बयानों के जरिए अपने विचार रखे हैं। पिछले छह महीनों के दौरान क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ीं और ईरान की ओर से कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के दावे भी सामने आए। इन घटनाओं के बाद सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, कुवैत, कतर और बहरीन समेत कई देशों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीति को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। अपने संदेश में मोजतबा खामेनेई ने केवल अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर ही नहीं, बल्कि ईरान की घरेलू स्थिति पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने नागरिकों और समाज के विभिन्न वर्गों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील की।

उत्तरी साइप्रस के पास लगभग 270 लोगों को ले जा रही एक फेरी पलटी, 8 लोगों की मौत

बोडरम (तुर्की), एजेंसी। उत्तरी साइप्रस के तट पर रविवार (30 अगस्त) को एक दर्दनाक घटना घटी। लगभग 270 यात्रियों और क्रू सदस्यों को ले जा रही एक फेरी के पलट जाने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। हालांकि इस दौरान खबर सामने आई कि 237 लोगों को बचाया जा चुका है, जबकि 22 अन्य लोगों की तलाश जारी है।

कहां जा रही थी फेरी : कैटामरन शैली की यह फेरी उत्तरी साइप्रस के क्यरेनिया (गिर्ने) बंदरगाह से मर्सिन प्रांत के तुर्की बंदरगाह तसुचु जा रही थी। मिली जानकारी के मुताबिक, ये फेरी साइप्रस तट से लगभग 7.5 किलोमीटर दूर ही हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे के बाद लोग फेरी के आसपास पानी में लाइफ जैकेट पहने दिखे। मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन भी चलाया गया। इस मामले में उत्तरी साइप्रस के प्रधानमंत्री उनाल उस्टेल का बयान भी सामने आया। उन्होंने तुर्की राज्य प्रसारक टीआरटी न्यूज चैनल को बताया कि 237 लोगों को बचाया जा चुका है। 24 लोगों की तलाश जारी है। काइरेनिया के मेयर मूरत सेनकुल ने कहा कि यह जहाज़ फिलो डेनिज़सिलिक फेरी कंपनी का था और साइप्रस के उत्तरी तट पर डायना बीच के पास डूब गया. टीआरटी ने बताया कि फेरी में तट से लगभग 7.5 किलोमीटर (4 नॉटिकल मील) दूर पानी भरने लगा. मौके के वीडियो फुटेज में लोग पलटी हुई नाव के आसपास पानी में लाइफ-वेस्ट पहने तैरते हुए दिख रहे हैं. वहीं नॉर्थ साइप्रस के ट्रांसपोर्टेशन मंत्री एरहान अरिकली ने कहा कि अभी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. मंत्री ने आगे बताया, हमें नहीं पता कि जहाज में पानी किस वजह से भरा है. हालांकि, कई कंपनियां कायरिनिया और तासुकु के बीच व्यस्त मार्ग पर फेरी चलाती हैं. बता दें कि मेडिटेरियन सागर में नाव के हादसे का शिकार होना आम बात है। पिछले साल मार्च में साइप्रस के केप ग्रेको के पास एक नाव पलटी थी, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई थी. उस्टेल ने ये भी बताया कि फेरी इस हादसे का शिकार क्यों हुई। उन्होंने बताया कि फेरी को प्रतिकूल मौसम का सामना करना पड़ा। रवाना होने के महज 15 मिनट बाद ही उसमें पानी भरने लगा था। इसके थोड़े समय बाद ही मदद के लिए कॉल किया गया था। क्यरेनिया के मेयर मुरात सेंकुल इस मामले पर बताया कि साइप्रस के उत्तरी तट पर डायना बीच के पास फेरी डूबी थी। वियतनाम में भी स्पीडबोट पलटने से भी हुई थी 15 लोगों की मौत जुलाई की शुरुआत में वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास हॉन मे रट न्गोई के पास 32 भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक स्पीडबोट पलट गई थी, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया था।

नेपाल त्रासदी: प्रधानाचार्य ने 1643 बच्चों की जिंदगी बचाई, सलाम कर रहे लोग; तीन मंजिला स्कूल पूरा बह गया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। नेपाली सेना ने कई जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों से 361 श्रमिकों को सुरक्षित निकाला है। पर, रसुवा व नुवाकोट में अब भी 898 कामगार फंसे हुए हैं। नुवाकोट की त्रिशूली-3ए परियोजना में जवान सुरंग में छेद बनाकर अंदर पहुंचे, पर वहां कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। बचावकर्मियों ने छह इंच का छेदकर पाइप से ऑक्सीजन व भोजन भेजा है।

सैन्य अफसरों के मुताबिक, त्रिशूली-3ए में 35 कर्मचारियों के फंसे होने का अनुमान है। चार किमी लंबी सुरंग में रोशनी, हवा के लिए चार छेद किए गए हैं। इसके जरिये सुरंग में जाने पर सात मीटर व्यास वाले हिस्से में काफी ऊंचाई तक पानी भरा मिला। ड्रिलिंग व ब्लास्ट के जरिये सुरंग का छेद बड़ा कर कामगारों तक पहुंचने की तैयारी है। भारत-चीन के विशेषज्ञ भी लोगों को बचाने के अभियान में मदद दे रहे हैं। तबाही के बीच नुवाकोट के त्रिभुवन त्रिशूली सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य राजेंद्र दवाड़ी ने सूझबूझ से 1643 बच्चों की जिंदगी बचा ली। दोस्त से बाढ़ की चेतावनी मिलते ही उन्होंने घंटी बजाकर स्कूल आ चुके 900 बच्चों व शिक्षकों को ऊंचे स्थानों पर भेज दिया। 700 से अधिक बच्चे पैदल और बसों से स्कूल की ओर आ रहे थे। उन्होंने बसों से संपर्क कर वहीं से लौटने को कहा। एक बस स्कूल के पास पुल तक पहुंच चुकी थी। 47 साल के दवाड़ी ने उसे वापस भेजा। जैसे ही बस पुल के दूसरी ओर पहुंची, पुल बह गया। कुछ ही देर में त्रिशूली नदी के सैलाब में तीन मंजिला स्कूल भवन पूरी तरह बह गया।

अब तक 788 मौतों की पुष्टि, 2500 से अधिक लापता : नेपाल में 26 अगस्त को आई आपदा में अब तक 788 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है। 2,502 लोग लापता हैं। इनमें 512 विदेशी नागरिक हैं। अब तक 9435 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अपनों को खोजने के लिए लोग तस्वीरें लेकर अस्पतालों के सामने खड़े हैं। शवों की पहचान के लिए आए परिजन अपना दर्द छिपा नहीं पा रहे।

दिल्ली में रहने वाले नेपाली भी मदद के लिए तत्पर, जुटाए 90 लाख : अपने परिवार और परिचितों की सलामती जानने के लिए लोग लगातार संपर्क कर रहे हैं। कई लोग अपनों को खो चुके हैं, जबकि कइयों के परिजन अब भी लापता हैं। ऐसे मुश्किल समय में दिल्ली में रहने वाले नेपाली मूल के लोगों ने अपनी कमाई से नेपाल की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। दिल्ली में नेपाली मूल के करीब दो से तीन लाख लोग रहते हैं। इनमें बड़ी संख्या में नौकरी और दूसरे काम करने वाले लोगों की है। दिल्ली में नेपाली समुदाय से जुड़ी करीब 23 संस्थाएं सक्रिय हैं। इन संस्थाओं ने मिलकर अब तक करीब 90 लाख रुपये जुटाए हैं। यह राशि नेपाल के प्रधानमंत्री राहत कोष में भेजी गई है। मित्र मंच मानव कल्याण समिति के महासचिव कांशीराम आचार्य ने बताया कि 90 लाख रुपये का योगदान आपदा के सामने भले ही छोटा हो, लेकिन समुदाय अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रहा है। दिल्ली-नेपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष युबराज बराल ने बताया कि दिल्ली के व्यापारियों और उद्यमियों से नेपाल की मदद के लिए आगे आने की अपील की जा रही है।

जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक : अमेरिका पहुंचीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

एशविले, एजेंसी। जी20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में हिस्सा लेने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार (अमेरिकी स्थानीय समय) को अमेरिका के साउथ कैरोलिना पहुंचीं। इस बैठक में ग्लोबल ग्रोथ, आर्थिक असंतुलन, सरकारी कर्ज और ईरान संघर्ष के नतीजों पर चर्चा होगी। ग्रीनविल-स्पार्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने सीतारमण का स्वागत किया। सीतारमण सोमवार से नॉर्थ कैरोलिना के एशविल में शुरू होने वाली दो दिवसीय बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। भारत के वित्त मंत्रालय ने सोशल मीड?िया प्?लेटफॉर्म 'एक?स' पोस्ट में ल?िखा, 'केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण का आज साउथ कैरोलिना के ग्रीनविल-स्पार्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने स्वागत किया।

मंत्रालय ने बताया कि वित्त मंत्री अगले दो दिनों तक नॉर्थ कैरोलिना के एशविल में आयोजित जी20 और उससे जुड़ी बैठकों में भाग लेंगी। रविवार को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष केविन वार्श भी एशविल पहुंचे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, दोनों जॉइंट बेस एंड्रयूज से एक साथ वहां पहुंचे। बेसेंट जी20 के 19 सदस्य देशों, यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ के वित्त मंत्रियों तथा केंद्रीय बैंक गवर्नरों की मेजबानी करेंगे। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और आमंत्रित संगठनों के प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल होंगे। अमेरिका ने अपनी जी20 वित्तीय अध्यक्षता के दौरान आर्थिक विकास को सबसे बड़ी प्राथमिकता बनाया है। एशविल पहुंचने के बाद स्कॉट बेसेंट ने 'एक?स' पर लिखा, 'जैसे राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नई गति देने और उसे अपनी सरकार की प्राथमिकता बनाने पर काम कर रहे हैं, वैसे ही हम भी इस वर्ष जी20 वित्तीय ट्रैक के मेजबान के रूप में आर्थिक विकास को प्राथमिकता दे रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हम दुनिया भर के नीति निर्माताओं और निजी क्षेत्र के नेताओं के साथ मिलकर यह संदेश देना चाहते हैं कि मजबूत आर्थिक विकास न केवल संभव है, बल्कि जरूरी भी है।' बैठक में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, लंबे समय से बने ग्लोबल आर्थिक असंतुलन को दूर करने, सरकारी ऋण संबंधी चुनौतियों से निपटने और अधिक मजबूत सप्लाई चेन विकसित करने पर चर्चा होने की उम्मीद है। ईरान से जुड़े संघर्ष के आर्थिक प्रभाव, खासकर ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी और होर्मुज स्ट्रेट से होने वाले व्यापार में व्यवधान, भी चर्चा के प्रमुख विषय रहेंगे। बताया जा रहा है कि अमेरिका इस बैठक और द्विपक्षीय वार्ताओं के जरिए ईरान के आर्थिक संबंधों को सीमित करने के अपने अभियान के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर सकता है। हालांकि, प्रतिबंधों, व्यापार शुल्कों (टैरिफ) और चीन की औद्योगिक नीतियों जैसे मुद्दों पर मतभेदों के कारण किसी व्यापक सहमति वाले दस्तावेज पर पहुंचना आसान नहीं माना जा रहा है। जी20 बैठक में शामिल होने से पहले सीतारमण ने शिकागो में निवेश, नवाचार और भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं पर केंद्रित कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। एक कारोबारी गोलमेज बैठक में उन्होंने वैश्विक कंपनियों को भारत में विनिर्माण इकाइयां, प्रौद्योगिकी केंद्र और नवाचार केंद्र स्थापित करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि कंपनियां भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजारों की सेवा देने के आधार के रूप में उपयोग कर सकती हैं। सीतारमण ने कहा, 'नीतिगत माहौल लगातार ऐसा बनाया जा रहा है जिससे व्यवसायों को निवेश, विनिर्माण, नवाचार और विस्तार करने में सुविधा मिले। जब वैश्विक कंपनियां अपनी सप्लाई चेन और पूंजी निवेश की रणनीति पर दोबारा विचार कर रही हैं, तब भारत केवल एक बड़ा बाजार ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश और संचालन के लिए एक मजबूत मंच भी प्रदान करता है।' वित्त मंत्री ने कृषि, रक्षा प्रौद्योगिकी और आतिथ्य क्षेत्र की कई प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। इन बैठकों में एडीएम के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्त अधिकारी मोनीश पटोलावाला, शील्ड एआई के सह-संस्थापक और अध्यक्ष ब्रैंडन सेंग, तथा हयात के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क एस होपलामाजयिन शामिल थे। सीतारमण ने शिकागो में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सरकार के राजकोषीय सुधार कार्यक्रम, भारत के आर्थिक लक्ष्यों तथा द्विपक्षीय व्यापार और निवेश समझौतों के प्रति भारत के दृष्टिकोण पर चर्चा की। एशविल में अपनी बैठकों के बाद सीतारमण निवेशकों और कंपनियों से मुलाकात के लिए न्यूयॉर्क जाएंगी। यह उनकी छह दिवसीय अमेरिका यात्रा का हिस्सा है।

मंडे की सुबह काम की झंझट आप को कर देती है उदास

5 टिप्स करेंगी मदद

वीकेंड के बाद मंडे की शुरुआत हम सभी के लिए मुश्किल होती है। अक्सर लोग एक उदास मन से मंडे की शुरुआत करते हैं। पर जरूरी यह है कि आप खुश होकर अपने मंडे की शुरुआत करें। इससे मंडे ही नहीं पूरा हफ्ता भी अच्छा गुजरेगा।

सोमवार की सुबह से, हर किसी को डर लगता है। कोई भी नहीं चाहता कि सुनहरे और आरामदेह वीकंड के बाद सोमवार आए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका पेशा क्या है या किस जॉब में है, सोमवार आने का डर हर किसी को रविवार शाम से ही परेशान करता है। कुछ लोग इससे कम परेशान होते हैं तो कुछ लोग ज्यादा। ये वैसा ही है, जैसे लंबी छुट्टी के बाद स्कूल जाना। इसमें हर किसा को ऐसा फील होता है, मानों जैसे अभी तो शुक्रवार को आप एक सप्ताह के अंत का जश्न मना रहे थे। अब पलक झपकाते ही सोमवार की कामकाजी सुबह आ गई। जैसे सुबह सात बजे का अलार्म बजा और सोमवार फिर से वापस आ गया। ऐसे में आपको सोमवार की उदासी से बचना है और एक नए वीक की फ्रेश शुरुआत करनी है, तो आप इन 5 तरीकों को अपना सकते हैं।

नाश्ते में कुछ खास बनाएं

मां जैसे अपने बच्चे को उसके मनपंसद नाश्ते का लालच देती है, वैसे ही हमें मंडे मॉर्निंग खुद को एक अच्छे से नाश्ते का लालच देना चाहिए। मंडे को खासतौर पर आप अपना मनपसंद नाश्ता बनवाएं, जिसे आप खुशी से खा सके। ध्यान रखें कि यह नाश्ता हेल्दी भी हो, जो आपको इर्निजेटिक और लाइट फील कराए।

अच्छे से तैयार होकर ऑफिस जाएं

मंडे सुबह अगर आपको दबी-कुचली, मुचड़ी हुई जींस और बिना प्रेस की हुई टी-शर्ट पहनने को मिले, तो आपका पूरा मूड ऑफ हो जाएगा। ऐसे में अपनी ड्रेसिंग स्टाइल को नया लुक देने का प्रयास करें। अपने पसंदीदा ड्रेस, अपने आरामदायक जूते और पसंदीदा लिपस्टिक को बाहर निकालें और पूरे मन से तैयार होकर ऑफिस निकलें। ऐसा हमें इसलिए भी करना चाहिए क्योंकि जब आप अच्छे कपड़े पहनते हैं, तो आप बेहतर महसूस करते हैं। इस तरह आप खुद को तो पसंद आने के साथ ही दूसरों को भी अच्छे लगते हैं।

सोच बदलें और सकारात्मक सोचें

ऑफिस के बारे में आपके बोरिंग थोट्स हैं, तो आपके लिए कोई भी मंडे दुखदायी ही होगा। ऐसे में अपने मन को बदलिए। सोचिए कि ऑफिस जाकर कितना मजा आएगा। वहां आपके दोस्त होंगे। ऐसा सोचने के लिए जरूरी यह भी है कि आपको आपके काम से प्यार हो। ऑफिस में आपके रिश्ते सबके साथ अच्छे हों क्योंकि अगर ऐसा नहीं है, तो आप मानसिक रूप से काफी परेशान रहेंगे। ऑफिस को लेकर सकारात्मक सोच इसलिए भी जरूरी है कि आप वहां दिन के लगभग 8 से 9 घंटे यहीं बिताते हैं। इस वजह से अगर ऑफिस में खुश रहते हैं, तो आपका काम भी अच्छा होगा। साथ ही आपको किसी मंडे मॉर्निंग का डर नहीं सताएगा और इस तरह आपका पूरा सप्ताह भी अच्छा बीतेगा।

अपने आप को हमेशा बताएं कि आपको आपके जॉब से प्यार है

किसी भी काम को करने से पहले उसके प्रति हमारे मन में प्यार होना बेहद जरूरी है। आप किसी काम को क्यों करते हैं और आप उसे कितना पसंद करते हैं, यह एक बेहद जरूरी चीज है। आपके काम के प्रति आप कितने मोटिवेटेड हैं, यह बात आपकी सफलता और खुशी का एक बड़ा कारण हो सकती है। आप उस काम में उतने ही कामियाब होंगे, जितने मन से आप उस काम को शुरू करेंगे। तो मंडे मॉर्निंग से घबराइए नहीं और अपने काम को अपना पैशन बनाइए। अगर ऐसा नहीं है तो कम से कम ये कोशिश करिए कि आप जो करेंगे, जब तक करेंगे, पूरे दिल से करेंगे।

ऑफिस में अपनी डेस्क को सजा कर रखें

सजावट, साफ- सफाई और खूबसूरती सिर्फ आंखों को ही सुकून नहीं देती बल्कि हमारा मन भी लगाए रखती है। यह आपके मन पर अच्छा प्रभाव डालती है। इसलिए हो सके तो ऑफिस में आप अपने डेस्क को सजा कर रखें। रंग-बिरंगी और काम की चीजों से डेस्क सजाएं। मनी प्लांट और ऐसे ही कुछ हरे भरे छोटे पौधों को भी आप अपने डेस्क पर लगा सकते हैं। इसके अलावा कुछ मोटिवेशनल थोट्स भी अपने डेस्क पर लिखकर लगाएं। यह सारी चीजें आपको खुश और मोटिवेटेड रखती हैं, जिससे आपको मंडे हो या फ्रायडे सब एक समान लगेगा।

रेसिपी

मसालेदार इडली

सामग्री

■ 4-5 इडली ■ 2 टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ आधी शिमला मिर्च ■ 1/2 कप मटर के दाने ■ 1 प्याज ■ 1/4 टीस्पून हल्दी ■ 3/4 टीस्पून अदरक-लहसुन पेस्ट ■ 1 टीस्पून पाव भाजी मसाला ■ 1 टीस्पून टमैटो सॉस ■ 8-10 करी पत्ते ■ 2 टीस्पून हरा धनिया ■ नमक स्वादानुसार ■ तेल ■ 1 टीस्पून सौंफ

विधि

इडलियों के छोटे-छोटे पीसेज काट लें। अब इडली पीसेज को डीप फ्राई करें। कड़ाही में तेल गर्म कर उसमें सौंफ डालें। करी पत्ता डालने के बाद लंबा कटा हुआ प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर इसे तेल छोड़ने तक अच्छी तरह भूनें। इसमें बारीक कटे हुए टमाटर डालने के बाद नमक, मटर के दाने, शिमला मिर्च और बाकी मसाले डालकर फ्राइड इडली को डाल दें। प्लेट में निकालकर ऊपर से गार्निश करें।

वेजिटेबल राइस

सामग्री

■ बासमती चावल- 2 कप ■ सब्जियां ■ प्याज ■ लौकी ■ बीन्स ■ गाजर ■ गोभी ■ शिमला मिर्च)- 2 कप ■ टमाटर- 1 (बारीक कटा) ■ घी- 2 चम्मच ■ दालचीनी- 1/2 चम्मच ■ लौंग पाउडर- 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला- 1/2 चम्मच ■ हल्दी पाउडर- 1/2 चम्मच ■ धनिया पाउडर- 1/2 चम्मच ■ नमक-स्वादानुसार ■ नींबू का रस-स्वादानुसार ■ अदर-लहसुन पेस्ट- 1/2 चम्मच ■ दही- 2 चम्मच ■ जीरा और सरसों के दाने- 1 चम्मच

विधि

पैन में घी गर्म करें। अब इसमें जीरा, सरसों के दाने डालकर तड़काएं। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट के साथ दालचीनी और लौंग का पाउडर डालें। थोड़ी देर फ्राई करेंगे। अब बाकी मसाले डालें और इसके साथ ही टमाटर भी। अब सारी सब्जियां और दही को भी डाल दें और ढककर अच्छे से पकाएं। थोड़ा पक जाने के बाद इसपर पके हुए चावल की लेयर बिछाएं। अब इसे 15 मिनट तक और पकाएं। ऊपर से हरी धनिया डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

काकुरो पहेली - 2574

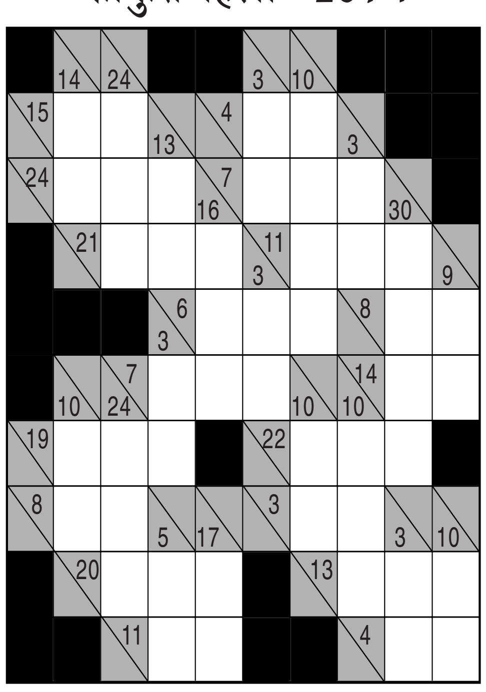

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

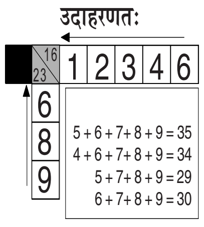

काकुरो - 2573 का हल

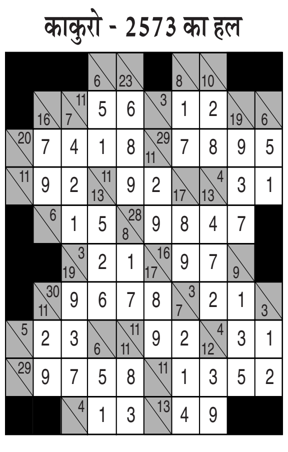

लॉफिंग ज़ोन

एक बार एक कंजूस सेठ किराये की टैक्सी मे बैठा जा रहा था कि अचानक ही ड्राइवर बोला- साहब मेरी गाडी के ब्रेक फेल हो गये हैं.

इस पर सेठ जल्दी से बोला- अरे ब्रेक फेल हो गये हैं तो क्या हुआ पहले जल्दी से टैक्सी का मीटर तो बंद कर.

☺ ☺ ☺

एक पाठक ने किसी पत्रिका में एक प्रश्न पूछा कि पापड़ और झापड़ में क्या अंतर है?

संपादक ने उत्तर दिया - 'बेकार में दिमाग खपाने से कुछ नहीं होता. दोनों खाकर देख लीजिए, फर्क अपने आप समझ में आ जाएगा.'

☺ ☺ ☺

मनोज (दुकानदार से)- 'कैसी कुर्सियां बनाते हो? पिछले हफ्ते कुर्सी खरीदी थी, दो दिन भी नहीं चली.'

दुकानदार (मनोज से)- माफ कीजिएगा साहब, कुर्सी चलने के लिए नहीं होती, बैठने के लिये होती है.

☺ ☺ ☺

राकेश (मुकेश से)- 'फांसी के फंदे और शादी के फंदे में क्या अन्तर है?'

मुकेश (राकेश से)- 'फांसी के फंदे के बाद तमाम मुसीबतें खत्म हो जाती है और शादी के फंदे के बाद मुसीबतों की शुरूआत होती है.'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2574

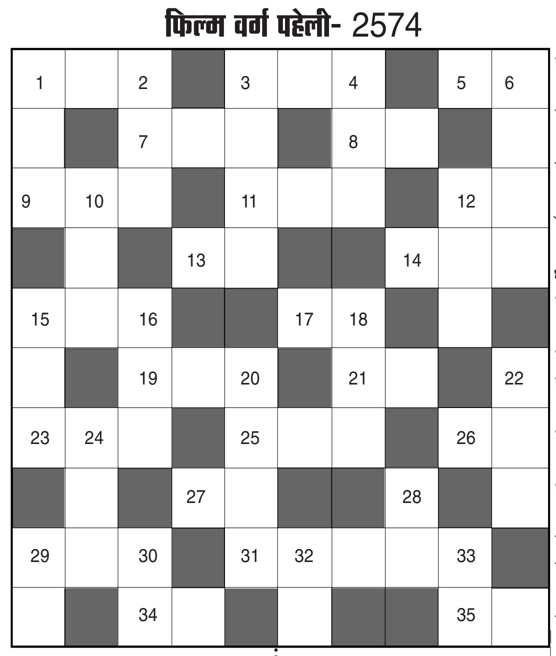

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्री पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५.अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७.गुरूदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९.चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमुताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१.चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते है' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2573

सूडोकु -2574

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2573 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली -2574

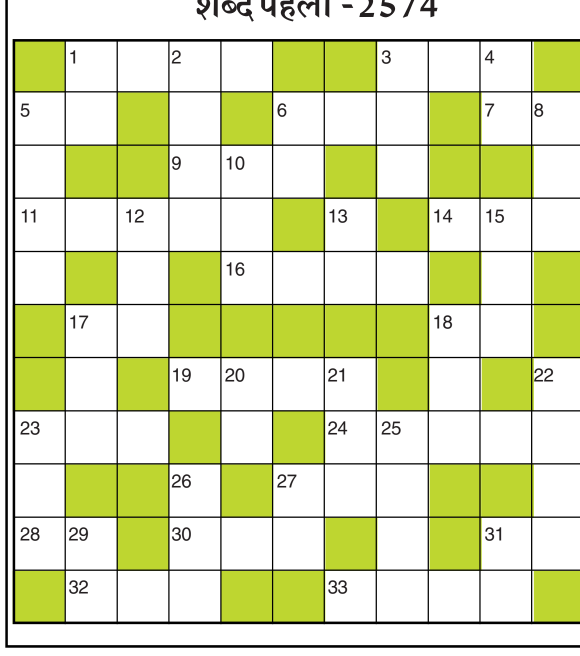

बाएँ से दाएँ

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे

1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -2573 का हल

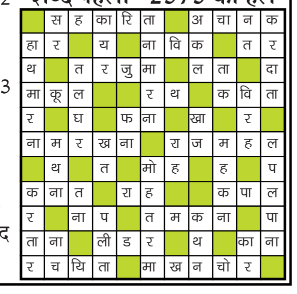

अखिलेश यादव के आरोपों पर संजय निषाद का पलटवार, 'अपराधी की कोई जाति नहीं होती'

एजेंसी

लखनऊ। एसटीएफ की कार्रवाई पर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने पलटवार किया। संजय निषाद ने कहा कि सरकार का काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करना है। इसके अलावा, उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जुड़े एआई वीडियो पर भी अपनी राय रखी। संजय निषाद ने कहा कि विपक्ष को बयानबाजी करने के बजाय अपने शासनकाल को याद करना चाहिए। उन्होंने गोरखपुर के रेल आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि जब उनकी सरकार थी, तब आंदोलनकारियों पर गोली क्यों चलाई गई थी और उनके समाज के साथ किस तरह का व्यवहार हुआ था। एसटीएफ का गठन पहले की सरकारों के समय हुआ था। फर्क यह है कि पहले अपराधियों को संरक्षण मिलता था और अब एसटीएफ स्वतंत्र रूप से कार्रवाई कर रही है और अपराधियों को सजा दिलाने में सफलता मिल रही है। अपराधी की कोई जाति नहीं होती और कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है।

अभिषेक बनर्जी ने फायर ऑडिट के नाम पर विपक्ष को निशाना बनाने का लगाया आरोप

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्षी दलों को निशाना बनाने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर रही है। अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'भाजपा सरकार सिर्फ तीन दिन पहले हमारी पार्टी का साइन बोर्ड गैर-कानूनी तरीके से हटाने से ही संतुष्ट नहीं थी। आज, फायर सेफ्टी ऑडिट करने के लिए हमारे पार्टी ऑफिस में फायर डिपार्टमेंट को भेजा गया है और जाहिर है, साथ में कैमरे, पब्लिसिटी स्टंट और मीडिया का वही पुराना तमाशा भी है। वाह! प्रशासन के इस जोश को देखकर प्रभावित हुए बिना कोई नहीं रह सकता।' उन्होंने आगे कहा कि यह प्रशासनिक सक्रियता तब क्यों नहीं दिखी, जब चुनाव से ठीक एक महीने पहले एक रहस्यमय आग में हजारों चुनावी मशीनें जलकर खाक हो गई थीं। अभिषेक ने लिखा, 'अफसोस की बात है कि यह जबरदस्त जोश तब कहीं नहीं दिखा था, जब चुनाव के सिर्फ एक महीने के अंदर ही एक रहस्यमयी आग में 4,000 कंट्रोल यूनिट, 4,000 बैलेट यूनिट और 4,000 वीवीपैट जलकर खाक हो गए थे।

कुमारस्वामी कांग्रेस के खिलाफ नहीं, भाजपा को खत्म करने की लड़ाई लड़ रहेः डीके शिवकुमार

बेंगलु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह कांग्रेस के खिलाफ नहीं, बल्कि भाजपा को खत्म करने की लड़ाई लड़ रहे हैं। सरकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी लेना बेंगलुरु के नेहरू प्लैनेटेरियम के पास मीडिया से बातचीत के दौरान शिवकुमार ने यह टिप्पणी की। उनसे कुमारस्वामी द्वारा राज्य सरकार पर कथित केपीएससी भर्ती घोटाले में शामिल होने के आरोपों को लेकर सवाल पूछा गया था। मुख्यमंत्री ने कहा, 'कुमारस्वामी हमारे खिलाफ नहीं लड़ रहे हैं। वह भाजपा के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्हें अपना काम करने दीजिए। उन्हें जो आरोप लगाने हैं, लगाने दीजिए।' कुमारस्वामी के उस दावे पर कि वह ऐसे दस्तावेज जारी करेंगे जिससे राजनीतिक हलचल मच जाएगी, शिवकुमार ने संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'बहुत खुशी की बात है।' भाजपा की प्रस्तावित पदयात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी को पदयात्रा करने की पूरी स्वतंत्रता है और कांग्रेस भी बाद में अपना कार्यक्रम घोषित करेगी।

सेंट्रल ग्राउंडवाटर बोर्ड का डेटा इस बात का सबूत है कि भगवंत मान सरकार ने पंजाब के दशकों पुराने ग्राउंडवाटर संकट को ठीक करना शुरू कर दिया हैः बलतेज पन्नू

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने कहा कि ग्राउंडवॉटर के ताजा मुल्याकंन से पंजाब को उम्मीद की एक बड़ी किरण मिली है, क्योंकि सरकारी डेटा से पता चलता है कि राज्य ने उस संकट को ठीक करना शुरू कर दिया है जिसे पिछली सरकारों ने दशकों तक गंभीर होने दिया। उन्होंने कहा कि यह सुधार भगवंत सिंह मान सरकार द्वारा नहर के पानी का इस्तेमाल बढ़ाने, नहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और पंजाब की ग्राउंडवॉटर पर निर्भरता कम करने के लिए की गई लगातार कोशिशों का नतीजा है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, आप पंजाब के राज्य मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने कहा, 'दशकों से, हम पंजाब के पानी को बचाने की ज़रूरत के बारे में सुनते आ रहे हैं। हमने नेताओं को खुद को पंजाब के पानी का कस्टोडियन कहते, प्रतीकात्मक औजार लेकर और इमोशनल भाषण देते देखा।

दिल्ली से लखनऊ 2 घंटे और पटना 4.5 घंटे में

हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन से सफर होगा बेहद तेज

एजेंसी

दिल्ली। दिल्ली से लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी और पटना जाने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर है। प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के जरिए दिल्ली-लखनऊ का सफर करीब 2 घंटे 12 मिनट में पूरा हो सकता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस प्रस्तावित कॉरिडोर की संभावनाओं की जानकारी दी।

रेल मंत्री के मुताबिक, यह हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर दिल्ली को आगरा, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी और पटना जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ेगा। इससे दिल्ली और उत्तर प्रदेश-बिहार के बीच यात्रा का समय काफी कम हो सकता है। प्रस्तावित बुलेट ट्रेन से करीब 495 किलोमीटर की दिल्ली-लखनऊ दूरी लगभग 2 घंटे 12 मिनट में तय होने का अनुमान है। वहीं दिल्ली से कानपुर की करीब 455 किलोमीटर की दूरी सिर्फ 1 घंटे 50 मिनट में पूरी हो सकती है।

दिल्ली से वाराणसी और पटना का सफर भी होगा तेज

प्रस्तावित कॉरिडोर के तहत दिल्ली से प्रयागराज की करीब 750 किलोमीटर की दूरी लगभग 3 घंटे में पूरी हो सकती है। वहीं दिल्ली से वाराणसी की करीब 945 किलोमीटर की दूरी तय करने में करीब 3 घंटे 33 मिनट लग सकते हैं। सबसे लंबा सफर दिल्ली से पटना का होगा। करीब 1,170 किलोमीटर की दूरी को हाई-स्पीड रेल के जरिए लगभग 4.5 घंटे में पूरा करने का लक्ष्य बताया गया है।

रूट दूरी संभावित यात्रा समय

-दिल्ली-आगरा 200 किमी 58 मिनट

-दिल्ली-कानपुर 455 किमी 1 घंटा 50 मिनट

-दिल्ली-लखनऊ 495 किमी 2 घंटे 12 मिनट

-दिल्ली-प्रयागराज 750 किमी करीब 3 घंटे

-दिल्ली-वाराणसी 945 किमी 3 घंटे 33 मिनट

-दिल्ली-पटना 1170 किमी करीब 4.5 घंटे

रेल मंत्री ने कहा कि अगर यह प्रोजेक्ट शुरू होता है तो मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के बाद यह देश का अगला बुलेट ट्रेन कॉरिडोर होगा और राष्ट्रीय राजधानी को उत्तर प्रदेश और बिहार के कई प्रमुख शहरों से जोड़ेगा।

मुख्यमंत्री पर अभद्र टिप्पणी का वीडियो वायरल, आरोपी हिरासत में

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अभद्र टिप्पणी का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी आलम को हिरासत में लिया है। आरोपी नगर में किराए के मकान में रहता है और मूल रूप से गोरखपुर का रहने वाला बताया जा रहा है। इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो तेजी से प्रसारित हुआ। वीडियो नगर के रेलवे रोड का बताया जा रहा है। इसमें एक यूट्यूब चैनल के लिए आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर लोगों से बातचीत की जा रही थी। इसी दौरान आलम से भी बातचीत की गई। वीडियो में वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करता दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद इंटरनेट मीडिया पर लोगों ने नाराजगी जताई। बड़ी संख्या में लोगों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वीडियो को काफी लोगों ने देखा और इसे लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। मामला सामने आने के बाद नगर के व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कोतवाली पुलिस से शिकायत की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने आरोपी आलम को हिरासत में ले लिया। एसीपी दादरी प्रशाली गंगवार ने बताया कि व्यापार मंडल की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में आरोपी आलम को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वह नगर में किराए पर रहता है और मूल रूप से गोरखपुर का निवासी बता रहा है।

त्रिपुरा में भाजपा युवा मोर्चा की नई टीम का ऐलान, दक्षिण त्रिपुरा के अध्यक्ष बने सुदीप गोप

महामंत्री के तौर पर अर्बन से अंकुश चक्रवर्ती और धलाई से प्रसेनजीत त्रिपुरा को जिम्मेदारी दी गई है।

एजेंसी

अगरतला। भाजपा ने त्रिपुरा में युवा मोर्चा की नई राज्य और जिला कमेटी का गठन किया है। इसको लेकर त्रिपुरा भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष अरिंदम देब ने मंगलवार को नोटिफिकेशन जारी किया है। नई लिस्ट में पिलाक यानी दक्षिण त्रिपुरा जिले की युवा इकाई के नए अध्यक्ष के तौर पर सुदीप गोप को नियुक्त किया गया है। पार्टी की ओर से जारी दो अलग-अलग लिस्ट में राज्य कमेटी और जिला अध्यक्षों के नामों का ऐलान किया गया है।

राज्य कमेटी की लिस्ट में 31 पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। इसमें 5 उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। सदर ग्रामीण से बिरेश देबबर्मा, अर्बन से सरूज देब, उनाकोटी से जयदीप मालाकार, गोमती से प्रसेनजीत पॉल और सिपाहीजला दक्षिण से बॉबी बिस्वास।

महामंत्री के तौर पर अर्बन से अंकुश चक्रवर्ती और धलाई से प्रसेनजीत त्रिपुरा को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, सचिव पद पर 5 नाम

हैं, जिनमें दक्षिण से साजन नाथ, सिपाहीजला उत्तर से शांता देबनाथ, अर्बन से सौरभ दत्ता, अर्बन से ही सम्राट रॉय और उत्तर जिले से जन्मजीत कानू के नाम शामिल हैं। इसके अलावा एडवोकेट निलांजन दास को कोषाध्यक्ष, मनी किशोर देब को कार्यालय सचिव, अमलन मुखर्जी को प्रवक्ता, एडवोकेट अनिर्बान लोध को लीगल सेल प्रभारी, रंजीत देब को सोशल मीडिया प्रभारी, बिकी दास को आईटी प्रभारी, सौरजीत दास को मीडिया प्रभारी बनाया गया है।

अन्य प्रकोष्ठों में दिवाकर आचार्जी को 1 बूथ 20 यूथ प्रभारी, दीप श्याम चौधरी को स्पोर्ट्स प्रभारी, सैकत चौधरी को कॉलेज आउटरीच प्रभारी, निर्मल देबनाथ को स्वच्छ भारत प्रभारी और एडवोकेट देबालिना चक्रवर्ती को ब्लड डोनेशन प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

सदस्य के तौर पर सूरजजीत साहा, नबीन देब, मौली दास, शुभा देब, अभिजीत रॉय, अनिंदिता डे और तनुश्री बानिक को शामिल किया गया है।

जिला अध्यक्षों की लिस्ट में 10 नामों का ऐलान किया गया है। इसमें अर्बन से रघुनाथ लोध, सदर ग्रामीण से सौरव कुमार दास, गोमती से शांतनु देबनाथ, सिपाहीजला दक्षिण से अरिंदम दास, सिपाहीजला उत्तर से सैकत साहा, खोवाई से बापी मजूमदार, धलाई से रसेल सिन्हा, उनाकोटी से प्रणब चौधरी, दक्षिण त्रिपुरा यानी साउथ पिलाक से सुदीप गोप और उत्तर त्रिपुरा से रोनी डे को जिला अध्यक्ष बनाया गया है।

यह आदेश प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, महामंत्री (संगठन) और प्रदेश मोर्चा प्रभारी को भी भेजा गया है।

8.86 एकड़ जमीन घोटाले में हेमंत सोरेन ने हाई कोर्ट में दायर की क्रिमिनल रिवीजन याचिका, ईडी कोर्ट के आदेश को दी चुनौती

एजेंसी

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बड़गाईं अंचल के 8.86 एकड़ जमीन घोटाला मामले में ईडी कोर्ट के आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट में क्रिमिनल रिवीजन याचिका दायर की है। यह याचिका मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दायर की गई है और पीएमएलए की विशेष कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। दरअसल, रांची स्थित पीएमएलए की विशेष कोर्ट ने 8 जून को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज कर दिया था। इस आदेश के खिलाफ सीएम सोरेन ने झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यह मामला ईसीआईआर/ 06/2023 से जुड़ा है, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची के बरियातू इलाके में 8.86 एकड़ जमीन के कथित अवैध अधिग्रहण और हस्तांतरण को लेकर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। ईडी का आरोप है कि बड़गाईं अंचल की यह जमीन धोखाधड़ी के जरिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पक्ष में हस्तांतरित की गई थी। सीएम सोरेन की ओर से दायर हाईकोर्ट में दायर क्रिमिनल रिवीजन याचिका में पीएमएलए कोर्ट के आदेश को रद्द करने और उन्हें इस मामले में आपराधिक कार्रवाई से मुक्त करने की मांग की है। बता दें

याचिका में दलील दी गई है कि विवादित जमीन पर उनका कोई सीधा मालिकाना हक नहीं है और ईडी के पास इस मामले में कोई ठोस प्राथमिक साक्ष्य नहीं है। याचिका में कहा गया है कि विशेष कोर्ट ने बिना तथ्यों पर गौर किए उनकी डिस्चार्ज याचिका को खारिज कर दिया, जो न्यायसंगत नहीं है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कि जमीन घोटाला मामले में ईडी ने मुख्यमंत्री से लंबी पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार भी किया था। हालांकि, बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी और उन्होंने दोबारा मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। अब डिस्चार्ज पिटीशन खारिज होने के बाद उन्होंने हाई कोर्ट का रुख किया है। इस मामले में अगली सुनवाई जल्द होने की उम्मीद है।

'कभी नहीं सोचा था सेना छोड़नी पड़ेगी...'

राष्ट्रपति मुर्मू के पूर्व एडीसी सांब्याल ने बताया समय से पहले क्यों लिया रिटायरमेंट?

एजेंसी

नई दिल्ली। मेजर ऋषभ सिंह ऋषभ सिंह सांब्याल ने भारतीय सेना में लगभग 12 साल की सेवा के बाद समय से पहले रिटायरमेंट ले लिया है। राष्ट्रपति के पूर्व एडीसी के तौर पर उन्हें अक्सर राष्ट्रपति मुर्मू के साथ बड़े समारोहों, सार्वजनिक कार्यक्रमों और विदेश दौरों पर देखा जाता था। अब सभी के मन में एक ही सवाल था कि आखिर सांब्याल ने समय से पहले रिटायरमेंट क्यों ले लिया है।

भारतीय सेना छोड़ने के बाद ऋषभ सिंह सांब्याल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर कहा कि सेना की वर्दी पहनना उनका बचपन का सपना था। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन इसे समय से पहले उतारना पड़ेगा। सांब्याल ने कहा कि जिंदगी में कुछ परिस्थितियां ऐसी आ जाती हैं, जो इंसान की दिशा बदल देती हैं। उन्होंने कहा कि कुछ निजी और पारिवारिक कारणों की वजह से यह फैसला लिया गया है और उनके परिवार ने इसमें उनका साथ दिया है।

राष्ट्रपति मुर्मू के साथ शेयर की तस्वीरें

राष्ट्रपति मुर्मू के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए सांब्याल ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'राष्ट्रपति भवन में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। माननीय राष्ट्रपति के आशीर्वाद और सीख ने मुझे जीवन में एक व्यक्ति के तौर पर आगे बढ़ने में मदद की है। साथ ही, उनके परिवार से दोबारा मिलकर बहुत अच्छा लगा। जय हिंद।'

एनडीए से शुरू हुआ सैन्य सफर

सांब्याल ने 2013 में एनडीए परीक्षा पास करने के बाद नेशनल डिफेंस एकेडमी जॉइन किया। वह 2014 में शुरू हुए 133वें एनडीए कोर्स का हिस्सा थे। बाद में उन्होंने इंडियन मिलिट्री एकेडमी में ट्रेनिंग ली। यहां पर उन्होंने मिलिट्री स्टडीज और डिफेंस मैनेजमेंट की पढ़ाई की। अपने शुरुआती करियर में उन्होंने भारत के सबसे बड़े मिलिट्री समारोहों में से एक, गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लिया। 2021 में तत्कालीन कैप्टन सांब्याल ने गणतंत्र दिवस परेड में जाट रेजिमेंट की टुकड़ी का नेतृत्व किया।

गोवा से दिल्ली जा रही इंडिगो की उड़ान ने तकनीकी खराब के चलते की इमरजेंसी लैंडिंग

कुछ यूजर्स ने एयरलाइन के मोबाइल एप्लिकेशन में लॉग-इन करने में भी परेशानी की सूचना दी थी।

एजेंसी

नई दिल्ली। गोवा से दिल्ली जा रही इंडिगो की एक उड़ान ने मंगलवार को विमान में आई 'तकनीकी समस्या' के बाद आपातकालीन स्थिति में गोवा लौटकर सुरक्षित लैंडिंग की। यह जानकारी एयरलाइन की ओर से दी गई। इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 2102 ने उत्तरी गोवा से सुबह 9:16 बजे उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही देर बाद चालक दल द्वारा तकनीकी समस्या की सूचना दिए जाने के बाद विमान वापस गोवा की ओर मुड़ गया। इस दौरान विमान को सुरक्षित रास्ता देखने को लिए मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे ने करीब सुबह लगभग 9:30 बजे 'फुल इमरजेंसी' घोषित कर दी थी। हालांकि, विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और

सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यात्रियों को बोर्डिंग क्षेत्र में ठहराया गया। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, 'उत्तरी गोवा से दिल्ली जा रही इंडिगो की उड़ान 6ई 2102 में उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद तकनीकी समस्या का पता चला। मानक संचालन प्रक्रिया के तहत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया गया और पायलटों ने विमान को वापस मोड़कर मनहर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सुरक्षित उतार लिया।' एयरलाइन ने कहा कि विमान की फिलहाल रखरखाव संबंधी जांच की जा रही है और सभी आवश्यक मंजूरियां मिलने के बाद वह दोबारा परिचालन शुरू करेगा।

इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा, 'हम अपने ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हैं। इसे कम करने के लिए हमने हर संभव प्रयास किया, जिसमें यात्रियों को जलपान उपलब्ध कराना और समय-समय पर अपडेट देना शामिल है।'

एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। इंडिगो ने कहा, 'हमारे ग्राहकों, चालक दल और विमानों की सुरक्षा इंडिगो में हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।'

इससे पहले पिछले महीने इंडिगो की वेबसाइट पर तकनीकी समस्या सामने आई थी, जिसके कारण कई यात्री उड़ानों की बुकिंग करने, वेब चेक-इन पूरा करने या कुछ ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करने में असमर्थ रहे थे।

लोजपा (रामविलास) के तीन विधायक आरोपों के घेरे में, बढ़ी पार्टी की मुश्किलें

एजेंसी

पटना। बिहार की सियासत में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के तीन विधायकों से जुड़े गंभीर आरोपों ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। बिहार सरकार में मंत्री संजय सिंह पर दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में युवती के साथ कथित अभद्र व्यवहार और मामले को दबाने के लिए कथित लेन-देन के आरोपों के बाद पार्टी प्रमुख चिराग पासवान ने निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की बात कही है। इसी बीच मुजफ्फरपुर के विधायक अमित कुमार रानू और डेहरी के विधायक सोनू सिंह से जुड़े मामले भी चर्चा में हैं। दिल्ली के होटल में मंत्री संजय सिंह से जुड़े आरोपों को लेकर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए चिराग पासवान ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला सुरक्षा के मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। उनका कहना है कि यदि जांच में कोई व्यक्ति दोषी पाया

जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। संजय सिंह पर लगे आरोपों को लेकर बिहार के पूर्व मंत्री और राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके आरोपों के बाद यह मामला राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गया है। हालांकि, विवाद के बीच लोजपा (रामविलास) के दो अन्य विधायक भी अलग-अलग मामलों को लेकर सुर्खियों में हैं। पार्टी के तीन विधायकों के खिलाफ गंभीर आरोप सामने आने से विपक्ष को भी सरकार और गठबंधन पर हमला करने का मौका मिल गया है। लोजपा (रामविलास) के विधायक अमित कुमार रानू पर इसी महीने दबंगई और जमीन पर कब्जा दिलाने के आरोप लगे। पुलिस को मिली शिकायत के बाद विधायक के आवास पर छापेमारी की गई। पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त को जमीन विवाद से संबंधित शिकायत मिली थी, जिसके बाद कार्रवाई की गई। मुजफ्फरपुर पुलिस के मुताबिक, विधायक के घर पर तलाशी ली गई। इस दौरान कई स्टांप पेपर, जमीन से संबंधित दस्तावेज और एक निर्माण कंपनी से जुड़े कागजात बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि विधायक के भाई सोनू सिंह और विधायक की कथित संलिप्तता से जुड़े दस्तावेज भी मिले हैं। बरामद साक्ष्यों के आधार पर मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है और जांच जारी है। रोहतास जिले के डेहरी-डालमियानगर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी विमल कुमार की हत्या के बाद उनकी पत्नी ने डेहरी से लोजपा (रामविलास) विधायक सोनू सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे। मृतक की पत्नी का आरोप था कि विधायक उनके पति से 50 लाख रुपये की मांग कर रहे थे और रकम को लेकर उन्हें लगातार फोन कर परेशान किया जाता था। उन्होंने पुलिस के समक्ष अपना बयान भी दर्ज कराया था। हालांकि, इस मामले में पुलिस ने मृतक के चालक को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

कर्नाटक के धारवाड़ में एनएच-4 पर कार पलटने से तीन लोगों की मौत

एजेंसी

धारवाड़। कर्नाटक में धारवाड़ तालुक के वेंकटपुर गांव के पास मंगलवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग 4 पर एक कार पलटने से तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान केयू विनायक (25), मंजुनाथ (29) और बसवराज (34) के रूप में हुई है, ये सभी दावणगेरे जिले के निवासी थे। बताया जाता है कि वे खानपान के काम के लिए धारवाड़ आए थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार में सवार लोग अपना काम खत्म करके शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक ढाबे पर खाना खाने गए थे और उसके बाद कार धारवाड़ की ओर जा रही थी।यह दुर्घटना लगभग सुबह 2:30 बजे घटी जब एक लॉरी अचानक कार के सामने आ गई। लॉरी से बचने के प्रयास में, चालक बसवनागौड़ा ने अचानक ब्रेक लगा दिए। जिसके बाद चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, इसके परिणामस्वरूप वाहन तेज गति से सड़क विभाजक से टकरा गया और पलट गया। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए धारवाड़ जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। संबंधित गराग पुलिस स्टेशन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और दुर्घटना की जांच शुरू की।गौरतलब है कि 28 अगस्त को भी तुमकुरु जिले के चिक्कनायकानहल्ली तालुक में गोडेकेरे गेट के पास दो कारों की टक्कर में तीन साल की बच्ची सहित चार लोगों की मौत हो गई थी और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

मृतकों की पहचान चिक्कनायकानहल्ली निवासी अनिल (32) और विवेक (31) तथा तुरुवेकेरे निवासी दाऊद पाशा और उनकी तीन वर्षीय बेटी अनाम के रूप में हुई थी। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना तब हुई जब तुरुवेकेरे से आ रही एक कार चिक्कनायकानहल्ली की ओर से आ रही एक फॉक्सवैगन कार से टकरा गई।

पाकिस्तान क्रिकेट: मिसबाह-उल-हक का इस्तीफा, सात खिलाड़ियों को किया बाहर

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इन दिनों इंग्लैंड में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है. पहले दो मैच हारकर ही वो सीरीज हार चुके हैं. लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में उन्हें 194 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा. इससे पहले लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में उन्हें पारी और 103 रनों हार मिली थी. ये पिछले छह टेस्ट मैचों में से पाकिस्तान की पांचवीं हार है।

टीम के लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ी और कोच से खुश नहीं है. इसलिए बोर्ड ने सीरीज के बीच में ही आखिरी टेस्ट से पहले टीम में बड़े बदलाव कर दिए हैं. बोर्ड ने कोच समेत सात खिलाड़ियों को टीम से एजबेस्टन में 9 सितंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले ही हटा दिया है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिसबाह-उल-हक ने पाकिस्तान पुरुष राष्ट्रीय सिलेक्शन कमिटी से इस्तीफा देने की पेशकश की है। यह कदम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा इंग्लैंड दौरे के दौरान टेस्ट टीम और कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव करने के फैसले के बाद उठाया गया है। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने अभी तक मिसबाह का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने लाहौर में नेशनल क्रिकेट

एकेडमी में बैटिंग कंसल्टेंट की भूमिका से भी हटने का फैसला किया है।

टीम से बाहर होने वाले खिलाड़ी

टेस्ट स्क्वाड से बाहर होने वाले खिलाड़ियों में सलमान अली आगा, विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान, ओपनिंग बल्लेबाज इमाम-उल-हक, अली उस्मान, आमिर जमाल, मुहम्मद अवैस जफर और खुर्रम शहजाद के नाम शामिल हैं।

कोच की भी छुट्टी

यह बदलाव सिर्फ खिलाड़ियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि रेड-बॉल हेड कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को भी उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है. उनकी जगह अब व्हाइट-बॉल के हेड कोच माइक हेसन और एशले नोफके को रखा गया है।

7 नए खिलाड़ियों की टीम में एंट्री

बाहर किए गए 7 खिलाड़ियों की जगह 7 नए खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है. जिसमें टेस्ट स्तर पर पांच अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं. जिसमे बल्लेबाज साइम अयूब और अब्दुल्ला फजल के साथ-साथ बाएं हाथ के स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर अराफात मिन्हास शामिल हैं. अनकैप्ड खिलाड़ी मोहम्मद इमरान जूनियर, साद बेग, मोहम्मद इमरान और रजाउल्लाह भी टीम से जुड़ेंगे।

साइम अयूब 8 टेस्ट और अब्दुल्ला फजल दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं. जबकि अराफात मिन्हास ने तीन वनडे और चार टी-20 मैच खेले हैं. इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान जूनियर, विकेटकीपर-बल्लेबाज और कायद-ए-आजम ट्रॉफी 2025-26 के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' साद बेग, और दाएं हाथ के पेस बॉलिंग ऑलराउंडर मोहम्मद इमरान (जिन्हें इमरान रंधावा के नाम से भी जाना जाता है) और रजाउल्लाह हैं।

पाकिस्तान की अपडेटेड टेस्ट स[ड

बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, अराफात मिन्हास, अजान अवैस, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अली, मुहम्मद इमरान, मोहम्मद इमरान जूनियर, मुहम्मद गाजी गोरी (विकेटकीपर), रजाउल्लाह, साद बेग (विकेटकीपर), साइम अयूब, साजिद खान, सऊद शकील, शान मसूद और उबैद शाह।

वैभव ने बनाए 40 रन, ईस्ट जोन को 159 का मिला टारगेट

नईदिल्ली (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सेंट्रल जोन के खिलाफ अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के लगाए।सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। ईस्ट जोन को टेस्ट मैच जीतने के लिए 159 रन का टारगेट मिला है। इसके जवाब में टीम ने 27 ओवर में 3 विकेट पर 94 रन बना लिए हैं। कुमार कुशाग्र 16 और कप्तान ईशान किशन 1 रन बनाकर खेल रहे हैं। सेंट्रल जोन की शुरुआत खराब

रही और 37 रन तक टीम के तीन विकेट गिर गए। कप्तान रजत पाटीदार 5 और रिंकू सिंह 20 रन ही बना सके। 95 रन तक 7 विकेट गंवाने के बाद अरशद खान ने लोअर ऑर्डर के साथ मिलकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। हालांकि टीम 158 रन पर ही सिमट गई। अमन मोखाड़े ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। अरशद खान ने 25 और हर्ष दुबे ने 24 रन की पारी खेली। ईस्ट जोन की ओर से मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 12 ओवर में 44 रन देकर 4 विकेट लिए। मोहम्मद शमी ने 3, जबकि अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और कुनैन कुरैशी ने 1-1 विकेट लिया। मोहम्मद शमी ने दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। ईस्ट जोन की ओर से खेल रहे शमी ने सेंट्रल जोन के खिलाफ 3 विकेट लेकर प्रोफेशनल क्रिकेट में अपने 900 विकेट पूरे किए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले सिर्फ छठे भारतीय गेंदबाज बने। शमी ने 36 साल की उम्र में यह मुकाम हासिल किया।

ब्राजील के खिलाफ भारत ने टीम का किया ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए फीफा वर्ल्ड कप में भाग ले चुकी तीन टीमें- पनामा, ब्राजील और उरुग्वे- भारत का दौरा करने वाली है। ये तीनों टीमें सितंबर और अक्टूबर में भारतीय फुटबल टीम से फ्रेंडली मैच भी खेलने वाली है. जिससे भारत को खुद को परखने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम 26 सितंबर को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में पनामा के खिलाफ मैच खेलेगी. इसके बाद वे कोलकाता जाएंगे, जहां उनका मुकाबला 3 अक्टूबर को पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील और 6 अक्टूबर को दो बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे से होगा। बता दें कि ये तीनों टीमें इस साल की शुरुआत में हुए वर्ल्ड कप में खेली थीं, लेकिन पनामा और उरुग्वे ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थीं जबकि ब्राजील राउंड ऑफ 16 में नार्वे से हारकर बाहर हो गई थी। इस तीन इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच खालिद जमील ने 26 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा भी कर दी. जिसमें चार गोलकीपर, आठ डिफेंडर, आठ मिडफील्डर और छह फॉरवर्ड शामिल हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम

गोलकीपर- एल्बिनो गोम्स, गुरप्रीत सिंह संधू, प्रभसुखन सिंह गिल, सोम कुमार.

डिफेंडर-अभिषेक सिंह टेकचम, आकाश मिश्रा, अनवर अली, बिजॉय वर्गीज, ह्मिंगथनमाविया राल्टे, जय गुप्ता, प्रमवीर, रिकी मीतेई हाओबाम.

मिडफील्डर- अनिरुद्ध थापा, आशिक कुरुनियन, फारुख चौधरी, लालेंगमाविया राल्टे, मैकार्टन निक्सन, मोहम्मद सनन, रिकी शबोंग, सहल अब्दुल समद.

फॉरवर्ड-एडमंड लालरिंडिका, इरफान यादवाड, मनवीर सिंह, रहीम अली, रयान विलियम्स, विक्रम प्रताप सिंह।

चार रिजर्व खिलाड़ी- गोलकीपर ऋतिक तिवारी, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह कोंशम और रोशन सिंह नाओरेम, मिडफील्डर सुरेश सिंह वांगजाम।

स्टार टेनिस खिलाड़ी की दरियादिली बाढ़ पीड़ितों के लिए दान किए 1 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की स्टार टेनिस खिलाड़ी झेंग छिनवेन ने एक बार फिर मुश्किल वक्त में अपने देश के लोगों का साथ देकर दिल जीत लिया है। याहू स्पोर्ट्स के मुताबिक, इस स्टार खिलाड़ी ने तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक मिलियन युआन यानी करीब 1.5 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.4 करोड़ रुपये) दान किए हैं। चीन चैरिटी फेडरेशन ने इस योगदान की पुष्टि की है। यह मदद ऐसे समय में आई है जब खुद झेंग चोट और सर्जरी के बाद अपने करियर को दोबारा पटरी पर लाने की कोशिश कर रही हैं।

बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई भारी तबाही

चीन-नेपाल सीमा के पास स्थित ग्यिरोंग काउंटी में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई। इस आपदा में बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। इसी मुश्किल घड़ी में झेंग ने आपदा राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए बड़ी रकम दान की। उनका 10 लाख युआन का योगदान प्रभावित लोगों तक आपात सहायता पहुंचाने और बचाव-पुनर्निर्माण कार्यों में इस्तेमाल किया जाएगा। यह पहली बार नहीं है जब झेंग ने प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों की मदद के लिए आगे बढ़कर योगदान दिया है।

2023 में भी की थी बड़ी मदद

झेंग ने इससे पहले 2023 में चीन के गांसू प्रांत के जिशिशान काउंटी में आए भूकंप के बाद राहत कार्यों के लिए 2 लाख युआन यानी करीब 28 हजार डॉलर का दान दिया था। इस बार उनका योगदान पहले की तुलना में पांच गुना है। चीन की सबसे चर्चित खेल हस्तियों में शामिल झेंग का यह कदम उनके सामाजिक सरोकार को भी दिखाता है। 23 साल की झेंग ने खेल की दुनिया में भी कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में महिला एकल का स्वर्ण पदक जीतकर चीन के सबसे बड़े खेल सितारों में अपनी जगह मजबूत की थी।

चोट ने बदली करियर की रफ्तार

हालांकि, पिछले कुछ समय में झेंग के टेनिस करियर को चोट ने बुरी तरह प्रभावित किया। वह कोहनी की चोट के कारण सर्जरी से गुजरीं और लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहीं। इसका असर उनकी रैंकिंग पर भी पड़ा। एक समय दुनिया की नंबर-4 खिलाड़ी रह चुकीं झेंग अब रैंकिंग में 121वें स्थान पर पहुंच गई हैं। चोट के कारण वह 2025 यूएस ओपन में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। इस सीजन में वापसी के बाद उन्हें शुरुआती दौर में कई हार का सामना करना पड़ा। खुद झेंग ने माना कि लगातार हार से वह मानसिक रूप से भी परेशान हुई।उन्होंने कहा, 'वापसी के बाद मैं कुछ ऐसे मैच हार गई, जिन्हें मुझे नहीं हारना चाहिए था। यह मेरे लिए बहुत दर्दनाक था।' झेंग ने बताया कि उन्हें लगता था कि उन्होंने अपने प्रशंसकों को निराश किया है।

यूएस ओपन में वापसी से नई उम्मीद

चोट से वापसी के बाद झेंग के लिए 2026 यूएस ओपन बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए उन्हें क्वालीफाइंग के तीन मुकाबले खेलने पड़े और तीनों में जीत हासिल कर उन्होंने अपनी वापसी को यादगार बनाया। उन्होंने पहले मुकाबले में चीन की यू शियाओदी को 6-3, 6-2 से हराया। इसके बाद क्लारा बुरेल को 6-1, 7-5 से मात दी। आखिरी क्वालीफाइंग मुकाबले में एलेना प्रिदांकिना के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद उन्हें दूसरे सेट में हार मिली, लेकिन निर्णायक सेट में उन्होंने 6-0 की शानदार जीत के साथ 6-4, 3-6, 6-0 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मेसी के संन्यास पर पत्नी हुई भावुक वीडियो और फोटो शेयर किया

नई दिल्ली। लियोनल मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से दूसरी बार संन्यास लेने के फैसले ने दुनियाभर के प्रशंसकों को भावुक कर दिया है। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर के इस फैसले के बाद उनकी पत्नी एंटोनेला रोकुजो ने भी सोशल मीडिया पर अपने जज्बात जाहिर किए। उन्होंने मेसी का एक प्यारा वीडियो और बच्चों के साथ तस्वीर साझा की और उनके पूरे सफर को याद करते हुए दिल छू लेने वाला नोट लिखा।

तुम्हें इस तरह सफर खत्म करते देखना गर्व की बात

एंटोनेला ने अपने पोस्ट की शुरुआत मेसी के लिए गर्व जताते हुए की। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें इस तरह अपने इस सफर का अंत करते देखना कितने गर्व की बात है।' उन्होंने कहा कि मेसी के सफर में कई साल, अनगिनत पल, खुशियां और मुश्किल दौर रहे। उन्होंने अपने पति को संघर्ष करते, गिरते और फिर उठते हुए करीब से देखा है। एंटोनेला ने लिखा, 'मैंने तुम्हें दुखी होते देखा, गिरते देखा और फिर उठते हुए भी देखा। मैंने तुम्हें तब भी आगे बढ़ते देखा, जब चीजें तुम्हारे मुताबिक नहीं हो रही थीं। और तुम्हें हर बार फिर से कोशिश करते और अपने विश्वास को बनाए रखते देखा।'यह संदेश मेसी के उस दौर की भी याद दिलाता है, जब अर्जेंटीना के साथ लगातार फाइनल हारने के बाद उन्होंने 2016 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। हालांकि, वह बाद में वापस लौटे और उनकी कहानी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उन्हें फुटबॉल इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया। एंटोनेला ने मेसी द्वारा साझा किया गया एक वीडियो अपनी स्टोरी पर लगाया है।

बच्चों के लिए सबसे खास रही पिता की कहानी

एंटोनेला के पोस्ट का सबसे भावुक हिस्सा उनके बच्चों को लेकर था। उन्होंने बताया कि उनके बच्चों ने मेसी के पूरे सफर को बेहद करीब से देखा है। उन्होंने लिखा, 'हमारे बच्चों का इस कहानी को बेहद करीब से देखते हुए बड़ा होना मुझे सबसे ज्यादा भावुक करता है। उन्होंने अपने पिता को उस चीज के लिए लड़ते देखा, जिसे वह हासिल करना चाहते थे। उन्होंने तुम्हें हार न मानते और आखिरी पल तक विश्वास बनाए रखते देखा।'मेसी और एंटोनेला के बच्चे अपने पिता के करियर के सबसे बड़े पलों के भी गवाह रहे हैं। खास तौर पर 2022 विश्व कप जीत उनके परिवार के लिए बेहद खास रही। अर्जेंटीना ने कतर में फ्रांस को हराकर विश्व कप जीता था और मेसी ने पहली बार अपने करियर में यह ट्रॉफी उठाई थी। एंटोनेला ने लिखा कि उनके बच्चों को मेसी को सब कुछ हासिल करते और विश्व कप की ट्रॉफी उठाते देखने का मौका मिला।

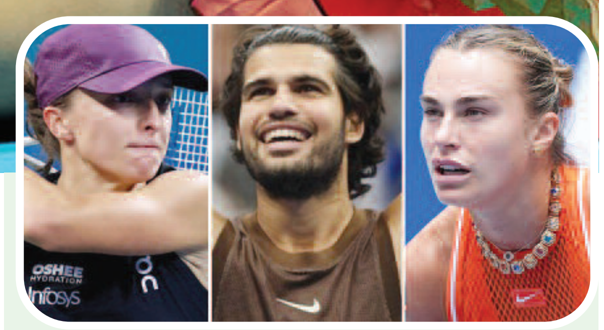

यूएस ओपन: अल्काराज जीते वावरिंका का सफर खत्म

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में जारी यूएस ओपन के दूसरे दिन कई बड़े मुकाबलों ने टेनिस प्रशंसकों का ध्यान खींचा। लंबे ब्रेक के बाद एकल कोर्ट पर लौटे कार्लोस अल्काराज ने जीत के साथ शुरुआत की, जबकि तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर हार के साथ समाप्त हो गया। महिला वर्ग में इगा स्वियातेक, डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका और चोट से वापसी कर रहीं झेंग छिनवेन ने भी दूसरे दौर में जगह बनाई।

अल्काराज ने सीधे सेटों में दर्ज की जीत

चार महीने के ब्रेक के बाद यूएस ओपन में वापसी कर रहे कार्लोस अल्काराज ने रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। मिश्रित युगल में सेरेना विलियम्स के साथ शुरुआती मैच में हारने के बाद स्पेनिश स्टार ने एकल मुकाबले में अपनी लय हासिल कर ली। अल्काराज पूरे मुकाबले में नियंत्रण में नजर आए और उन्होंने सीधे सेटों में जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर खत्म

पूर्व यूएस ओपन चैंपियन स्टेन वावरिंका को मैटेओ बेरेटिनी के खिलाफ 7-6(4), 7-6(3), 6-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर समाप्त हो गया। वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के बाद पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। उन्होंने 2016 में यूएस ओपन का खिताब जीता था।

शेल्टन ने हार के बाद पलटा मुकाबला

अमेरिका के नंबर-1 बेन शेल्टन ने टैलोन ग्रीक्सपूर के खिलाफ धीमी शुरुआत की। वह पहला सेट 1-6 से हार गए, लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट 6-1, 7-6(3), 6-2 से जीत लिए। शेल्टन ने इस तरह मुकाबला 1-6, 6-1, 7-6(3), 6-2 से अपने नाम किया और हाल ही में कनाडा में अपने खिताब का सफल बचाव करने के बाद शानदार फॉर्म जारी रखी।

डेविस को मौका, स्टार्क-कमिंस की वापसी, लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया टीम से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका दौरे के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं जोएल डेविस पहली बार वनडे टीम में चुने गए हैं। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की वापसी हुई है, जबकि पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। लाबुशेन लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उन्हें इस दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। लाबुशेन ने पिछली 18 वनडे पारियों में 21.87 की औसत से रन बनाए हैं। ऑलराउंडर जोएल डेविस को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में चुना गया है। उन्होंने जून में बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। युवा ओली पीक भी टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं। कूपर कोनोली को भी टीम में बरकरार रखा गया है।

सिलेक्टर जॉर्ज बेली ने कहा कि जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका में होने वाली छह मैचों की सीरीज अगले साल के वर्ल्ड कप की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण है। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे

और नामीबिया में खेला जाना है।जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे मैचों में मार्श टीम की कप्तानी करेंगे। रेगुलर कप्तान पैट कमिंस साउथ अफ्रीका सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। हालांकि कमिंस ने संकेत दिया है कि वे साउथ अफ्रीका के सभी तीन वनडे नहीं खेलेंगे, ऐसे में मार्श फिर कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

स्टार्क भी साउथ अफ्रीका सीरीज में वनडे टीम में वापसी करेंगे। जोश हेजलवुड दोनों सीरीज के लिए टीम में हैं। स्पेंसर जॉनसन भी एक साल से ज्यादा समय बाद वनडे क्रिकेट में वापसी करेंगे, जबकि बिली स्टेनलेक को भी तेज गेंदबाजी आक्रमण में शामिल किया गया है।

हिमांशी खुराना ने लगाई आसिम पर आरोपों की झड़ी

हिमांशी खुराना और आसिम रियाज के बीच जुबानी जंग चल रही है। यह विवाद बीते कुछ दिनों में ही काफी बढ़ गया है। आसिम की पोस्ट के बाद अब हिमांशी ने सोशल मीडिया के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें जवाब दिया है।

हिमांशी ने पोस्ट में क्या लिखा?

हिमांशी खुराना ने सोशल मीडिया के जरिए आसिम का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधा है। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने कभी धर्मांतरण का मुद्दा नहीं उठाया। इसके साथ ही आसिम द्वारा अपने स्वास्थ्य को लेकर रही की गई बातों पर भी प्रतिक्रिया दी। हिमांशी ने लिखा - मैंने किसी पर जबरन धर्मांतरण का आरोप नहीं लगाया। मैंने हमेशा सार्वजनिक रूप से अपनी निजी जीवन को साझा करते समय सम्मान और सावधानी बरती है। हर चीज चाहे वह बिग बॉस का अनुभव हो, मेरी आध्यात्मिक यात्रा हो, या मेरी सेहत से जुड़े मामले हों, मैंने सम्मान बनाए रखा। मैंने अपने जीवन के इन पहलुओं को ईमानदारी से साझा किया है। कभी भी किसी का अपमान करने के लिए उपयोग नहीं किया। मैंने अपना पक्ष हमेशा मजबूती के साथ रखा है।

हेल्थ पर की गई टिप्पणी पर बोलीं

आसिम रियाज ने हिमांशी की हेल्थ से जुड़ी भी कई बातें कहीं थीं। इन पर हिमांशी ने कहा, 'जहां तक मेरे स्वास्थ्य का मजाक उड़ाया जाता है और मेरे संघर्षों पर सवाल किए जाते हैं, तो मुझे लगता है कि अब एक सीमा तय करने का समय आ गया है। मुझे भी सब कुछ बता देना चाहिए।'

सारे सबूत मेरे पास भी हैं

आगे हिमांशी ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'अगर हम सबूतों की बात करने जा रहे हैं, तो चलिए सब पर बात करते हैं। मेरे पास मेरे साथ हुई हिंसा से संबंधित तथ्य और सबूत हैं। उम्मीद है आपको 27.11.23 की वह सुबह याद होगी, मैं उसे भी साझा करने के लिए तैयार हूं। अगर आप मेरी छवि खराब करना चाहते हैं, तो अब मैं वह व्यक्ति नहीं हूं जो आपकी तथाकथित छवि बचाने के लिए चुपचाप सब कुछ छुपाती रहूंगी, या बार-बार अपमानित और अनादर किए जाने पर भी चुप रहूंगी।'

लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया

हिमांशी खुराना ने अप्रत्यक्ष रूप से आसिम रियाज पर निशाना साधा। उन्होंने आगे लिखा, 'अलग-अलग प्रोडक्शन हाउस और चैनल के लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया, लेकिन मैं अब उनके जैसी नहीं हूं। मैंने अपनी गरिमा बनाए रखी है और सम्मान दिखाया है, और बदले में मैं भी यही उम्मीद करती हूं। अगर उस सम्मान का प्रतिफल नहीं मिलेगा, तो मेरे पास अब चुप रहने का कोई कारण नहीं है। अगर आप 'सबूत' का खेल खेलना चाहते हैं, तो चलिए इसे ईमानदारी से खेलते हैं। तथ्यों, जवाबदेही और पूरी सच्चाई के साथ।' इससे पहले आसिम रियाज ने सोशल मीडिया पोस्ट कर हिमांशी को सभी आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि उन्होंने कभी हिमांशी को धर्म बदलने के लिए मजबूर नहीं किया। इसके साथ ही उन्होंने हिमांशी की स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों की वजह भी बताई थी।

हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है, 'अनुपमा' का किरदार भी कुछ ऐसा ही है

टेलीविजन अभिनेत्री समीक्षा भटनागर इन दिनों टीवी सीरियल 'अनुपमा' में श्रुति आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि वे खुशकिस्मत हैं कि उन्हें श्रुति का दिलचस्प किरदार करने और डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस में काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने कहा, 'टीवी सीरियल अनुपमा पहले से बहुत लोकप्रिय शो है, जब मुझे डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस की तरफ से मुझे श्रुति आहूजा का किरदार निभाने को मिला, तो मैंने सबसे पहले उसे समझा। मुझे लगा कि इसमें दम है और यह मुझ पर सूट करता है। इसी बात ने मुझे जल्दी से रोल करने के लिए मना लिया और अब लोगों को भी यह किरदार पसंद आ रहा है।' अभिनेत्री ने आगे श्रुति आहूजा के किरदार के बारे में बताया, 'हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है और श्रुति आहूजा का किरदार भी कुछ ऐसा ही था। वह एक मां है, जिन्हें अपनी बेटी के लिए खुद को जस्टिफाई करना पड़ता है। वह अपनी बेटी से प्यार करती हैं, लेकिन वह एक नेगेटिव कैरेक्टर नहीं हैं और मैं नहीं चाहती थी कि लोग उन्हें उस तरह से देखें।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि स्क्रीन पर उस कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी है।' अभिनेत्री ने आगे बताया कि जब भी उन्हें कोई रोल ऑफर होता है, तो वह पहले अपने किरदार के बारे में सोचती हैं कि उसमें क्या नयापन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे कोई रोल ऑफर होता है, तो मेरे लिए यह समझना बहुत जरूरी होता है कि मैं उस किरदार में क्या ला सकती हूं। एक एक्टर के तौर पर, मैं उसमें क्या योगदान दे सकती हूं? उसके बाद, कैरेक्टर के बारे में मेरी समझ बहुत जरूरी हो जाती है। मेरे लिए स्क्रीन पर रोल के साथ जस्टिस करना और यह पक्का करना भी उतना ही जरूरी है कि लोग उससे कनेक्ट करें।'

24 साल बाद टीवी पर होस्ट बनकर लौट रहीं माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने अपने लंबे फिल्मी करियर में एक्टिंग और डांस से तो दर्शकों का दिल जीता ही है, अब वह एक नई जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही टीवी के लोकप्रिय क्विज शो के मराठी वर्जन 'कोण होणार करोडपती' को होस्ट करती नजर आएंगी। यह शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के लोकप्रिय फॉर्मेट पर आधारित है। खास बात यह है कि माधुरी करीब 24 साल बाद एक बार फिर टीवी होस्टिंग की दुनिया में वापसी कर रही हैं। शो को लेकर वह काफी उत्साहित हैं, और उन्होंने बताया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट की तरफ सबसे ज्यादा कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों ने आकर्षित किया। शो में शामिल होने की वजह बताते हुए माधुरी दीक्षित ने कहा, ''कोण होणार करोडपती' सिर्फ सवालों के जवाब देकर पैसे जीतने वाला शो नहीं है, बल्कि यह लोगों के आत्मविश्वास और सपने देखने की हिम्मत से भी जुड़ा है। मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मैं कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों के जरिए उनसे जुड़ पाऊंगी। लोगों की जिंदगी के बारे में जानना और उनके सपनों को समझना मुझे इस शो का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करता है।'' माधुरी ने एक्टिंग और होस्टिंग के बीच के अंतर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ''एक अभिनेता को कैमरे के सामने किसी किरदार में ढलना पड़ता है, जबकि होस्ट के तौर पर वह खुद रह सकता हैं। इस शो में दर्शक मेरा स्वाभाविक अंदाज देखेंगे। मैं कंटेस्टेंट्स के सामने बैठकर उनकी जिंदगी के बारे में बात करूंगी और उनकी बातें सुनूंगी।'' 'कोण होणार करोडपती' के जरिए माधुरी करीब 24 साल बाद टीवी होस्टिंग में वापसी कर रही है। इससे पहले वह 'कहीं ना कहीं कोई है' नाम के टीवी शो को होस्ट कर चुकी हैं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने फिल्मों और दूसरे प्रोजेक्ट्स में ज्यादा ध्यान दिया।

मराठी 'केबीसी' फॉर्मेट को माधुरी से पहले सचिन खेडेकर, स्वप्निल जोशी और नागराज मंजुले जैसे कलाकार होस्ट कर चुके हैं। शो के मेकर्स ने इसी महीने 'कोण होणार करोडपती' का पहला प्रोमो भी जारी किया था। इसमें माधुरी पारंपरिक महाराष्ट्रीयन अंदाज में नजर आई थीं। उनके इस लुक ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। प्रोमो सामने आने के बाद से ही शो को लेकर चर्चा तेज हो गई है। माधुरी के इस नए सफर की जानकारी देते हुए मेकर्स ने बताया था कि माधुरी को 'कौन बनेगा करोड़पति' के मराठी वर्जन 'कोण होणार करोडपती' को होस्ट करने के लिए चुना गया है। उन्होंने शो के प्रोमो की शूटिंग पूरी कर ली है और इसे हिंदी 'कौन बनेगा करोड़पति' के प्रीमियर एपिसोड के साथ जोड़े जाने की तैयारी थी। हिंदी 'केबीसी' को महानायक अमिताभ बच्चन होस्ट करते हैं।

सलमान खान 'मॉन्स्टर' के लिए खुद करेंगे जोखिम भरे स्टंट्स

सलमान खान और नयनतारा की एक्शन फिल्म का नाम 'मॉन्स्टर' तय माना जा रहा है। अभी तक फिल्म को अस्थायी तौर पर 'SVC 63' के नाम से जाना जा रहा था। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी तक टाइटल की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सलमान की इस फिल्म को को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है। इसमें बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस और काफी हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिलेगा। इसी बीच सेट से खबर आई है कि सलमान के बॉडी डबल को अचानक हार्ट अटैक आ गया। इसके बावजूद शूटिंग की रफ्तार न थमे, इसलिए उन्होंने खुद ही जोखिम भरे स्टंट्स करने का फैसला लिया है। सलमान शूटिंग को लेकर बेहद गंभीर हैं और नहीं चाहते कि किसी भी वजह से काम अटक। हालांकि, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टीम में नए स्टंट एक्सपर्ट्स को भी शामिल किया जा रहा है।

हेली शाह ने खुद में खोजा कॉमेडी का एक नया पहलू

टेलीविजन और ओटीटी पर अपने दमदार अभिनय के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री हेली शाह अपनी आगामी वेब सीरीज़ 'चुंबक' के साथ पहली बार कॉमेडी करती नजर आनेवाली हैं। हालांकि इस संदर्भ में हेली का मानना है कि इस नए जॉनर को एक्सप्लोर करना उनके लिए उत्साह के साथ-साथ घबराहट से भरा अनुभव भी था, लेकिन शो के राइटर-डाइरेक्टर आतिश कपाड़िया के विश्वास और भरोसे ने उन्हें इस चुनौती को स्वीकार करने और अपने अभिनय के एक ऐसे पहलू को खोजने में मदद की, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं आजमाया था। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए हेली ने कहा, 'यह पहला मौक़ा है जब मैं कॉमेडी कर रही हूं। मैंने पहले कभी कॉमेडी नहीं की। और मैं सच कहूँ तो मैं बहुत नर्वस थी, मुझे बिल्कुल यकीन नहीं था कि मैं इसे कर पाऊंगी। सच कहूँ, तो अब मुझे लगता है कि यह अतिश सर का मुझ पर भरोसा और विश्वास ही था कि मैं यह कर पाई। मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने मेरे अंदर वह चमक देखी, क्योंकि मैं सच में सेट पर खुद को पूरी तरह सरेंडर करके गई थी। मुझे नहीं पता था कि यह कैसा होगा और मैं क्या करूंगी।'

गौरतलब है कि हेली के लिए यह अनुभव सिर्फ एक नए जॉनर को आजमाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके लिए अपने अभिनय के एक अनदेखे पहलू को खोजने का मौका भी बन चुका है, जिसमेंआतिश कपाड़िया ने उनकी मदद की। इस सिलिसले में हेली कहती हैं 'उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर मुझे अपने एक ऐसे हिस्से को एक्सप्लोर करने में मदद की, जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था। मुझे सच में नहीं पता था कि मैं कॉमेडी भी कर सकती हूं। और इसके लिए मैं सर की बहुत आभारी हूँ।'

क्या साथ नजर आएंगे करीना और धनुष?

संजय लीला भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें करीना कपूर खान नजर आएंगी। उनके अलावा साउथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीएस मित्रन संभालेंगे। हाल ही में मिथ्रन ने फिल्म को लेकर अपडेट शेयर किया है। निर्देशक पीएस मित्रन ने बताया कि संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली एक फिल्म के लिए करीना कपूर खान और धनुष के साथ बातचीत चल रही है। पीएस मित्रन इन दिनों 'सरदार 2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान 'सिनेमा विकटन' से बात करते हुए मित्रन ने कहा, 'करीना और धनुष से बातचीत चल रही है, हम कन्फर्मेशन के लिए तारीखें देख रहे हैं। उम्मीद है कि इससे कुछ अच्छा नतीजा निकलेगा'। मित्रन के इस अपडेट के बाद भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली फिल्म के लिए करीना और धनुष के साथ आने की खबरों ने जोर पकड़ लिया है।

इसी साल शूटिंग शुरू होने की उम्मीद

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाए जाने की तैयारी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट अभी लिखने के स्टेज पर है और फाइनल होने से पहले इसकी स्क्रिप्ट को कई बार फिर से लिखा गया है। उसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नवंबर 2026 में प्री-प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, जनवरी 2027 में मुख्य शूटिंग की योजना है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो यह हिंदी सिनेमा में मित्रन के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म होगी। इसी के साथ इस फिल्म में धनुष और करीना कपूर खान पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, 2000 के दशक की शुरुआत में मनमुटाव के बाद संजय लीला भंसाली के साथ करीना इस फिल्म में पहली बार काम करेंगी।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु – सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल– वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश– आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी– पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि–
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

– पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।
–अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।
–जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।
–पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।
–सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।
–बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।
–अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।
–अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।
–पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।
–एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।
–अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।
–अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।
–अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।
–मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।
–इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।
–सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।
–आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।
–नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

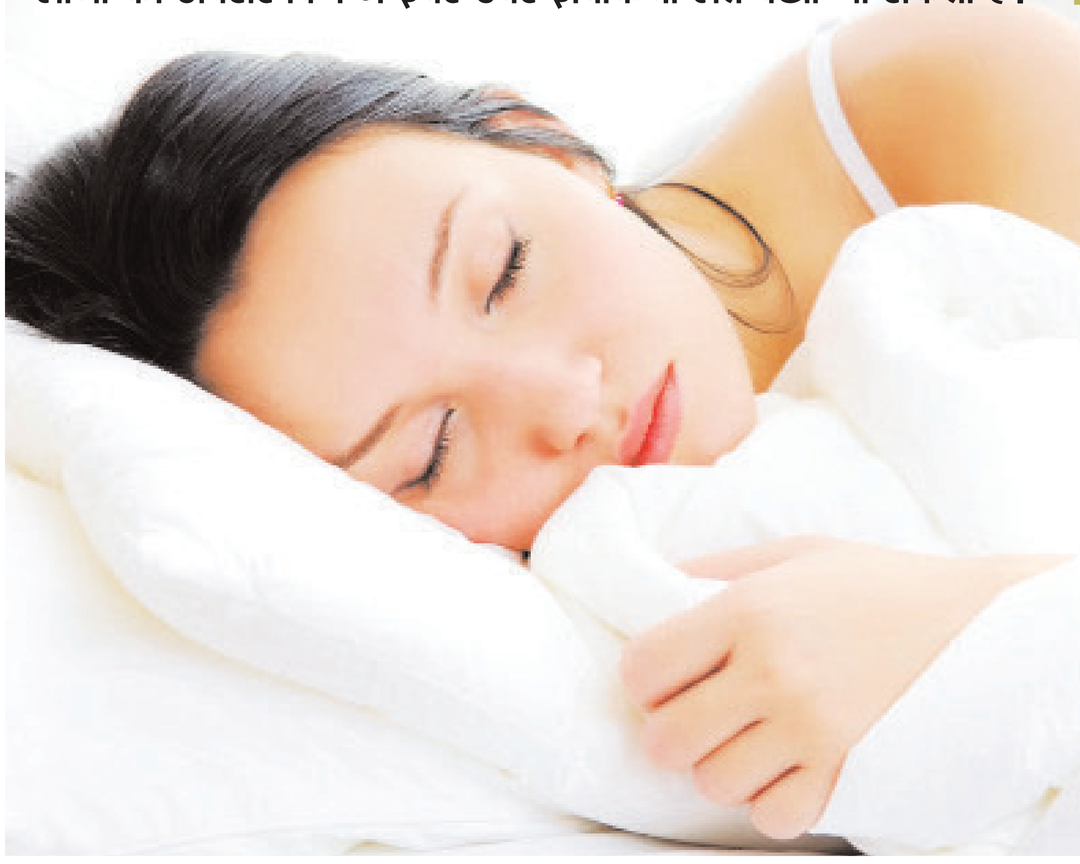

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30– यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30– यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200– इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200– यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30– इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200– यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)– वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।